RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 November, 2022

अंक – 5 (मासिक) वर्ष – 18 नवम्बर, 2022 मूल्य 20/-

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

त्रिभुवन काबरा

साधना की स्वर्णजयंती

50

अ. भा. माहेश्वरी सेवा सदन बनाऐगा आयोध्या में भव्य भवन

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-05 नवम्बर 2022 वर्ष-18

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
घनश्याम करनानी, कोलकाता

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन बनाऐगा अयोध्या में भव्य भवन

विचार क्रान्ति

परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग

महाभारत में धर्म की अनेक परिभाषाओं में एक है, 'अक्रोधः सत्यवचनं संविभाग क्षमा तथा। प्रजनः स्वेषु दारेषु शौचमद्रोह एव च।। आर्जवं भृत्यभरणं नवैते सार्ववर्णिकाः।' अर्थात् किसी पर क्रोध न करना, सदा सत्य बोलना, धन को आपस में बाँटकर भोगना, अपनी ही पत्नी के गर्भ से सन्तान उत्पन्न करना, बाहर-भीतर से पवित्र रहना, किसी से भी द्रोह न करना, सरल भाव रखना और भरणपोषण योग्य व्यक्तियों का पालन करना ये नौ सभी वर्णों के लिए उपयोगी धर्म हैं।

यह श्लोक शांतिपर्व के राजधर्मानुशासन पर्व के 60 वें अध्याय का है। जब युधिष्ठिर ने पितामह भीष्म से पूछा कि ऐसा कौन सा धर्म है, जो प्रत्येक वर्णों के लोगों के लिए समान रूप से पालन योग्य तथा मोक्ष का प्रदाता हो, तब इस प्रश्न के उत्तर में भीष्म ने ये नौ कर्तव्य अर्थात् धर्म गिनाए।

हमारे शास्त्रों में चार वर्ण मान्य हैं। यद्यपि इनका विभाग व्यक्ति के कर्म पर आधारित है किंतु गलत व्याख्या के कारण अनेक बार जन्म से सम्बद्ध निरूपित किया जाता रहा है। जबकि हमारे शास्त्र स्पष्ट कहते हैं कि जन्म से तो प्रत्येक व्यक्ति शूद्र ही होता है। आगे वह जैसे कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसका वर्ण तय होता है।

ऐसे में महत्वपूर्ण है कि कर्मानुसार अलग-अलग वर्णों के अलग-अलग कर्तव्य या धर्म हो सकते हैं लेकिन उपरोक्त नौ सबके लिए समान रूप से उपयोगी और पालनीय है। यदि वर्णव्यवस्था के तथाकथित अंतिम पायदान पर खड़ा और अत्यंत छोटे कार्यों में रत व्यक्ति भी अपने जीवन में इन नौ कर्तव्यों को साध ले तो परम् तत्व को पा सकता है।

साधो! इस श्लोक के एक-एक शब्द का पुनः पुनः पारायण कर निरन्तर चिंतन व मनन करें तो पाएंगे कि हमारे जीवन की सारी उथल-पुथल इन नौ की उपेक्षा के कारण ही होती है। अहंकार को ज़रा-सी ठेस लगने पर हमारा क्रोध उमड़ जाता है जो बुद्धि का नाश कर देता है। झूठ हमारा स्थायी आचरण है और धन को हम अकेले ही भोगने पर तत्पर रहते हैं। परस्त्री गमन से समाज भ्रष्ट होता है और मन की अपवित्रता द्रोह उत्पन्न करती है। भाव की जटिलता पारिवारिक कर्तव्यों से विमुख करती है और सबके जीवन के साथ समाज में अशांति लाती है।

एक बार संकल्पपूर्वक इस श्लोक के निर्देशों को जीवन में उतारने का प्रयत्न तो कीजिए, परिवर्तन सुनिश्चित और परमात्मा की प्राप्ति अटल हो जाएगी।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

श्री राम को समर्पित सेवा : अयोध्या धाम

समाज का एक बहुत दूरदर्शी फैसला प्रशंसनीय है। अभा माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा अयोध्या में समाज का भव्य भवन बनाया जाएगा। अयोध्या भारत की अस्मिता का प्रतीक है। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि होने से यह विश्व के सनातनी समाज की आस्था का केंद्र है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का पुनर्निर्माण होने से यह अब विश्व पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगा। अयोध्या की यात्रा करना हर कोई चाहता है। ऐसे में समाजजनों के लिए अयोध्या में भवन का निर्माण आने वाले समय में एक ऐसी सौगात होगी जिसके लिए हर समाजजन संस्था को धन्यवाद देगा। भवन का निर्माण महत्वपूर्ण तो है ही इससे भी ज्यादा यह महत्वपूर्ण है कि इस भवन के निर्माण में हर माहेश्वरी का योगदान हो, यह तय करना। भवन में हर समाजजन की एक ईंट लगे, इससे अच्छा कुछ हो नहीं सकता। इससे भवन के प्रति हर समाजजन का लगाव होगा। यह भवन जितनी जल्दी बन सके, इसके प्रयास होना चाहिए। क्योंकि जैसे ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पूर्ण होगा, देश-विदेश के समाजजन यहां दर्शन के लिए पहुंचेंगे। यदि उन्हें अयोध्या में रुकने के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन की सुविधा मिल जाती है तो उनकी अयोध्या यात्रा सुखदायी और अविस्मरणीय होगी। निश्चित ही इस काम में समाज का हर व्यक्ति हाथ बंटाना चाहेगा। इसके लिए समाज के स्तर पर आह्वान होने से सभी की अपना योगदान देने की उत्सुकता बढ़ गई है। यह भवन श्रीराम मंदिर निर्माण शैली के अनुसार होगा। इससे भवन की महत्ता और बढ़ जाती है। निश्चित तौर कर समाज के हर व्यक्ति को इसमें योगदान के लिए आगे आना चाहिए। सेवा सदन को यह भी प्रचारित करना चाहिए कि समाजजन किस तरह से अपना योगदान संस्था तक पहुंचा सकते हैं। भारत में आजादी के बाद जिस तरह एक बार फिर सनातन परंपरा को फिर से शीर्ष पर लाने का क्रम शुरु हुआ है, उसमें समाज का योगदान भी महत्वपूर्ण है। केदारनाथ, काशी, अयोध्या, महाकालेश्वर और इस कड़ी में अन्य तीर्थ और धर्मस्थलों का विकास किया जा रहा है, वहां समाज की ओर से भी श्री माहेश्वरी भवन की तरह की सुविधाएं समाजजन उपलब्ध करा सकते हैं। प्राचीन काल में तीर्थ स्थलों पर समाज से श्रेष्ठी वर्ग द्वारा धर्मशालाएं, कुएं, तालाब बनवाए जाते रहे हैं। यह प्राचीन परंपरा आधुनिक समय में समाज के हाथ में आने से ज्यादा उपयोगी और सुविधाजनक होगी। इसके लिए सेवा सदन को साधुवाद।

समाज के लब्ध प्रतिष्ठित उद्यमी त्रिभुवन काबरा के व्यावसायिक क्षेत्र में पदार्पण के 50 साल पूरे हो गए हैं। उन्हें श्री माहेश्वरी टाइम्स की ओर से शुभकामनाएं। आरआर ग्लोबल को विश्वव्यापी ब्रांड बना कर कई कंपनियों के माध्यम से काबराजी ने औद्योगिक-व्यावसायिक सफलता के नए मापदंड स्थापित किए हैं। उनकी इस सफलता के लिए वे अपने अभिभावकों को तो श्रेय देते ही हैं साथ ही अपने समस्त सहयोगियों के प्रति विनम्र आभार भी वे हृदय से अनुभव करते हैं। युवावस्था की दहलीज पर आते ही उन्होंने व्यावसायिक क्षेत्र में कदम रख दिए थे। इसके बाद वे सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। विद्युत, मल्टी लेवल पार्किंग जैसे क्षेत्र में उनका सानी नहीं है। मानवीय संवेदनाओं से भरे श्री काबरा ने केवल व्यावसायिक ही नहीं समाजसेवा और वनवासी क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सेवा की है। पारमार्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से वे कई सेवा प्रकल्प भी संचालित कर रहे हैं। काबराजी के जीवन के कई पहलु हैं जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। तभी तो उनके बारे में यही कहा जाता है- नीति और नियत साफ हो तो सफलता निश्चित है।

मुझे विश्वास है यह दीपावली आप सबके जीवन में सुख-समृद्धि की रोशनी लेकर आई है। आप अपनी अथक कर्मशीलता से नए साल में सफलता से नए उत्कर्ष प्राप्त करें, यही शुभकामनाएं हैं। यह अंक हमेशा की तरह आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप गढ़ने का प्रयास किया है। सभी स्थायी स्तंभों, विचारोत्तेजक आलेखों, मर्मस्पर्शी रचनाओं, ज्ञानवर्द्धक सामग्री को समाहित करते हुए आपको समर्पित है। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें।

जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ख्यात समाजसेवी के रूप में पहचान रखने वाले हावड़ा निवासी घनश्याम करनानी का जन्म 3 जनवरी 1965 को ग्राम सिंथल, जिला-बीकानेर (राज.) में स्व. श्री किशनलाल व श्रीमती तुलसीदेवी करनानी के यहाँ हुआ था। आपने बी.कॉम. तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद आजीविका के रूप में स्व-व्यवसाय को चुना। आप वर्तमान में रियल इस्टेट, भवन निर्माण, शेयर इंवेस्टमेंट, निवेश तथा फायनेंस व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। आप मात्र 15 वर्ष की आयु से सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध होकर अपना योगदान समाजसेवा में दे रहे हैं। माहेश्वरी सभा हावड़ा में कोषाध्यक्ष तथा संगठन मंत्री एवं माहेश्वरी युवा संगठन हावड़ा में अधिवेश मंच संचालन अध्यक्ष तथा संस्कृति मंत्री रहे। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में कोषाध्यक्ष व कार्यसमिति सदस्य रहे। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 24 वें से 27वें सत्र तक कार्यकारी मंडल सदस्य तथा 25वें सत्र में प्रोफेशनल सेल सदस्य रहे। महासभा के 26वें सत्र में संयुक्त मंत्री तथा 27वें सत्र में श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट प्रबंध न्यासी की जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन किया। स्थानीय माहेश्वरी क्लब के वर्ष 2018-22 में सभापति रहे तथा वर्तमान में माहेश्वरी सभा ट्रस्ट में ट्रस्टी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। आप राउरकेला, वृजराजनगर, बालेश्वर (उड़ीसा), केशरदेशरजाटान माहेश्वरी समाज द्वारा भवन निर्माण हेतु अर्थसंग्रह में सहयोगी रहे। आप समाज संगठन के साथ ही कोलकाता वस्त्र व्यवसायी सेवा समिति, श्री अष्ट विनायक भक्त मंडल, श्री श्याम परिवार मंडल, राजस्थान विकास परिषद (हावड़ा शाखा), भारत रिलीफ सोसायटी आदि कई संस्थाओं से सक्रिय रूप से सम्बद्ध होकर अपना सहयोग दे रहे हैं।

अयोध्या भवन में हो सबका योगदान

सर्वप्रथम मैं समस्त समाजजनों को इस दीपोत्सव-दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूँ। इनके साथ ही माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ कि वे सभी के जीवन को आलौकित कर जीवन से निराशा, अज्ञान व कुरूतियों के अंधकार को दूर कर आशा व उत्साह का संचार करें। याद रखें जब तक हम अपने जीवन को ज्ञान के प्रकाश से आलौकित तथा सकारात्मकता से परिपूर्ण नहीं करेंगे, तब तक न तो हम उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं और न ही हमारा जीवन सुखी व समृद्ध हो सकता है। अतः इस महापर्व के उद्देश्य को समझें और जीवन को सही दिशा में गति दें।

किसी भी समाज ही नहीं बल्कि देश का भविष्य युवा पीढ़ी है। यदि हम यह कहें कि युवा पीढ़ी भविष्य ही नहीं बल्कि वर्तमान भी है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसे में यदि हम अपने देश व समाज के वर्तमान व भविष्य को संवारना चाहते हैं, तो हमें अपनी युवा पीढ़ी को तराशना होगा। याद रखें हीरे में प्रकृति प्रदत्त गुण तो होते हैं, लेकिन वे प्रस्फुटित तभी होते हैं जब उन्हें तराशा जाता है। इसी तरह हमारी युवा पीढ़ी ऊर्जा से भरपूर है, बस हमें उन्हें संस्कार व ज्ञान से तराशना है। यह काम सिर्फ और सिर्फ माता-पिता ही कर सकते हैं। जब हम उन्हें तराशेंगे तो उनकी ऊर्जा को सकारात्मक सोच प्राप्त होगी और ज्ञान उनकी इस सोच में सहयोगी बनेगा। फिर हमारे युवा वह करेंगे जिसे सम्पूर्ण विश्व सराहेगा। इसके लिये यह नितांत जरूरी है कि उन्हें हम समाज की मुख्य धारा में लाऐं। इसके बिना समाज के संस्कार उनमें रोपित कर पाना सम्भव नहीं। अतः समाज संगठन को भी इसी दिशा में सोच रखकर योजना बनानी होगी।

भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलाल का भव्य मंदिर आकार ले रहा है। इसके साथ ही इसका धार्मिक महत्व भी सतत रूप से बढ़ता ही जा रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन ने वहाँ भव्य समाज भवन बनाने का संकल्प लिया है। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इसकी पूरी रूपरेखा तैयार हो चुकी है। इसके लिये रामलाल मंदिर, रेल्वे स्टेशन तथा हवाई अड्डा से आसान पहुँच के स्थान पर 60 हजार वर्गफीट का भूखण्ड क्रय कर लिया गया है, जिस पर मात्र एक वर्ष में भव्य भवन आकार ले लेगा। इस भव्य भवन निर्माण की लागत लगभग 50 करोड़ रुपये होगी। इसके लिये लगभग 250 भामाशाहों ने अपने आर्थिक सहायोग की घोषणा कर दी है, जो हर्ष का विषय है। लेकिन जब तक इस भवन के निर्माण से हर समाजजन का जुड़ाव नहीं होगा, तब तक यह सभी का भवन नहीं बन पाऐगा। अतः मैं अपनी ओर से भी अपील करता हूँ कि हर समाजजन कम से कम इस भवन के निर्माण में अपनी ओर से एक ईंट तो अवश्य ही लगवाऐ। इसके लिए आप यथासामर्थ्य सहयोगी बन पुण्य के भागी बन सकते हैं। अंत में मैं पुनः सभी के सर्वमंगल की माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ।

घनश्याम करनानी, कोलकाता
अतिथि सम्पादक

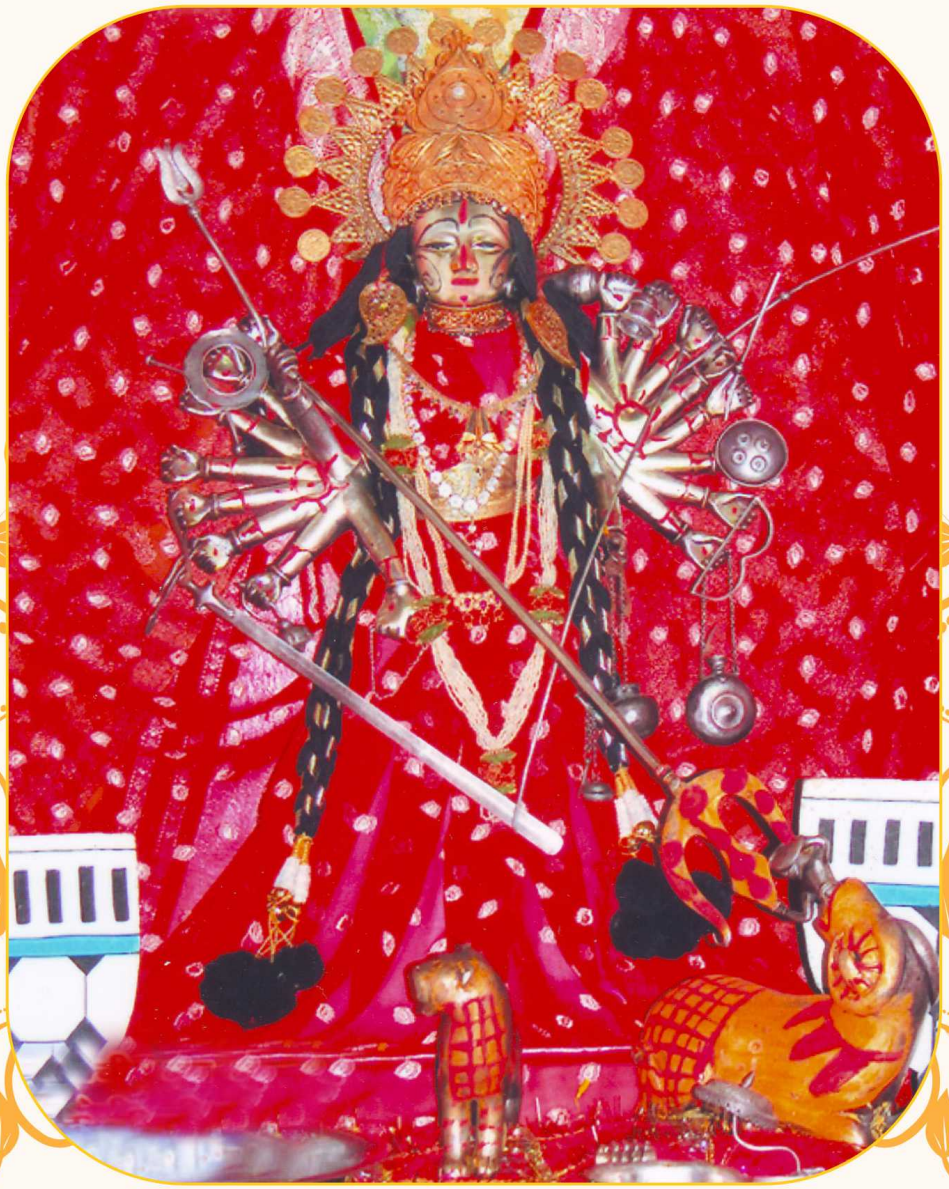

श्री नागणेची माताजी

**श्री नागणेची माताजी माहेश्वरी समाज की भण्डारी खाँप की कुल देवी हैं।
सभी जाति वाले माताजी में अपार श्रद्धा रखते हैं
जिनमें से राठौर समाज भी इन्हें कुलदेवी के रूप में पूजता है।**

■ टीम SMT

जूना कोर्ट बीकानेर, राजस्थान में स्थित श्री नागणेची माताजी का मंदिर लगभग पाँच सदी पुराना है। प्राप्त जानकारियों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना संवत् 1545 में माघ सुदी सप्तमी को राव बीकाजी ने की थी। इस मंदिर की पुनर्स्थापना संवत् 1829 में नागणेजी में तत्कालीन महाराजा गजसिंह द्वारा की गई। बीकानेर में यह मंदिर प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। आसोज नवरात्रा की नवमी को यहाँ दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की अपार भीड़ लगती है।

विशेष- श्याम सुन्दर राठी व मंदिर पुजारी राजेश सेवग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ प्रातः 6.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है। मंदिर में प्रातः 7.30 तथा 9.30 एवं शाम 7.30 बजे, कुल तीन आरतियाँ होती हैं। प्रातः 9 बजे माताजी को लाप्सी व चाँवल का भोग लगाया जाता है।

कैसे पहुँचे- श्री नागणेची माताजी का मंदिर बीकानेर रेल्वे स्टेशन से 4 कि.मी. दूर है। बीकानेर तक रेल या सड़क मार्ग से पहुँचा जा सकता है। वहाँ से मंदिर तक जाने के लिये स्थानीय आवागमन के साधन उपलब्ध हैं।

अपनों की मदद में आगे आएं

समस्त स्वजातीयजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं। हमारा समाज हमेशा से ही सेवाभावी समाज रहा है। देश के विभिन्न भागों में बने भवन व संचालित गतिविधियाँ इसका प्रमाण हैं। समाजसेवा वास्तव में हमारा कर्त्तव्य है, अपने उस समाज व राष्ट्र के प्रति जिसमें हम निवास करते हैं। अपनी इस सेवा भावना में समाज के उन स्वजनों की मदद को भी अवश्य शामिल करें जो आर्थिक विकासकी मुख्य धारा में आना चाहते हैं। मैं समाज की ऐसी अप्रतीम सेवा भावना को नमन करता हूँ और यह भावना इसी तरह बनी रहे, ऐसी माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ।

पद्म श्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

गाँवों को भी मुख्य धारा में लाएं

सर्वप्रथम मैं अपनी ओर से समस्त समाजजनों को इस प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, साथ ही सभी से इसे वास्तव में प्रकाश पर्व बनाने की अपील भी करता हूँ। यह पर्व प्रकाश अर्थात खुशियों का पर्व है, तो इसकी सार्थकता भी तभी है, जब हम हर अपने के यहाँ खुशियों का प्रकाश पहुंचा सकें। वैसे तो हमारा समाज लक्ष्मी पुत्रों का समाज है, लेकिन ऐसे समाजजनों की संख्या भी कम नहीं है, जो आर्थिक रूप से संभलने की कोशिश कर रहे हैं। अतः यदि हम समर्थ हैं, तो उन्हे संबल दे कर उनके जीवन में खुशियों का प्रकाश फैला सकें तभी इस पर्व की सच्ची सार्थकता होगी। इसके लिए हमें देश के कस्बों व गांवों में रह रहे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ना होगा।

'एक बार पुनः आप सभी को दीपावली की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं'

- रामकुमार भूतड़ा
अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

समाज के प्रसार का पर्व

प्रकाश पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर आप सबको कोटि कोटि हार्दिक शुभकामनाएँ।

दीपावली वैसे दीपोत्सव पर्व है किंतु इसे केवल रोशनी का पर्याय नहीं मनाना चाहिए। दीपावली के दीप तो अनन्तकाल से उन प्रज्ञा महापुरूषों के ज्ञान एवं संदेश का उत्सर्जन कर रहे हैं जो अंतक को आलोकित कर बाहर के आडम्बर को व्यर्थ घोषित करता है। सनातन दीपोत्सव पर्व पर प्रकाश की असंख्य दीपों की रोशनी आप सबका जीवन समृद्धि, सार्थकता से आलोकित करें। हम सब मानव मात्र के कल्याण के लिए अपना कर्म करें, इस मंगलकामना के साथ पुनः भारतीय सांस्कृतिक नववर्ष की शुभाकामनाएं।

रामपाल सोनी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

भावी पीढ़ी को दें श्रेष्ठ संस्कार

दीपावली महापर्व की समस्त स्वजनों को हार्दिक शुभकामनाऐं एवं सभी की सुख-समृद्धि की माँ महालक्ष्मी से मंगलकामनाऐं।

शास्त्र वचनों के अनुसार माता महालक्ष्मी का आशीर्वाद उसे प्राप्त होता है, जो संस्कारवान हैं। कारण यह है कि संस्कार वह शक्ति है, जो हमें हर विपरीत परिस्थिति से निपटकर आगे बढ़ने की शक्ति देती है। माहेश्वरी समाज यदि उद्योग-व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता के शिखर पर बैठा है, तो इसका श्रेय समाज के श्रेष्ठ संस्कारों को ही जाता है। अतः इस पावन पर्व पर माता महालक्ष्मी के साथ अपने इन संस्कारों को भी नमन करें। संकल्प लें अपनी भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाऐंगे।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

हर चेहरे को दें मुस्कुराहट

समस्त स्वजातीयजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं और सभी के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की मंगलकानाऐं!

यह पर्व वास्तव में अंधकार अर्थात निराशा पर प्रकाश अर्थात् आशा की विजय का पर्व है। किन्हीं विषमताओं से हमारे मन मस्तिष्क पर निराशा का अंधकार व्याप्त है तो जब तक इसे हम नहीं हटाऐंगे, इस पर्व की सार्थकता नहीं है। याद रखें हमारे पूर्वजों के सामने भी कई चुनौती आयीं लेकिन उनसे वे हार मानकर लौट गईं। हम उसी समाज की संतान हैं। अतः हमें हर हाल में जीतना ही है और हम जितेंगे। इसलिये संकल्पि हों कि न सिर्फ स्वयं निराशा को पराजित कर विकास के पथ पर अग्रसर होंगे बल्कि उन्हें भी निराशा से बाहर निकालेंगे जो समाज के संघर्षशील स्वजन हैं। तो आईये संकल्प लें समाज केक हर चेहरे को मुस्कुराहट देने का।

रामअवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी बोर्ड अ.भा. माहेश्वरी महासभा

नयी तकनीकों की ओर अग्रसर हों

दीपावली पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं साथ ही सभी को सर्वांगीण विकास की मंगलकामनाऐं।

दीपावली पर्व इस बार कोरोना के निराशामय अंधकार के बाद आशा के प्रकाशपर्व की तरह आ रहा है। उस दौर ने हमें आधुनिक तकनीक की वह प्रकाश की किरण दिखाई दिया, जो हमें अब सफलता के शिखर की ओर पहुँचा रहा है। याद रखें इस महामारी ने हमें परिवर्तन का संदेश दिया है, नई तकनीकों की ओर बढ़ने का। इसे हमने आत्मसात भी किया है, तभी हम सफलता के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। यदि अभी भी हम इस मामले में पीछे हैं, तो अभी संकल्पित हो नयी तकनीक की ओर कदम बढ़ा दें।

आनन्द राठी
चेयरमेन, आनंद राठी ग्रुप, मुंबई

सकारात्मकता का करें विस्तार

सभी स्वजनों को दीपावली की मंगलकामनाऐं।

सभी के कल्याण व सकारात्मकता की कामना ही दीपावली पर्व का मुख्य लक्ष्य है। हमारा जीवन भी दीपमालिका की जगमगाहट की भांति ज्योतित रहे, यही कामना हमारे भीतर जागृत रहे एवं हम दीपमालिका के समान ही अपने घर परिवार को प्रकाशित करते रहें। यह त्योंहार हमें अपने जीवन में प्रकाश भरने की प्रेरणा देता है। ज्ञान का प्रकाश ही हमें मंजिल तक ले जा सकता है। तो आईये पूर्ण सकारात्मकता के साथ प्रकाश का स्वागत करें और सकारात्मकता का विस्तार।

अशोक सोमानी
उपसभापति (उत्तरांचल) अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सभी वर्ग चलें साथ-साथ

दीपावली महापर्व की सभी स्वजनों को बहुत-बहुत शुभकामनाऐं और सभी के सर्वमंगल की मंगलकामनाऐं।

समाज वास्तव में एक वृहद परिवार है और इस वृहद परिवार का सही विकास तभी सम्भव है जब हम सभी को साथ लेकर चलें। समाज की एकता के बिना समाज का विकास सम्भव नहीं है। अतः समाज का हर वर्ग तो ठीक महिला व युवावर्ग को भी समाज की मुख्यधारा में लाना होगा। जब सभी की क्षमताओं का लाभ समाज को मिलेगा तभी समाज का विकास हो पाऐगा।

त्रिभुवन काबरा
उपसभापति (मध्यांचल) अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सभी को प्रतिष्ठा व सफलता प्राप्त हो

दीपावली के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मैं मंगलकामना करता हूँ कि समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सदभावना, सदाचार, समर्पण बना रहे। समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाईयों को छुएं। समाजबंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, समाजबंधु सदैव प्रसन्नचित रहे। मैं भगवान से यही कामना करता हूँ कि जरूरतमंद परिवारों के घरों में खुशहाली का दीप जगमगाये।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

राजकुमार काल्या
(राष्ट्रीय अध्यक्ष) अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

समाज में बनी रहे सद्भावना

दीपावली के पावन पर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

मैं कामना करता हूँ कि समाज में सदैव प्रेम, सहनशीलता, सदभावना, सदाचार समर्पण बना रहे। समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाइयों को छुए। समाज बंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, समाज बंधु सदैव प्रसन्नचित्त रहें। मैं भगवान से यही कामना करता हूँ कि हमारे समाज व राष्ट्र सर्वांगीण विकास करता हुआ आगे बढ़े। समाजजन स्वस्थ और सुरक्षित रहे, सभी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हों।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

कमलकिशोर चांडक
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कुरीतियों पर प्राप्त करें विजय

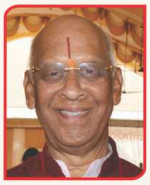

सभी को माता महामक्ष्मी की उपासना के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं व सभी के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की मंगलकामनाऐं।

आइये हम इस पावन पर्व पर संकल्प लें कि जैसे हमने अपनी सकारात्मकता से कोरोना से कोरोना जैसी महामारी पर विजय प्राप्त की वैसे ही समाज की बुराइयों पर भी विजय प्राप्त करेंगे। याद रखें कुरूतियाँ या बुराईयाँ वह बुरी शक्ति है, जो किसी भी समाज या राष्ट्र की नींव को खोखला कर देती हैं।

तो आईये इन्हें पहचान कर इनसे समाज को मुक्त करने का संकल्प लें।

श्यामसुंदर राठी
कार्य समिति सदस्य अ.भा. माहेश्वरी महासभा

स्वदेशी अपनाऐं देश आगे बढ़ाऐं

समस्त समाजजनों को दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं।

हमारे देश को जिस परिवर्तन की जरूरत थी, वह गत कुछ वर्षों में बहुत तेजी से हो रहा है। पहले हम अधिकांश उत्पादों के लिए विदेशों पर निर्भर थे लेकिन देश के वर्तमान नेतृत्व ने इस स्थिति को बदला और स्वदेशी को महत्व दिया। आज तेजी से हर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादों की संख्या बढ़ती जा रही है। हमारे शोधकर्ता तकनीशियन व उद्यमी देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। अब बारी हमारी है कि हम अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों को ही अपनाऐं और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को संबल प्रदान करें।

घनश्याम करनानी
पूर्व प्रबंध न्यासी, श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

Your Preferred Packaging Solution Provider

A wide range of
Corrugated Cartons
&
Die punching items
For all of your needs

Sanx Corropackaging Private Limited

Address : 14-6-407/a, First floor, Begum Bazar,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500012
Contact : 9666675008, 9666674008
Email : sales@sanxcorropackaging.com

With Best compliments from Vijayshri Agro Chemicals Private Limited, Hyderabad

सेवा सदन बनाऐगा अयोध्या में भव्य भवन

भवन निर्माण में हर समाजजन से एक ईंट लगाने का अनुरोध

नाथद्वारा। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की प्रबंध्कारिणी-समिति के वर्तमान सत्र की तृतीय बैठक गत 16 अक्टूबर को अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा की अध्यक्षता में श्रीनाथ भवन शाखा नाथद्वारा में सम्पन्न हुई। इसमें राजस्थान के विभिन्न स्थानों एवं विभिन्न प्रदेशों से सैकड़ों सभाजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक के प्रारम्भ में भगवान महेश की पूजा अर्चना के पश्चात् अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया। गत प्रबंधकारिणी समिति की बैठक कार्यवाही की पुष्टि की गई। तत्पश्चात् अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने अपने उदगार प्रस्तुत करते हुए बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति में अयोध्या में श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन का भव्य भवन निर्माण हेतु लिये गये निर्णय पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए यह कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ करने के लिये संकल्प लिया। श्री भूतड़ा ने सदन को जानकारी दी कि लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले प्रस्तावित भवन में 200 कमरे, विविध बड़े सभागार, भव्य स्वागत कक्ष, भोजनशालाएं, रसोईघर एवं सुंदर मंदिर सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं हेतु आवश्यक धन की 80 प्रतिशत व्यवस्था के लिए सहज भाव के साथ लगभग 250 भामाशाह आगे आए हैं एवं विभिन्न मदों में अपनी सहयोग राशि के आश्वासन प्रदान किए हैं। इससे आमजन को जोड़ते हुए हर समाजजन से कम से कम एक ईंट लगाने का अनुरोध किया जाएगा। बैठक में लगभग सभी वक्ताओं, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भूमि के दानदाता एवं इस प्रकल्प के प्रमुख भामाशाह उद्योगपति राधाकिशन दामाणी (मुंबई) का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापित किया।

भवनों का भी होगा नवीनीकरण

महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बैठक की विषय सूची अनुरूप कार्यक्रम का संचालन किया एवं उपस्थितजन के सुझाव के अनुरूप निर्णय लिये गये। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही अयोध्या प्रकल्प हेतु भूमि का चयन किया जाना है, सभी भवनों में नवीनीकरण के कार्य निर्बाध गति से चलते रहेंगे, वृन्दावन की पुरानी भोजनशाला का आधुनिकतम सुविधाओं के साथ नवीनीकरण का कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाया जायेगा। वर्तमान परिवेश अनुरूप भवनों में समाजबंधुओं से लिये जा रहे प्रतिदिन की सहयोग राशि में भी कुछ वृद्धि किया जाना आवश्यक है। कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया ने अब तक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए सदन से स्वीकृति चाही जिस पर सभी ने एकमत से स्वीकृति प्रदान की। गत दिनों कैलाश सोनी के साथ अयोध्या में प्रवास अंतर्गत भवन हेतु देखे गये भूखण्डों की जानकारियां भी महामंत्री ने सदन को प्रदान की। श्री भूतड़ा ने कहा कि अयोध्या में उपलब्ध भूखण्डों की सम्पूर्ण तहकीकात करने के पश्चात् ही उपयुक्त भूमि ली जाएगी। जिस पर उपस्थितजन ने भूमि क्रय करने का अधिकार भी पदाधिकारियों को प्रदान किया।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे सदस्य

बैठक में पदाधिकारीगण, मार्गदर्शक मण्डल के सदस्य रामकुवार मानधना मुंबई, निवर्तमान अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला, जयपुर समाज के भामाशाह बजरंग जाखोटिया, एस.एन. काबरा, बजरंग बाहेती एवं हैदराबाद के बड़े उद्योगपति एवं भामाशाह कन्हैयालाल लोहिया आदि गणमान्यजन मंचासीन थे। जयपुर के समाजसेवी बजरंगलाल जाखेटिया ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि अयोध्या जैसी आस्था नगरी में समाज के 2 तो क्या 3 भवन बने तो भी कम हैं। उन्होंने जयपुर समाज की ओर से भारी सहयोग करवाने का पुरजोर आश्वासन दिया। बैठक में पदाधिकारियों के अतिरिक्त देशभर से सैकड़ों समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। इनमें प्रमुखता से रामकुवार मानधना मुंबई, कन्हैयालाल लोहिया हैदराबाद, निवर्तमान अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला, एस.एन. काबरा जयपुर, शरद मूंदड़ा जोधपुर, गोपीकिशन बंग एवं संपतराज बिड़ला, चंद्रप्रकाश बिड़ला मेड़तासिटी, ताराचंद शारदा सायला, केशरीचंद तापड़िया आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष ने बैठक को भव्य एवं सफल बनाने एवं आवास व भोजन की व्यवस्था के लिए नाथद्वारा के संयोजक जयकिशन बल्दुवा, प्रभारी शंकरलाल बाहेती एवं गरिमामय मंच व सभागार की व्यवस्थाओं के लिये उपाध्यक्ष विजयशंकर मूंदड़ा के कार्य की प्रशंसा भी की।

60 हजार वर्गफीट का भूखंड निर्माण के लिये तैयार

सेवा सदन अध्यक्ष श्री रामकुमार भूतड़ा ने बताया कि बैठक में लिये गये निर्णयानुसार अयोध्या में लखनऊ-गोरखपुर हाइवे के पास समाज भवन निर्माण हेतु 60 हजार वर्ग फीट भूखंड गत 27 अक्टूबर को क्रय कर लिया गया है। इस अवसर पर महामंत्री रमेश छापरवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, पूर्वकोषाध्यक्ष कमलकिशोर चाण्डक एवं वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार जाजू भी उपस्थित थे। भवन निर्माण के बारे में जानकारी देते हुऐ श्री भूतड़ा ने बताया कि सभी समाजजनों के सहयोग से शीघ्र ही भूमि पूजन कर मात्र एक वर्ष में भव्य भवन निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। निर्मित होने वाला यह भवन समाज की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुऐ ऐसे स्थान पर निर्मित किया जा रहा है, जहां से श्रद्धालुओं का आवागमन अत्यंत आसान होगा। यहां से श्रीरामलला मंदिर मात्र 3 कि.मी., रेल्वे स्टेशन मात्र 2.5 कि.मी. व एयरपोर्ट मात्र 6 कि.मी. की दूरी पर रहेगा।

आदित्य विक्रम बिरला केंद्र में नवीन मैनेजमेंट कमेटी गठित

केन्द्र कोष 50 करोड़ रखने व रजत जयंती मनाने का भी प्रस्ताव

मुंबई। श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा गत 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे श्री आदित्य बिरला सेन्टर मुंबई में पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उपस्थित सदस्यों ने गत बैठक के बाद दिवंगत हुए सदस्यों को मौन श्रद्धांजली दी।

बैठक में बंशीलाल राठी ने उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए कहा कि मैंने 1999 में जो परिकल्पना की थी वह केन्द्र योजना के रूप में आप सभी के सहयोग से समाज के सीमित आय वाले वर्ग को लाभान्वित करते हुए समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य भी कर रही है। योजना में अभी तक करीब 900 दानदाता सदस्यों का आर्थिक संबल प्राप्त हुआ। केन्द्र का कोष वर्तमान में करीब रु. 30 करोड़ का हो गया है। बदलते हुए परिवेश में जरूरतमंद बंधुओं की आवश्यकता, प्रतिस्पर्धा, व्यवसाय के स्कोप आदि को ध्यान में रखते हुए केन्द्र का कोष कम से कम रु. 50 करोड़ करने का संकल्प लेना चाहिए ताकि योजना के माध्यम से अधिक से अधिक बंधुओं को उसकी आवश्यकतानुसार पर्याप्त ऋण सहायता प्राप्त हो सके। इसके अलावा आपने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि केन्द्र 15 अगस्त 2024 को अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती वर्ष मनायेगा। महामंत्री- कस्तुरचन्द बाहेती ने केन्द्र गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि योजना के माध्यम से अभी तक करीब 6800 परिवार रु. 68.75 करोड की ऋण सहायता से लाभान्वित हुए हैं। अर्थमंत्री- पुरूषोत्तम सोमाणी ने केन्द्र का आर्थिक ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यकारी मंत्री- नवलकिशोर राठी ने समाज संगठन एवं योजना से जुड़े सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों से निवेदन किया कि जरूरतमंद बंधुओं की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिलवाने में मदद करें ताकि अधिक से अधिक बन्धु लाभान्वित हो सकें। महासभा के सभापति - श्यामसुन्दर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा एवं पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने योजना के कुशल संचालन एवं प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना की। इसी कड़ी में श्रीकिशन भंसाली, सत्यनारायण लाहौटी, रामरतन मुंदड़ा, विष्णुदास भूतड़ा आदि सदस्यों ने भी योजना की सफलता हेतु पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।

नवीन पदाधिकारियों का चयन

मुख्य चुनाव अधिकारी- सत्यनारायण लाहोटी – बीड ने बताया कि विधान के अनुसार आगामी सत्र 2022-25 हेतु मैनेजिंग कमेटी का चुनाव हुआ है। श्री लाहोटी ने चयन पश्चात नव गठित मैनेजिंग कमेटी की घोषणा की जिसमें पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला-मुंबई, पद्मश्री बंशीलाल राठी-चेन्नई, कस्तुरचन्द बाहेती-चैन्नई, श्यामसुन्दर काबरा-मुंबई, आनन्द राठी-मुंबई, नवलिकशोर राठी-चेन्नई, अनिल डागा-चेन्नई, पुरुषोत्तम सोमाणी - निजामाबाद आदि 21 सदस्य शामिल हैं। मेनेजिंग कमेटी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अध्यक्ष - पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला, मुंबई, कार्याध्यक्ष - पद्मश्री बंशीलाल राठी, चेन्नई, महामंत्री - कस्तुरचन्द बाहेती, चेन्नई, अर्थमंत्री - आनन्द राठी, चेन्नई, सहमंत्री - श्यामसुन्दर काबरा, मुंबई व कार्यकारी मंत्री - नवलकिशोर राठी चेन्नई चुने गये। बैठक के अंत में केन्द्र संयुक्त मंत्री श्यामसुन्दर काबरा ने उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

लखानी परिवार,
मलकापुर
इंडियनऑयल
Trust of Generations
रचना गॅस ॲन्ड अप्लायसेंस
ईण्डेन डिस्ट्रब्युटर, लखानी इस्टेट, नांदुरा रोड, मलकापुर-443101
7276226952, 7276725525

हिराका वरिष्ठ पेंशन का वितरण

अमरावती। स्थानीय माहेश्वरी आधार समिति का गठन 2014 में माहेश्वरी समाज के समाजसेवी स्व. श्री घनश्यामदास कासट द्वारा माहेश्वरी समाज के अमरावती शहर के अत्यल्प आय वाले जरूरतमंद परिवारों के सहायतार्थ किया गया था। समिति की ओर से 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब 60 से अधिक समाजजनों को हर वर्ष हर व्यक्ति 10 हजार रुपये हिराका पेंशन दी जाती है। जरूरतमंद भाई, माता बहनों को वैधकीय सहायता, गरीब बेटी के कन्यादानार्थ 10 हजार, मृत्युपरांत क्रियाकर्म हेतु 10 हजार सानुग्रह राशि दी जाती है। इसके अतिरिक्त वर्ष में 2-3 बार किराना आदि सामग्री वितरित की जाती है। गत 20 अक्टूबर को हिराका वरिष्ठ पेंशन के चेक का करीब 60 से अधिक सदस्यों को पुष्पादेवी कासट द्वारा वितरण किया गया। स्व. श्री घनश्यामदास कासट की पोत्री व अध्यक्ष राजेश कासट की बेटी पश्चंती कासट को एम.डी. हेतु प्रवेश मिलने पर कासट परिवार को आधार समिति के पदाधिकारी एवं समिति परिवार के सभी सदस्यों द्वारा बधाई दी गई। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष ओमप्रकाश नामंदर, सचिव बंकटलाल राठी, हिराका परिवार प्रतिनिधि पुष्पादेवी कासट, शीतल राठी, विपिन कासट, संचालक ओमप्रकाश कासट, अमरकुमार कासट, नितिन राठी, रमेश दम्माणी आदि उपस्थित थे।

श्मशान में लगाया पुरखों के नाम दीया

इंदौर। संस्था 'आनंद गोष्ठी' के संरक्षक गोविन्द मालू ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आज नरक चतुर्दशी पर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा शहर के हर श्मशान (मुक्तिधाम) के मुख्यद्वार पर 'एक दीया, पुरखों के नाम' लगाया गया। रंगबिरंगी रांगोली का आसन सजाकर उनका पुण्य स्मरण कर उनसे राष्ट्र की सुख समृद्धि सौभाग्य का आशीर्वाद व कृपा की आकांक्षा कर अपनी त्रुटियों का प्रायश्चित किया गया। श्री मालू ने बताया कि पुरखों की याद में दीप जलाने का यह अनुष्ठान नरक चतुर्दशी के दिन इसलिए महत्वपूर्ण है,कि इस दिन पितृमोक्ष की कामना करने पर पितृशांति मिलती है, जिससे जीवन सुखमय व समृद्धशाली होता है। मुख्य कार्यक्रम आज सायं जुनी इंदौर मुक्तिधाम पर संस्था के संरक्षक गोविन्द मालू के नेतृत्व में हुआ। संस्था के लालू शर्मा, अंकित वर्मा, अनमोल गुरु, बाबू वर्मा, चिंटू यादव, जोगा यादव, मुनेश केवट आदि ने आकर्षक रांगोली बनाई।

With Best Compliments From

Sacchindanand L. Malani

Kelkar Wadi
Murtizapur - 444107
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
email : office.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

कोजागिरी उत्सव का हुआ आयोजन

खामगाँव। माहेश्वरी समाज की ओर से श्री माहेश्वरी भवन सराफा कोजागिरी (शरद पौर्णिमा) उत्सव सभी समाजजनों की उपस्थिति में मनाया गया। इस मौके पर समाज की विभिन्न ईकाईयों द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संवाद सत्र में प्रमुख उपस्थिति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) विजय राठी इटारसी, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष रमेशचंद्र चांडक-धामणगांव रेलवे, विदर्भ प्रादेशिक मानद मंत्री डॉ. रमन हेडा अकोला, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के निर्वतमान अध्यक्ष मदन मालपानी, बुलडाना जिला माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष संजय मूंधड़ा, शेगांव खामगांव तालुका माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष मनोज गांधी, माहेश्वरी मंडल खामगांव के अध्यक्ष दिनेश गांधी, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के खामगांव से कार्यकारी मंडल सदस्य एवं माहेश्वरी मंडल खामगांव के सचिव विवेक मोहता प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. विजय टावरी खामगांव, प्रदेश संयुक्त मंत्री किशोर बाहेती मलकापूर आदि मंचासीन थे। अतिथियों का शाल एवं श्रीफल से स्वागत मंडल के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ उपाध्यक्ष राजेंद्र बागड़ी, महासचिव आनंद झंवर व कोषाध्यक्ष जगदीश नावंदर द्वारा किया गया। तृतीय संतान वाले सभी दम्पत्ति को वंशवृद्धि सम्मान के रूप में 5000 रुपये का फिक्स डिपॉजिट स्व. हरिकिशन नावंदर की स्मृति में नावंदर परिवार तथा स्व. मदनमोहन मोहता की स्मृति में चंद्रकुमार मोहता द्वारा माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में दिया गया।

श्रद्धांजलि

श्री जयप्रकाश दरगढ़

मैनपुरी। वरिष्ठ समाजसेवी श्री जयप्रकाश दरगढ़ का निधन 74 वर्ष की आयु में गत 30 सितम्बर को पुणे में हो गया। आप अपने पीछे पुत्र अमृत दरगढ़ सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। आप काफी समय तक अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा से जुड़े रहे व अखिल भारतीय सेवा सदन, पुष्कर के आजीवन सदस्य भी थे।

श्रीमती कृष्णादेवी सोमाणी

जयपुर (राज.)। पूर्वी उत्तरप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व कार्यसमिति सदस्या, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सत्यनारायण सोमाणी की धर्मपत्नी 88 वर्षीया श्रीमती कृष्णादेवी सोमाणी का गत 25 अक्टुबर 2022 को गोण्डा उत्तरप्रदेश में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी सभा के पूर्व पदाधिकारी ललित, संघनिष्ठ कमल और विश्व हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष दिवाकर सोमानी सहित पौत्र-पौत्री आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गयी हैं।

आशादेवी तोतला

उज्जैन। माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत के पूर्व ट्रस्टी एवं समाजसेवी प्रकाश तोतला की धर्मपत्नी व सीए आशीष तोतला की माता श्रीमती आशादेवी तोतला का देवलोकगमन गत 19 अक्टूबर को हो गया। श्रीमती तोतला धार्मिक स्वभाव की एवं सामाजिक गतिविधियों में हमेशा सक्रिय रहती थीं। आपके निधन पर समाज के वरिष्ठजनों एवं स्नेहीजनों ने श्रद्धांजलि दी।

गौसेवा में दिया सहयोग

बैंगलोर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव विजयलक्ष्मी सारड़ा ने बताया कि मंडल की सदस्याओं ने महालया अमावस्या के मौक़े पर आर. आर. नगर स्थित मेहन्दीपुर बालाजी मन्दिर की गौशाला में गायों को घास, गुड़, सब्जी आदि खिलाकर सूखे चारे के लिए सहयोग राशी प्रदान की। सदस्याओं ने गायों के चारे के लिए टब, बल्लियाँ आदि भेंट किए तथा मंदिर में सामूहिक सुन्दरकांड का पाठ किया। महिला मंडल ने नवरात्रि के मौक़े पर कन्या भोज का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। सर्वप्रथम अम्बे माता की पूजा अध्यक्ष कान्ता काबरा, सचिव विजयलक्ष्मी सारड़ा व कार्यकारिणी सदस्यों ने की। माहेश्वरी भवन के आसपास स्कूल की 65 कन्याओं को भोजन करवाया गया, साथ ही कन्याओं को टिफ़िन के लिए बैग, पानी की बोतल, बिस्कुट, फल भेंटकर सभी सदस्यों ने कन्याओं को तिलक लगा कर दक्षिणा दी। माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संघ के संयुक्त तत्वाधान में डांडिया रास कार्यक्रम जयनगर स्थित बी ई एस कॉलेज प्रांगण में आयोजित हुआ। मुख्य प्रायोजक पारस मणि मार्बल्स के सीईओ प्रदीप सोढानी रहे। मुख्य अतिथि के रूप में मशहूर अभिनेत्री एवं प्लस साइज मॉडल श्रीकाकाणी उपस्थित रही। माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष नवल मालू, माहेश्वरी क्रेडिट को-ऑपरेटिव बैंक उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, माहेश्वरी फाउंडेशन से प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट से मोहन माहेश्वरी, माहेश्वरी महिला मंडल की सलाहकार सदस्य सावित्री मालू, महिला मंडल अध्यक्ष कान्ता काबरा आदि उपस्थित थी। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

पिंकी बनी गरबा क्वीन

राजनांदगांव। संस्कारधानी गरबा उत्सव समिति द्वारा शिवनाथ वाटिका में 9 दिवसीय अलग-अलग थीम में गरबा उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें माहेश्वरी समाज की पिंकी धूत ने गरबा क्वीन का खिताब अर्जित किया। उपहार स्वरूप उन्हें 5000 रुपए नगद एवं 5000 रूपये के गिफ्ट वाउचर से पुरस्कृत किया गया। पिंकी धूत स्थानीय महिला मंडल टीम में पीआरओ है। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश अध्यक्ष अमिता मूंदड़ा, संरक्षक मंडल से अलका सुरजन, शशि चितलांगिया, जिला सचिव विनीता डागा, महिला मंडल अध्यक्ष शीला गांधी, सचिव सुषमा राठी, कोषाध्यक्ष अनीता चितलांगिया एवं अन्य सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

अदिति का हॉकी राष्ट्रीय टीम में चयन

मंदसौर। माहेश्वरी समाज की होनहार हॉकी खिलाड़ी अदिति सुपुत्री अभिनव माहेश्वरी ने गुजरात में आयोजित 36 वें सीनियर नेशनल गेम्स 2022 मे मध्यप्रदेश की ओर से गोलकीपर के रूप में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। अदिति के उक्त प्रदर्शन एवं पूर्व में किए गए प्रदर्शन को दृष्टिगत रखते हुए उनका चयन भारत की जूनियर टीम हेतु प्रशिक्षण केम्प बैंगलौर के लिए हुआ है। अदिति का वर्ष 2017 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित भारत की नंबर 1 महिला हॉकी एकेडमी ग्वालियर से प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु चयन हुआ। उसके पश्चात अदिति ने अपने खेल मे समर्पित भाव से मेहनत करते हुए निरंतर प्रगति की तथा कई नेशनल प्रतियोगिताओं मे मध्यप्रदेश राज्य की ओर से अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष प्रशिक्षण हेतु दो बार क्रमशः वर्ष 2018 में इंग्लैण्ड और नीदरलैण्ड तथा वर्ष 2022 मे बैल्जियम और नीदरलैण्ड विदेश जाने का भी मौका मिला।

माहेश्वरी ट्रेडर्स
गंजपारा, दुर्ग (छ.ग.) 491001
इलेक्ट्रिकल्स, मोटर पंप
होम अप्लायंसेज एवं सेनेटरी फिटिंग्स
078823-23051 I 83700-02685
info@maheshwaritraders.in

DWARKA SARDA
(Kothari)
+91-98606 08787
KOTHARI METAL INDUSTRIES
Manufacturer of
Brass Utensils Copper Utensils
Circles & Sheets
Station Road, Bhandara -441904 Maharashtra
(O) 07184-252087 (F) 07184-252287
kothari.metal@gmail.com

कोजागिरी उत्सव में हुआ रासगरबा

नागपुर। ज्योति महिला मंडल महल (नागपुर) द्वारा कोजागिरी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कोजागिरी को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। अतः इस उत्सव को मंडल द्वारा रासगरबा थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर गरबा मे पारंगत प्रणोति आरेकर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उनके द्वारा मंडल की सखियों को गरबे की नई स्टेप्स भी सिखाई गई। संगीत में विशारद प्राप्त नागपूर की प्रसिद्ध संगीता चाँदपूरकर को भी विशेष आमंत्रित किया गया था। मंडल द्वारा रासगरबा प्रतियोगिता एंव गरबा वेशभूषा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। रासगरबा प्रतियोगिता में रचना साँवल तथा गरबा वेशभूषा प्रतियोगिता में कल्पना मोहता विजेता रही। साथ ही चाँद पर आधारित गानो से सजी संगीतमय हाऊजी ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। संस्थापक शोभा सुरजन, पुष्पा टावरी, पूर्व अध्यक्षा इंदिरा साँवल के साथ ही मंडल की 80 सदस्याऐं उपस्थित थीं। अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सभी सखियों का स्वागत किया।

पुर्वा कंसलटन्सी

नवनीत लाखोटीया

• आकोला रोड, आकोट
• सातव चौक आकोला
☎ (07258) 222572, मो. 9822225172

स्वतंत्रता सेनानियों का किया सम्मान

वर्धा। खुशनसीब हैं वह लोग जो वतन के काम आते हैं, इनकी वजह से ही हम चैन की सांस ले पाते हैं।' उक्त उद्गार पुलगांव से आये विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के पूर्व अध्यक्ष तथा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य सज्जनकुमार मोहता ने माहेश्वरी मंडल वर्धा द्वारा आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनके परिवारजनों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के सह सचिव राजेंद्र भांगड़िया तथा वर्धा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अरुण हुरकट ने भी सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में वर्धा जिले के 12 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों का विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन की ओर से स्मृतिचिन्ह, शाल, श्रीफल देकर सम्मान किया गया जो नागपुर, हिंगनघाट, चिमुर, अमरावती, मुंबई, आर्वी, देवली आदि जगह से वर्धा आए थे। माहेश्वरी मंडल वर्धा की ओर से इन्हें सम्मान पत्र दिए गए। इनमें श्रीमती शांतिदेवी दामोदरदास जाजू, स्वर्गीय श्रीमती मीरादेवी मुंदडा, स्वर्गीय श्रीमती दामोदरदास मूंदड़ा, स्वर्गीय श्रीमती बल्लभदास जाजू, स्वर्गीय श्रीमती दामोदर टावरी, तपोधन स्वर्गीय श्रीकृष्णदास जाजू, स्वर्गीय श्रीगोपालदास राठी, स्वर्गीय श्री शिवराम सारडा, स्वर्गीय श्री मोतीलाल राठी, स्वर्गीय श्री नारायणदास जाजू, स्वर्गीय श्री बुलाकीदास जाजू, स्वर्गीय श्री बद्रीनारायण टावरी आदि का परिवार शामिल था। सभी स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन व कार्य से मंडल के समन्वयक राजकुमार जाजू ने परिचित करवाया। आभार मंडल के सचिव प्रकाश भुतडा ने व्यक्त किया। आपणो उत्सव की विविध स्पर्धाओं के पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर विदर्भ प्रादेशिक स्तर पर आयोजित स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार भी दिये गये।

With Best Compliments from

Narayan Lahoti Rasbihari Lahoti

Manufacturers of Alum

Ganpati Chemicals & Minerals

Office
Ganpati Complex, Main Road, Bhandara (MS.)-441904
Ph. 07184-254119 (O), (M) 9423191909, 7972971900

Work
Gat No. 89/1, Village- Ashok Nagar,
National Highway No. ,
Post-Shahapur, Dist. Bhandara (MS.)

'नानीबाई को मायरो' का हुआ आयोजन

नागपुर। त्रिनयन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्रीमती निलिमा लोया की अध्यक्षता में संगीतमय नानीबाई को मायरो का भव्य आयोजन हुआ। गत 21 सितंबर से शुरू तीन दिवसीय यह आयोजन 23 सितम्बर को संपन्न हुआ। 21 सितंबर को सुबह मदनमोहनजी हवेली (बर्डी) से निकली कलश यात्रा (माहेश्वरी भवन तक) के साथ आयोजन की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का समापन महाप्रसादी के साथ हुआ। सचिव पुष्पा काकाणी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम प्रभारी सरोज चांडक व किरण राठी थीं। प्रकल्प अधिकारी के रूप में सुषमा डांगरा, कंचन चांडक, सुषमा चांडक, मंगला भूतड़ा, मीरा मालपानी, शारदा चांडक, सरला चांडक सरोज सोमानी, निर्मला सारडा, विद्या राठी, माधुरी सारडा, कविता भांगड़े, इंदिरा मंत्री, साधना काकाणी आदि सहित पूरी कार्यकारणी का सहयोग प्राप्त हुआ। इसी के साथ समाजसेवा की श्रृंखला में प्रमुख आयोजन में घर-घर सूक्ष्म यज्ञ के तहत हरिद्वार से जुड़े एक विशेष व्यक्तित्व के साथ बहुत सुन्दर आयोजन किया गया जिसमें वातावरण संरक्षण यज्ञ द्वारा क्यूं और कैसे इसका प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण दिया गया। निलिमा लोया की अध्यक्षता में व सचिव पुष्पा काकाणी के सहयोग से संगठन ने नये साल का पहला दिन 01 जनवरी भी प्रियदर्शनी अनाथ महिला वसतिगृह में मनाया था।

नीम के पौधों का किया रोपण

जयपुर। मारवाड़ी महासभा की तरफ से श्री भवानी निकेतन शिक्षा परिसर के प्रांगण में 153 नीम के पौधों का रोपण किया गया। मारवाड़ी महासभा के आह्वान पर विभिन्न संस्थाओं के स्वयं सेवकों तथा व्यक्तिगत रूप से स्वयं सेवकों ने सहयोग दिया। 556 बीघा के विशाल प्रांगण में राजस्थान में ही तैयार किए गए नीम के पौधों का खाद एवं दीमक की दवा के साथ में पौधारोपण किया गया। संस्था अध्यक्ष विट्ठल माहेश्वरी ने बताया कि संस्था नीम पौधारोपण के साथ-साथ कन्या जन्म को प्रोत्साहित करने पर भी काम करती है। प्रवक्ता शशि लखोटिया ने बताया कि संस्था ने इस बार जयपुर शहर में आठ हजार से ज्यादा नीम पौधारोपण किया है। कार्यक्रम में उमेश सोनी, राम अवतार आगिवाल, किशन राठी, नवनीत आगिवाल, जयंत बाहेती, राजीव बागड़ी, प्रदीप राठी, स्नेहलता साबू, रजनी राठी, राजेन्द्र सोमानी जैसे समाज के कई गणमान्यजनों ने सेवा दी। संयोजक निरंजन राठी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

॥ नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं ॥

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

With Best Compliments From

Shri Krishna Udyog

Mfg. of Brass Circles utensils,
Road, Hex & Flats
Mfg. of Stoneless Sortex Rice

Udyog Nagar, Bhandara - 441904 (MS)
Ph. : 07184-252217, 252117
email : krishnaudyog18@gmail.com

खटोड़ बने वरिष्ठ महासंघ उपाध्यक्ष

भीलवाड़ा। परिवार का सहयोग, संगठन के सदस्यों का सक्रिय सहयोग और अपने से वरिष्ठ साथियों का आशीर्वाद बना रहे तो कोई काम असंभव नहीं है। उक्त विचार वरिष्ठ नागरिक मंच के जिला अध्यक्ष व प्रदेश संगठन के महामंत्री मदन खटोड़ ने वरिष्ठ नागरिक भवन पर अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ (आइस्कोन) के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर आयोजित एक सादे सम्मान समारोह में व्यक्त किए। प्रदेश अध्यक्ष भंवर सेठ द्वारा देर रात को प्रदान की गई सूचना के अनुसार श्री खटोड़ को 165 में से 91 वोट प्राप्त होने पर विजयी घोषित किया गया है। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम कुमार डाड ने बताया कि भीलवाड़ा से पहली बार कोई सदस्य राष्ट्रीय स्तर के इतने महत्वपूर्ण पद पर चुनाव जीता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महासचिव कृष्णगोपाल सोमानी ने बताया कि इस अवसर पर कई सदस्य उपस्थित थे।

नवरात्र उत्सव का हुआ आयोजन

दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली द्वारा आयोजित नवरात्र उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सभी सदस्याओं का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। सुंदरकांड से नवरात्रि का कीर्तन शुरू किया गया। सभी 40 सदस्याओं ने मिलजुल कर भजन गाए और कीर्तन का आनंद लिया। उत्तरांचल उपाध्यक्ष किरण लड्ढा, प्रदेश कार्यसमिति की आशा रान्धर, निवर्तमान अध्यक्ष सरोज दम्मानी विशेष रूप से उपस्थित थीं। उत्तरी क्षेत्र द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर 30 सितंबर शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम प्राथमिक सह शिक्षा विद्यालय में 250 बच्चों को खाना, टिफिन व फ्रूटी वितरित की गई। उक्त जानकारी अध्यक्ष-श्यामा भंगड़िया व सचिव - प्रभा जाजू ने दी।

With Best Compliments From

BALAJI PULSES

Durg Balod Road, Chandkhuri, Durg (C.G.)
Ph. : 0788-2625220
Email : balajipulses@gmail.com

Hemant Maheshwari (Radheshyam)
73541 44111, 94252 44267

Pranay Maheshwari
77730 44111, 94060 96405

मेधावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि ट्रस्ट द्वारा गत 25 सितम्बर प्रातः 10:30 बजे से वृन्दावन हॉल, सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) में ट्रस्ट की वार्षिक सामान्य सभा एवं प्रादेशिक मेधावी विद्यार्थी सम्मान का आयोजन किया गया। इस ट्रस्ट द्वारा 2005 से लगातार समाज की निराश्रित महिलाओं एवं बच्चों को 2,000 रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि दी जाती है। इस अवसर पर 12वीं कक्षा के मेधावी बच्चे जिनको 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं, उन्हें 5000 रुपये की नगद राशि एवं स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया। ऐसे ही शिक्षा के विशेष क्षेत्र में जिन बच्चों ने विशेष सफलता अर्जित की, उन्हें भी स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया। इस वर्ष कक्षा 12वीं से 19 बच्चों एवं शिक्षा के विशेष क्षेत्रों के लिए 20 बच्चों का सम्मान किया गया। दीपांशु काबरा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक व डॉ.एच.पी. सिन्हा ने प्रेरक उदबोधन दिया। इस आयोजन में रामरतन मूंधड़ा (प्रदेश अध्यक्ष), सुरेश मूंधड़ा (प्रदेश मंत्री), मोहन राठी-दुर्ग (संस्थापक अध्यक्ष), नारायण राठी (कार्यालय मंत्री) अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अ.भा.मा.महासभा विट्ठल भूतड़ा (निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष), मनोज राठी (प्रबंध न्यासी), बालकिशन झंवर (मानद मंत्री), अजय सोमानी (वित्त सचिव), डॉ.सतीश राठी (निवृत्तमान प्रबंध न्यासी) सहित 200 सदस्यों की उपस्थिति रही।

प्रथम मासिक परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो की नयी पहल 'मासिक परिचय सम्मेलन' को समाज बंधुओं से बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला। स्कूल के सान्दीपनि सभागार में संपन्न हुए प्रथम मासिक परिचय सम्मेलन का शुभारंभ कार्यक्रम प्रायोजक व समाजसेवी हनुमान प्रसाद बाहेती एवं समाज-अध्यक्ष केदारमल भाला ने दीप प्रज्जवलन कर किया। महामंत्री मनोज मूंदड़ा ने माल्यार्पण कर हनुमान बाहेती का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मैरिज ब्यूरो के सभी पदाधिकारी व सक्रिय सहयोगी उपस्थित थे। मैरिज ब्यूरो चेयरमैन संजय माहेश्वरी ने बताया कि प्रथम मासिक परिचय सम्मेलन में शामिल होने के लिए जयपुर एवं बाहर के 125 से अधिक प्रत्याशियों / अभिभावकों ने पंजीयन कराए जिसमें लगभग सभी अभिभावक / युवक-युवतियों की सहभागिता रही। विवाह प्रकोष्ठ मंत्री सत्यनारायण करवा ने बताया कि सविता राठी एवं आरती झंवर के कुशल मंच संचालन में कई युवक-युवती प्रत्याशियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया जिनमें डॉक्टर, इंजीनियर, CA, CS जैसे प्रोफेशनल्स, राजकीय अधिकारी एवं व्यवसायी भी सम्मिलित थे।

हाईकू

राम मूंदड़ा, इंदौर

ज़ंजीर नहीं
कटती तो **अपना**
पैर **काट** लो,

लंगड़ा कर
चलो मगर
आज़ादी से चलो।

■

सारे **वजन**
उठा कर
देख लिए,

दाल रोटी
ही **सबसे**
भारी हैं..!!

■

विरासत में
मिली हुई
और
संघर्षों से

अर्जित की हुई,
चीज में
बहुत **फर्क**
होता है।

■

शब्द और
दिमाग़ से
दुनिया जीती
जाती है,

दिल तो
आज भी **दिल**
से ही **जीता**
जाता है !!

रामचरित मानस पारायण महोत्सव संपन्न

नांदुरा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्र उत्सव के अंतर्गत श्री बालाजी मंदिर में परंपरागत रूप से चले आ रहे श्री रामचरित मानस पारायण महोत्सव का आयोजन श्री रामायण पारायण समिति की ओर से किया गया। इस आयोजन का यह स्वर्ण महोत्सव रहा। इस आयोजन में श्रीराम जन्मोत्सव, राजतिलक, श्रीराम सीता स्वयंवर लंका दहन आदि प्रसंग श्री रामचरित पारायण के दौरान संपन्न किए गये। इस दौरान मंदिर परिसर को सुंदर सजाया गया था इस स्वर्ण मानस महोत्सव का समापन विजयादशमी के दिन पूर्णाहुति तथा शोभायात्रा से किया गया।

शरद महोत्सव का किया आयोजन

वाराणसी। शरद पूर्णिमा के मंगल अवसर पर स्थानीय माहेश्वरी समाज ने शरद महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डांडिया रास का भी आयोजन किया गया, जिसमें नौनिहालों से लेकर 75 वर्ष की आयु पार कर चुके समाज के वरिष्ठ सदस्यों तक ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उ.प्र. राज्य सरकार में आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंत्री दयाशंकर मिश्रा उर्फ दयालु गुरु द्वारा प्रतिभाओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन राकेश मुंदड़ा, सुषमा कोठारी, प्रतीक मुंदड़ा एवं श्रेया सोमानी ने किया। जज के रूप में रमा काबरा, रितु धूत व रितेश खटोड़ ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया।

With Best Compliments

Murlidhar Rathi 9009992403
Ashok Rathi 98261-66215
Ashish Rathi 96170-70000
Amit Rathi 90095-25777

MAHESHWARI STEEL TRADERS

Deals In : Plates, Channel, Joist & Other Structural Items
Dealer Of Kamdhenu TMT
Dealer of : Acc Cement : Ultratech Cement

G.E. Road, Pulgaon Naka, Durg 491001 (Chhattisgarh)
Ph : 0788-2210538, E-mail : mst.durg@gmail.com

Rathi Steels
Pulgaon Naka, Ganjpara, Durg-491001 (Chhattisgarh)

डॉ. माहेश्वरी की पुस्तक का विमोचन

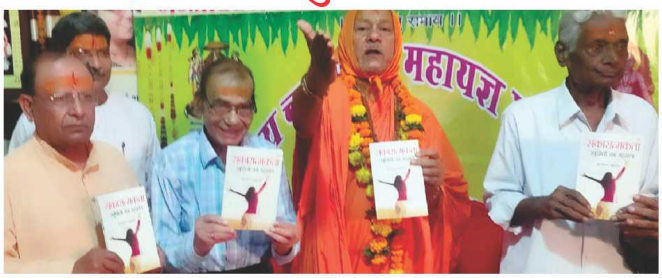

उज्जैन। 'सामाजिक सरोकारों से संबंधित पुस्तकें समाज में आपसी सद्भाव और प्रेम बढ़ा कर मानव-व्यक्तित्व में सकारात्मकता का विकास करती हैं।' ये विचार व्यक्त करते हुये काशी के जगदगुरु श्री रामानंदाचार्य महाराज की परम्परा के वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज ने लेखक डॉ. एच. एल. माहेश्वरी की पुस्तक 'सकारात्मकता - खुशियों का महामंत्र' के विमोचन अवसर पर व्यक्त किये। डायमंड बुक्स नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मूल्य रूपये 150 है। लेखक डॉ. माहेश्वरी के अनुसार पुस्तक का महामंत्र आपका जीवन आशा, उमंग और उल्लास से सराबोर कर देगा और आप सब आधे-अधूरे मन से नहीं बल्कि हंसी-खुशी और सकारात्मक सोच के साथ भरपूर जिन्दगी जी सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. शिव चौरसिया, प्रो. शैलेन्द्र पाराशर, डॉ. विजय सुखवानी, डॉ. पंकज माहेश्वरी, सतीश सागर एवं डॉ. श्रद्धा माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पहचान एक मोटीवेशनल लेखक एवं समाजसेवी के रूप में है। आपकी राजकमल प्रकाशन, डायमंडी बुक्स व ऋषिमुनि प्रकाशन आदि द्वारा 20 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं। उक्त जानकारी डॉ. पंकज माहेश्वरी द्वारा दी गयी।

राठी पेडेवाला
Since 1985

कॅटरींग :- हर तरह की पार्टी के लिये कॅटरींग सर्विसेस उपलब्ध है। राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती, महाराष्ट्रीयन, साऊथ इंडियन, कॉन्टीनेंटल, चायनीज,इटालियन, सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ ऑर्डर के अनुसार मिलेंगे

रेस्टॉरेन्ट :- शुद्ध शाकाहारी रेस्टॉरेन्ट

मिठाई :- ड्रायफ्रुट, घी, मावा, बंगाली, हर तरह की मिठाईयॉ उपलब्ध है

नमकीन :- विभिन्न प्रकार के सेव, चिवडा, फरसाण उपलब्ध है

बेकरी प्रोडक्टस :- ब्रेड, टोस्ट, कुकीज, खारी, केक उपलब्ध है

Add :- केडीया प्लॉट, कॉन्व्हेंट रोड, अकोला
Ph. :- 0724-2450049 मोबाईल नं. 9423428592, 9960298650
Email :- rathipedewala@gmail.com
Website :- www.rathipedewala.com

कृष्णकुमार राठी जगदीश राठी गिरीराज राठी महेश राठी

गरबा रास का किया आयोजन

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा तीन दिवसीय डांडिया एवं गरबा रास का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में गत 2 से 4 अक्टूबर तक किया गया। इस कार्यक्रम में निजामाबाद के सभी समाजजनों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने आभार व्यक्त किया, साथ ही सभी को मोती की माला एवं पौधा देकर सम्मानित किया। युवा संगठन द्वारा आभार प्रकट किया गया। इस कार्यक्रम में युवा संगठन के उपाध्यक्ष अनूप मालू, मंत्री अनुराग भांगडिया, उपमंत्री राजगोपाल बंग, कोषाध्यक्ष अंकित सारडा,संगठन मंत्री अभिषेक जाजू, खेल मंत्री कृष्णा बंग, प्रादेशिक युवा संगठन कोषाध्यक्ष मधुसुदन मालू, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आनंद मोदानी, गोविंद झंवर एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य किशोर मालू का सहयोग रहा।

रितेश बने हाईकोर्ट अभिभाषक संघ उपाध्यक्ष

इंदौर। ख्यात एडवोकेट राजेंद्र व राजकुमारी ईनानी के सुपुत्र तथा बागली के सुप्रसिद्ध एडवोकेट स्व. श्री रामगोपाल ईनानी के पौत्र रितेश ईनानी पुनः उच्च न्यायालय इंदौर खण्डपीठ अभिभाषक संघ उपाध्यक्ष चुने गये। श्री ईनानी इससे पूर्व भी संघ के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि श्री ईनानी मूल रूप से बागली देवास के ऐसे प्रतिष्ठित परिवार से सम्बद्ध हैं, जिसमें अधिकांश सदस्य सफल एडवोकेट के रूप में सेवा दे रहे हैं।

बालिका छात्रावास का हुआ लोकार्पण

कोटा। गत 10 अक्टूबर को शिक्षा नगरी कोटा में श्रीमती लक्ष्मीदेवी बालचन्द मोदी माहेश्वरी बालिका छात्रावास का लोकार्पण दानवीर दामोदरदास मोदी एवं होस्टल-परिकल्पना प्रणेता रामपाल सोनी के सान्निध्य में लोकसभाध्यक्ष ओमकृष्ण बिरला के हाथों हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुन्दर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, उपसभापति राजेशकृष्ण बिरला, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा आशा माहेश्वरी के साथ ही अनेक दानदाताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

खरी-खरी

सत्य पराश्रित
नैतिकता बैठी मुँह फेरे

स्वाँग रचाये हैं
रक्षक का, स्वयं लुटेरे

कैसे उजियारे की इनसे
आस रखें हम

रोज़ रोशनी को देते हैं
मात अँधेरे

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Nandini Traders

Grain Marchant & Commission Agent
Verdhaman Plaza, Near SBI,
KARANJA (LAD) 444105, Dist. washim (M.S.)
Ph. (07256) 223042, Mob. 97642-74285

NT
Sheshnarayan Dhoot

कलश व देवेश का किया सम्मान

जलगांव। जामोद निवासी नवलकिशोर और उषा भैया के सुपोत्री व सुपौत्र और जलगांव (खान्देश) निवासी पंकज और पल्लवी भैया के सुपुत्री व सुपुत्र कलश व देवेश को माहेश्वरी समाज ने सम्मानित किया। कलश ने शैक्षणिक क्षेत्र में 150 से अधिक गोल्ड मेडल, 200 से अधिक सिल्वर व ब्रॉंज मेडल अर्जित किये है। हाल ही में उन्हें अंतरराष्ट्रीय 'अशोका यंग चेंज मेकर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कलश, फ्लाय (FLY) - Fun Learning Youth के जरिये अपने स्कॉलरशिप के पैसे से गरीब बच्चो को पढा रही है। ऐसी ही अनगिनत उपलब्धियों के लिए कलश को कोटा मे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संघटन द्वारा शंखनाद 2022 में 'किशोरी प्रतिभा सम्मान' से सम्मानित किया गया। देवेश को मात्र सातवी कक्षा मे भारत सरकार की ओर से दिया जाने वाला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किया गया है। देवेश 12 साल के उम्र में ही सेटमेथ में 800/800 अंक प्राप्त कर अमेरिका के जॉन होप्किन्स यूनिवर्सिटी में स्टॅनले स्टडी ऑफ एक्सेप्शनल टॅलेंट के मेंबर बने। दसवी तक के बच्चों के लिए दुनिया की सबसे बडी साईंस ओलंपियाड जो पिछले साल दुबई में हुई इसमें देवेश ने आठवी कक्षा मे ही गोल्ड मेडल जितने वाले पहले बच्चे बनकर इतिहास रचा है। इंटरनेशनल ओलंपियाड में 9 महिने में 15 गोल्ड मेडल जितकर इंटरनॅशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज किया है। इन्होंने अभी तक 400 से ज्यादा गोल्ड मेडल हासिल किये है। अभी दिसम्बर में वह फिर से भारत का नेतृत्व करने HBCSE Team के साथ कोलम्बिया जा रहे हैं। देवेश को महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की ओर से शिक्षण क्षेत्र में अति वैशिष्टपूर्ण कार्य व उपलब्धि के लिये 'महेश शिक्षा रत्न' से इचलकरंजी में सम्मानित किया गया।

पद्मा तापड़िया को महेश भूषण पुरस्कार

औरंगाबाद। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की ओर से पद्मा-जुगलकिशोर तापड़िया को महेश भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम 17 सितंबर को इचलकरंजी (महाराष्ट्र) में महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्रीकिशन भन्साली तथा प्रदेश मंत्री मदनलाल मिनियार एवं समस्त कार्यकारणी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। नवरात्रि एवं कोजागिरी के उपलक्ष्य में 9 अक्टूबर को मराठी अभिनेता मकरंद अनासपुरे तथा 136 इको बटालियन के प्रमुख मन्सूर अली खान की उपस्थिति ने तापड़िया परिवार की ओर से चलाए जा रहे अंध विद्यालय के छात्रों के हाथों से 500 वृक्ष लगाये गये। इन वृक्ष को लगाने से लेकर अगले दस वर्ष तक देखभाल की जिम्मेदारी पद्मा तापडिया ने सम्भाली। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा अयोध्या मे 50 करोड रुपये की लागत से सर्व सुविधायुक्त बन रहे शौर्यभवन हेतु तापडिया परिवार की ओर से एक करोड रुपये की राशि घोषित की गई है।

राठी बने माहेश्वरी सभा अध्यक्ष

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा गोला मंडी उज्जैन के पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न हुए। इसमें कैलाश नारायण राठी सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गये।

शारडा भामाशाह भूषण से सम्मानित

नागौर। निम्बी जोधा के चिकित्सालय हेतु भूमिदान तथा भवन निर्माण में दिए गए अनुदान हेतु राधेश्याम शारडा विराटनगर (नेपाल) को राजस्थान सरकार ने आयुर्वेद भामाशाह भूषण से सम्मानित किया है।

With Best Compliments from

SHREE BALAJI OIL MILLS

Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

मुख्यमंत्री ने किया...

'महिमामय महाकाल' का विमोचन

उज्जैन। प्रतिष्ठित ''ऋषिमुनि प्रकाशन'' द्वारा ''भगवान श्री महाकालेश्वर'' को समर्पित पुस्तक ''महिमामय महाकाल'' का प्रकाशन श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के लिये किया गया। म.प्र. के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के संदेश के साथ प्रकाशित इस पुस्तक का विमोचन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से हुए ''महाकाल लोक'' के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर प्रकाशक पुष्कर बाहेती, पत्रकार डॉ. विवेक चौऋषिया व ख्यात चित्रकार अक्षय आमेरिया आदि उपस्थित थे।

बागला परिवार को भामाशाह सम्मान

झालावाड़। जिले के राजकीय विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के विकासात्मक कार्यों में आर्थिक सहयोग करने पर मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित द्वारा संबंधित भामाशाहों का प्रतीक चिह्न देकर एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सहयोग करना सौभाग्य की बात है। समारोह में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक ने राजकीय विद्यालयों के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों की जानकारी देते हुए बताया कि भामाशाह श्याम सुन्दर बागला द्वारा 2019-2020 में बिठ्ठल दास बागला राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मनोहरथाना के लिए 250000 रुपए का आर्थिक सहयोग दिया गया। भामाशाह विद्यावती बागला द्वारा 250000 रुपए, नितिन बागला, प्रियंका बागला, रोहित बागला, निधि बागला तथा बालकिशन बागला द्वारा 2020-2021 में एक-एक लाख रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्यामसुन्दर मालपाणी

ब्रिजमोहन श्यामसुन्दर मालपाणी
मो. 7775028333
लक्ष्मीनारायण श्यामसुन्दर मालपाणी
मो. 9325621051
अमेय ब्रिजमोहन मालपानी
मो. 8381028333

यशोदा एग्रो इंडस्ट्रीज

होटल किंग तुवर दाल एवं त्रिमूर्ति तुवर दाल के निर्माता

किन्ही रोड बायपास कारंजा लाड, जिला वाशीम मो. 9423128333, पिन कोड-444105 (महाराष्ट्र)

ब्रज चौरासी परिक्रमा का आयोजन

सूरत। माहेश्वरी मुस्कान मंडल द्वारा ब्रिज चौरासी कोस परिक्रमा का आयोजन विमला साबु के संरक्षण में 1 सितंबर से 9 सितंबर तक हुआ। इसमें महंत राधाकांत, ब्रजभक्त रमाकांत, मधुसूदन व वल्लभ द्वारा ब्रज चौरासी कोस यात्रा का सहयोग रहा। अध्यक्ष पुष्पा सोमानी ने बताया की कोषाध्यक्ष संतोष जाजू सचिव मधु राठी व निवर्तमान अध्यक्षा सरला मालू ने आभार व्यक्त किया।

गरबा उत्सव का हुआ आयोजन

शाजापुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर 1 अक्टूबर को मोड़ मांगलिक धर्मशाला में माहेश्वरी महिला समाज अध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी एवं वैश्य समाज द्वारा संयुक्त रुप में गरबा उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समस्त सदस्य-सदस्याऐं शामिल हुए।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा गत 02 अक्टूबर को आठवां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक माहेश्वरी भवन नागोरी गार्डन भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। इसमें राजस्थान के विभिन्न स्थानो से प्रत्याशियों के अभिभावकों ने बायोडाटा अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संपत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, अशोक चण्डक, सुनील मूंदड़ा, ओम प्रकाश मालू, रमेश राठी, कैलाश लड्ढा व अन्य गणमान्यजनों ने किया। वर्तमान में लगभग 2346 बायोडाटा पत्रावलियों में संजोकर रखे गए तथा उदयपुर और कोटा से प्राप्त बायोडाटा सूचियाँ तथा विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न परिचय सम्मेलन की विवरणिका भी अवलोकन हेतु उपलब्ध की गई। कार्यक्रम के अन्त में श्रवण समदानी ने आभार व्यक्त किया।

Ajay Bang - 9422165520
Rakhi Bang - 9923280030
Tel : 07234-222014
E-mail : rakhibang1972@gmail.com

HIRALAL MOTILAL
Exclusive Gold Showroom

Main Road, Digras-445 203 Dist. Yavatmal

With Best Compliments From

Highly Effective against COVID-19 Virus.

VALUE IN EACH DROP

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectants Best By Test

Available at all leading stores and shops

Other Disinfectants of high grade & quality also available on our website on COD

Order online : www.nathpeters.com

USE REGULARLY TO KEEP YOURSELF AND YOUR SURROUNDINGS HYGENIC

An ISO 9001:2015 Certified Company

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:
NATH PETERS HYGEIAN LIMITED
REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
CIN NO. U24110TG1992PLC014256 E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com

For Distributorship Enquiries Please Contact Mr. Raju on Cell No. 09701343335

देश-विदेश में अपने विश्व स्तरीय उत्पादों से धूम मचा रहा उद्योग समूह ''आर आर ग्लोबल'' वर्तमान में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इसे इस ऊँचाई पर ले जाने वाले उद्यमी त्रिभुवन काबरा ने अपनी इस व्यावसायिक यात्रा का अर्धशतक अर्थात 50वीं वर्षगाँठ मनाई। मात्र 17.5 वर्ष की उम्र से इस व्यावसायिक यात्रा की शुरूआत कर देने से उनका सम्पूर्ण जीवन ही प्रेरक बन गया।

आर.आर. ग्लोबल की सफलता

भाईजी की 50 वर्षों की मेहनत

–शिव खेड़ा

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण की ख्यात कम्पनी आर. आर. काबेल सहित कई कम्पनियों का संचालन कर रहे उद्योग समूह आर. आर. ग्लोबल अर्थात् रामरत्ना ग्रुप के चेयरमेन त्रिभुवन काबरा ने व्यावसायिक क्षेत्र में अपने पदार्पण के अर्धशतक अर्थात 50 वर्ष पूर्ण होने पर ''पाँच दशक की यात्रा'' के नाम से एक अभूतपूर्व आयोजन किया। इसका आयोजन दिल्ली के ख्यात होटल ''JW Marriott'' में गत 15 व 16 अक्टूबर को किया गया। इस आयोजन का महत्व इसलिये भी था क्योंकि ''आर.आर. ग्लोबल'' की विकास यात्रा ही वास्तव में श्री काबरा की व्यावसायिक यात्रा है। इसे शून्य से शिखर की ऊँचाई देने में ही श्री काबरा के जीवन के 5 दशक बीते हैं। अतः यह आयोजन भावी पीढ़ी के लिये एक प्रेरणास्पद आयोजन भी था कि कैसे शून्य से शिखर की ऊँचाई को छुआ जाता है। इस आयोजन के प्रथम दिवस को उद्योग समूह व सम्पूर्ण टीम पर आधारित विडियो का प्रदर्शन किया गया।

आयोजन में माता-पिता भी साथ

इस गरिमामय आयोजन में सौभाग्य से श्री काबरा के पिता जी पद्मश्री श्री रामेश्वरलाल काबरा तथा माता श्रीमती रत्नीदेवी काबरा भी आशीर्वाददाता के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता के रूप में ख्यात वक्ता शिव खेड़ा उपस्थित थे। श्री खेड़ा ने श्री काबरा की व्यावसायिक यात्रा पर तो प्रकाश डाला ही साथ ही विकास के पथ पर अग्रसर करने वाला प्रेरक वक्तव्य भी दिया। ना केवल व्यापार से जुड़े लोगों को बल्कि माहेश्वरी समाज, एकल अभियान और ब्रह्मा सावित्री वेद विद्या पीठ पुष्कर न्यास आदि सामाजिक संगठनो से भी लोगों को आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में श्री काबरा के भाई महेन्द्र काबरा व श्री गोपाल काबरा तथा श्री काबरा के पुत्र-पुत्रवधु महेश-विधि काबरा व पुत्री-दामाद सरिता-संदीप झंवर आदि के साथ पारिवारिक के सभी सदस्य उपस्थित थे। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुन्दर सोनी व

पूर्व सभापति रामपाल सोनी, आदित्य बिडला ग्रुप से दिलीप गौर, आर.आर. काबेल के पार्टनर TPG ग्रुप से मितेश डागा और अनुज लाल, आदि कई उपस्थितजनों ने भी इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला।

भाईजी के व्यक्तित्व पर विडियो प्रदर्शित

दो दिनों के इस समारोह के पहले दिन सर्वप्रथम भाईजी के असाधारण व्यक्तित्व को दर्शाता हुवा वीडियो सबके सामने दिखाकर उनका सन्मान करते हुए स्वागत किया गया। आर आर ग्लोबल समूह की कोर टीम,देश-विदेश की फैक्ट्रीज, ऑफिसेस के लोगो और देश के सभी क्षेत्रो से समूह के वितरकों, व्यापारियों द्वारा भाईजी के विभिन्न गुणों को दर्शाने वाले वीडियो संदेशो को सबके सामने प्रस्तुत किया गया। उन वीडियो संदेशो द्वारा भाईजी के व्यक्तित्व से जुड़े अनेक पहलुओं के बारे में सभी को परिचय हुआ। इसी बीच उपस्थित अतिथियों ने मंच पर आकर भाईजी का आदर सत्कार भी किया। तमिलनाडु के एक वितरक ने विशेष तौर पर एक मल्टीटैलेंटेड आर्टिस्ट को तमिलनाडु से बुलाया था, उस आर्टिस्ट से भाईजी की लाइव पेंटिंग बनवाकर उनको भेट स्वरुप देते हुए उनका सत्कार किया। प्रथम दिन के कार्यक्रम के अंत में भाईजी ने अपने वक्तव्य में उनके 50 वर्षों की सफल व्यावसायिक यात्रा में उनका साथ देने वाले अधिकतम विश्वासपात्र साथियों का उनके नाम, फोटो और उनकी विशेषता बताते हुए अभिवादन किया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन साथियों में ऑफिस बॉय से लेकर डायरेक्टर, शुरूआत से जुड़े वितरक, सप्लायर आदि शामिल थे।उपस्थित लोग इस बात को देख कर अचंभित हो गए कि भाईजी ने उन साथियों का भी उल्लेख किया जो इस धरती से दूर जा चुके हैं, जो अभी किसी और जगह पर काम करते है। लोग कह रहे थे 'ऐसा भाईजी के अलावा और कौन कर सकता हैं भला'।

सभी ने की भाईजी के व्यक्तित्व की सराहना

समारोह के दूसरे दिन की दोपहर में विख्यात प्रेरक वक्ता श्री शिव खेड़ा जी ने उपस्थितों को भाईजी की 50 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए विकास की पथ पर अग्रसर करने वाला वक्तव्य भी दिया। उनका वक्तव्य युवा पीढ़ी को शुन्य से शिखर की प्राप्ति कैसे हो सकती है उसके लिए प्रेरणादाई था। शाम को मंच पर भाईजी, उनके पिताजी, माताजी, दोनों भाई आदि के हाथों से दीप प्रज्वलन करते हुए अगले कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भाईजी के पिताजी पद्मश्री श्री रामेश्वरलाल जी काबरा ने अपनी विशेष शैली में अपने पुत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी को अपना अन्नदाता बताया और सभी का धन्यवाद दिया। उनके वक्तव्य के बाद उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति ने खड़े होकर उनकी सराहना की। काबरा परिवार द्वारा किये जाने वाले व्यावसायिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कार्यो की प्रशंसा उपस्थित सभी ने की। भाईजी के दोनों भाइयो ने अपने वक्तव्य में भाईजी के बारे में, समूह के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद किया। उपस्थित विशेष अतिथियों ने भी अपने अपने वक्तव्य में काबरा परिवार, आर आर ग्लोबल समूह और भाईजी के बारे में अपने अभिप्राय सबके सामने रखे। तत्पश्चात भाईजी के जीवन चरित्र पर बनाई गई 40 मिनिट की फिल्म 'I-M-POSSIBLE' को दिखाया गया। अंत में भाईजी पर लिखी किताब 'संघर्ष से शिखर' का विमोचन किया गया। उपस्थित सभी का धन्यवाद करते हुए इस गरिमामय आयोजन की समाप्ति की गई।

सफलता में बड़ों का आशीर्वाद

स्वयं त्रिभुवन काबरा ने सम्बोधित करने के आग्रह पर कहा कि नानाजी से प्रेरणा मिली और बापूजी मार्गदर्शक बने। सफल व्यक्ति के लिये चिंतन जरूरी है। अतः मैं प्रभु से यही प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु शक्ति दे, मैं सद्मार्ग पर चल सकूँ। जो सफलता है, इसमें नानाजी व बापूजी का आशीर्वाद शामिल है।

इन्होंने कहा....

काबरा परिवार का बिजनेस विजन व बापूजी का दृष्टिकोण उत्कृष्ट है। उनके साथ लम्बे समय से सम्पर्क में रहा और जो ज्ञान व संस्कार की बातें उनसे सीखी वह सब बड़ोदा में सम्पर्क के बाद भाईजी में महसूस हुई। काबरा परिवार लम्बे समय से वनबंधु परिषद के माध्यम से एकल विद्यालय संचालन में तन-मन-धन से सहयोग दे रहा है।

▸ **रमेश सरौगी** (रा. अध्यक्ष वनबंधु परिषद)

मैं लगभग 12 वर्षों से भाईजी को जानता हूँ। डिलर, बिजनेस पार्टनर सभी से उनके अच्छे सम्बंध हैं। इसका कारण उनका सरल सहज व्यवहार है, जो सभी को अपना बना लेता है। भाईजी अपनी बात के पक्के हैं। उन्होंने जो कह दिया वह कह दिया। बस इसी से विश्वसनीयता पैदा होती है।

▸ **दिलीप गौर**
डायरेक्टर
आदित्य बिरला मेनेजमेंट कार्पोरेशन प्रा.लि.

मेरे लिये यह बहुत ही प्रसन्नता का अवसर है। कारण है कि मध्यांचल के उपसभापति के रूप में आप समाज की सेवा में भी साथी हैं। बहुत सौभाग्य की बात है जिनके जीवन के 50 साल की सफलता की कहानी कही जा रही हो, ऐसे अवसर पर आशीर्वाद देने हेतु माता-पिता भी मौजूद हों। वास्तव में भाईजी भाग्यशाली हैं। काबरा परिवार को भी लम्बा समय समाजसेवा में हो गया है। नीति और नियत से चलते हैं तो सफलता निश्चित आती है। महासभा के घोष वाक्य सेवा व सदाचार का काबरा परिवार ने सदैव पालन किया है।

▸ **श्यामसुंदर सोनी**
(सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा)

भाईजी की सफलता वंदनीय है। इस सफलता में आपके पिताजी बापूजी श्री रामेश्वरलाल काबरा के उन गुण, उन विशेषताओं आदि का भी विशिष्ट योगदान है, जो भाईजी को विरासत में मिले। इनके परिवार की एकता का भी इसमें बड़ा महत्व है। वे परिवारजनों की भावनाओं को भी समान महत्व देते हैं। कैसे सभी को साथ लेकर काम करना यह भी श्री काबरा की अपनी विशेषता है। आपने अपने समाज को भी जो सेवा दी वह वंदनीय है।

▸ **रामपाल सोनी**
(पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा)

हम तीन भाईयों के नाम पर भी कम्पनी का नाम लिया जाता है, टीएमजी ग्रुप। इसका अर्थ है, त्रिभुवन, महेन्द्र व गोपाल। कई उपलब्धियाँ हैं, पहली भारतीय कम्पनी है जिसने कई मल्टी नेशनल कम्पनियों को विद्युत उत्पाद में पीछे छोड़ दिया है और विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मैकेनिकल कार पार्किंग की भी हमारी कम्पनी ने ही सौगात दी है। व्यापार चलाना कठिन नहीं परन्तु लांग टर्म में व्यापार चलाना बहुत मुश्किल है लेकिन यह भाईजी ने हमेशा ही किया है।

▸ **श्री गोपाल काबरा** (छोटे भाई)

श्री माहेश्वरी टाईम्स

हमारी न सिर्फ एक, दो या तीन बल्कि चार पीढ़ियाँ देश की सेवा कर रही है। त्रिभुवन बाल अवस्था से ही परिश्रमी, सजग व मेधावी रहा है। बचपन से पढ़ाई के साथ-साथ घर के काम में भी रूचि रखता था। जब इसकी माँ बीमार जो जाती तो यह ही पूरे परिवार की जिम्मेदारी सम्भालता। सर्वप्रथम काबरा परिवार बड़ोदा में वाइंडिंग वायर का उत्पादन प्रारम्भ किया था। 45 गेज के पतले वायर बनाते थे। अनुभव नहीं था तो घाटे में चल रहे थे लेकिन पुत्र त्रिभुवन ने पुस्तकों का अध्ययन किया और फिर इस घाटे के व्यवसाय को लाभ का बना दिया।

▸ बापूजी रामेश्वरलाल काबरा
ख्यात उद्यमी, समाजसेवी एवं भाईजी के पिताश्री

भाईजी की इस 50 वर्षों की व्यावसायिक यात्रा में से मैं भाईजी को मात्र 5 वर्ष से जानता हूँ। आपने 10 प्रतिशत व्यावसायिक जीवन हमारे साथ बिताया लेकिन आपने हमें अपने परिवार का हिस्सा भी बना लिया। आप सहज, सरल व अपनी बात के पक्के हैं। 5 वर्ष पूर्व प्रथम बिजनेस रिलेशन में भाईजी ने कहा था कि हम जो कुछ कह रहे हैं, सब करेंगे और आप अपनी बात पर आज भी दृढ़ हैं। आप ''मैन ऑफ वर्ड्स'' हैं। आपकी वजह से विदेशी पूंजी देश में आ रही है।

▸ मितेश डागा

भाईजी का सम्पूर्ण व्यक्तित्व ही हमारे लिये प्रेरणा है। किस तरह डिलर्स व व्यापारियों आदि के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखकर काम किया जा सकता है, यह हमने भाईजी से सीखा। जब से भाभी (स्व. श्रीमती उमा-त्रिभुवन काबरा) ने घर में पैर रखा था, तो उस समय से अंतिम समय तक उन्होंने भाईजी को हर कदम पर सहयोग दिया। आपके हर कार्य व हर सफलता में भाभी का भी बराबर का योगदान है। भाईजी की समय की पाबंदी व अनुशासन के साथ ही अपने परिवार ही नहीं बल्कि समस्त साथी कर्मचारियों, सहयोगियों व व्यापारियों के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार आपकी सफलता के सूत्र हैं। आपका व्यक्तित्व हर किसी को आकर्षित करता है। एक कविता की पंक्ति आप पर खरी उतरती है ''मेहनत करना आपसे सीखा...।''

▸ महेन्द्र काबरा (छोटे भाई)

जो सफलता मिली वह संस्कारों का फल - शिव खेड़ा

ख्यात प्रेरक वक्ता शिव खेड़ा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज श्री काबरा जिस मुकाम पर पहुँचे वह उनकी 50 वर्षों की मेहनत है। बीज इन्होंने बोया और फल अगली पीढ़ी खाऐगी। परिवार ने पूरा सहयोग दिया क्योंकि परिवार के बिना कुछ भी संभव नहीं। इनके पीछे काम करने वालों की एक फौज है, लेकिन फौज अपने आप नहीं बनती, बनानी पड़ती है, जिसकी जिम्मेदारी लीडर पर होती है। यहाँ भाईजी ने यही किया। इनकी शुरुआत बहुत छोटे तौर पर हुई लेकिन 12-13 हजार करोड़ की कम्पनी बन गई। अभी तक सुना था कि सभी श्री काबरा को भाईजी कहते हैं आज देख भी लिया क्यों? आखिर सभी से आपका स्नेह जो है। कोई ऊपर पहुँचा तो शिक्षा से नहीं बल्कि केवल संस्कारों से ऊपर पहुँचा है और ये संस्कार इन्हें परिवार व बापूजी से मिले हैं। दुनिया में इनकी सबसे बड़ी पूंजी ईमानदारी है। काबरा परिवार में जो पैसा आया ईमानदारी से ही आया।

किशोरावस्था में किया उद्योग जगत में पदार्पण

राम रत्ना समूह के प्रबन्ध निर्देशक त्रिभुवन प्रसाद काबरा का जन्म 7 अगस्त 1954 को श्री रामेश्वरलाल काबरा तथा समाजसेवी माँ रत्नीदेवी काबरा के यहाँ ननिहाल विराट नगर नेपाल में हुआ। बचपन का ज्यादातर समय ननिहाल में बीता। कक्षा 3 तक की पढ़ाई विराट नगर नेपाल में ही हुई। आप नानीजी के अति प्यारे थे। सन् 1963 में कक्षा 4 एवं 5 की पढ़ाई इंदौर के माहेश्वरी विद्यालय से की। यह उनका मितव्ययिता का स्वभाव ही था। परिवार के आदर्श माहौल से संस्कार स्वतः ही पैतृक रूप से प्राप्त होते ही रहे। कक्षा 6 से मुम्बई के घाटकोपर हिन्दी हाई स्कूल में पढ़ाई की। आपने मुम्बई से ही स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

ऐसे चली व्यावसायिक यात्रा

श्री काबरा ने स्नातक होने के पूर्व ही वर्ष 1972 में पढ़ाई के साथ-साथ मात्र 17.5 वर्ष की आयु में ही मुंबई में अपने पारिवारिक ट्रेडिंग व्यवसाय को संभाल लिया था। पिताजी ने इन्हें बड़ौदा स्थित कॉपर वायर मैन्युफक्चरिंग कंपनी को सँभालने का जिम्मा सौंपा। उन्होंने अपनी कार्यकुशलता से केवल 1 ही वर्ष में इस कंपनी को मुनाफा देने वाली कंपनी में परिवर्तित कर दिखाया। श्री काबरा ने सन् 1994 में राम रत्ना वायर्स लि. के नाम से उत्तम गुणवत्ता युक्त वाइन्डिंग वायर्स का उत्पादन प्रारंभ किया। वर्तमान में यह कंपनी भारत में बड़ी मात्रा में कॉपर आधारित उत्पादन में विशिष्ट स्थान रखती है। सन् 1998 में आर.आर. काबेल लि. के नाम से एक महत्वाकांक्षी प्रकल्प स्थापित किया। यह अंतराष्ट्रीय स्तर के उत्पादन के लिए आयातित आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों तथा अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इस आधार पर आरआर

काबेल भारत की सर्वश्रेष्ठ एवं विश्वसनीय कंपनी है। इसके पश्चात फैन, स्वीच, प्रेस, गिझर, लायटिंग सॉकेट आदि बिजली के उपकरणों का उत्पादन प्रारंभ किया, जो वर्तमान में 20 हजार काउंटर के साथ संपूर्ण विश्व में वटवृक्ष की भांति फैला हुआ है।

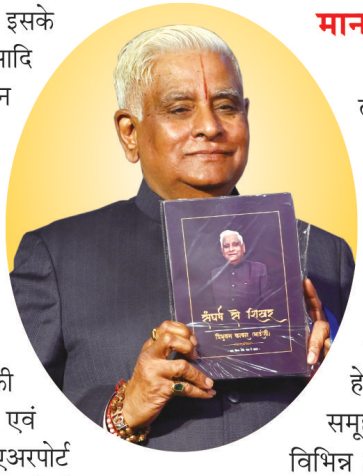

मल्टीलेवल पार्किंग की सौगात

महानगर में कार पार्किंग की बढ़ती समस्या को मद्देनजर रखते हुए समूह ने राम रत्ना इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के नाम से "स्वचलित मल्टी लेवल कार पार्किंग संकल्पना" लाकर शहरी परिदृश्य बदलने के कार्य की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त कम्पनी एक्सिलेटर एवं एलिवेटर पार्किंग का कार्य भी करती है। कंपनी ने दिल्ली एअरपोर्ट के सामने लिफ्ट पार्किंग बनाया है, जहां 1200 गाड़िया पार्क हो सकती हैं। मुंबई में कई जगह कार पार्किंग सिस्टम का निर्माण किया है। इसके अतिरिक्त कोलकाता, गोहाटी, जयपुर, पुणे, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, सिकन्दराबाद, कोयम्बटूर, मदुरै, जोधपुर, कानपुर, इलाहाबाद, अहमदाबाद, इन्दौर आदि कई शहरों में भी कंपनी ने कार पार्किंग सिस्टम बनाया है।

वटवृक्ष बना आर.आर.ग्लोबल

आर.आर. ग्लोबल के नाम से जाना जाने वाला उनका रामरत्ना उद्योग समूह अब वटवृक्ष का आकार ले चुका है। वर्तमान में इस समूह में अनेक कम्पनी एवं यूनिटों का समावेश है, जैसा कि MEW Electricals Limited, Ram Ratna Wires Limited, RR Kabel Limited, Ram Ratna international, Ram Ratna infrastructure, Kabel Buildcotn आदि। आज राम रत्ना समूह विश्व के 73 देशों में अपने उत्पाद निर्यात कर रहा है। आर.आर. काबेल का उत्पादन सिलवासा एवं वाघोड़िया वड़ोदरा (गुजरात) में होता है। इसका प्रधान कार्यालय मुंबई में है। कंपनी कोई भी उत्पादन प्रारंभ करने के पूर्व उस उत्पाद पर गहन अनुसंधान एवं विकास कार्य सक्रिय रूप से करती है, ताकि बिजली की बचत एवं कम लागत में उत्पादन हो सके। साथ ही जान-माल की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस तरह यह राष्ट्र के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

ये रहे सफलता के पाँच सूत्र

सफलता के शीर्ष पर विराजमान एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री काबरा सफल जीवन के पांच सूत्र बताते हैं।

- **सरलता-** जीवन में जितना सरल होगा सफलता का मार्ग भी उतना ही सरल होगा।
- **सकारात्मकता-** सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफल जीवन का ऊर्जा स्रोत है।
- **सद्भावना-** सद्भाव से ही सफलता का रास्ता दिखता है।
- **सद्गुण-** सद्गुणों से ही सफलता हमेशा साथ रहती है।
- **स्वाभिमान-** स्वाभिमान ही सफलता का सही मार्गदर्शक है। श्री काबरा का मानना है कि हमारे जीवन में हमारी हार-जीत का निर्णय हम स्वयं अपने स्वार्थ के अनुसार करते हैं। परंतु कोई व्यक्ति अपनी हार के बाद अपनी हार के कारणों पर चिंतन मंथन करते हुए तथा ऊपर के पांच सूत्रों को अपनाते हुए यदि जीवन पथ पर अग्रसर होता है तो विजय पाना निश्चित है। जीवन में स्वार्थी होना गलत नहीं परंतु एकतरफा स्वार्थ हमेशा हानिकारक रहता है फिर चाहे वो व्यापार हो, गृहस्थी हो, समाज हो, या देश हो।

मानवता की सेवा में भी आगे

वनबन्धु परिषद द्वारा दूरदराज एवं वनवासी क्षेत्र में लगभग 52 हजार एकल विद्यालय चलाऐ जा रहे हैं। इसमें आपके परिवार का तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग रहता है। साथ ही समूह ने वनवासी क्षेत्र में 75 वनवासी बच्चों को शिक्षा एवं स्वावलम्बी बनाने हेतु गोद लिया है। वनवासी को साक्षर करना वर्तमान में देश का सर्वाधिक आवश्यक कार्य है। इसके अतिरिक्त अनेक जरूरतमंद लोग शिक्षा एवं इलाज हेतु ट्रस्ट के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। राम रत्ना समूह शैक्षणिक, सामाजिक, धार्मिक एवं जन हितार्थ विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य में संलग्न है। वडोदरा में आई ट्राइडेंट भवन परिसर में वीर सावरकरजी की प्रतिमा के पास लाइटिंग डेकोरेशन आर.आर. काबेल द्वारा किया गया है और इसका रखरखाव भी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। प्रतिवर्ष वाघेडिया में 5-6 मई को बड़े पैमाने पर मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आकर स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। इसे एकत्रित कर किसी अस्पताल में दान दिया जाता है। इस कैम्प में संपूर्ण शरीर की जांच की जाती है। समाज के उद्यमियों की बिजनेस कॉन्फ्रेंस बिजकॉन में भी उनका उद्योग आरआर कॉबेल लंबे समय से प्रायोजक रहकर सहयोग प्रदान कर रहा है। अपनी तमात व्यवस्तताओं के बावजूद श्री काबरा माहेश्वरी समाज को भी विभिन्न समाज संगठनों के माध्यम से सतत रूप से अपनी सेवा दे रहे हैं। चाहे वे पद पर रहे या नहीं लेकिन समाज के प्रति उनके समर्पण व सहयोग में कोई परिवर्तन नहीं आया। वर्तमान में श्री काबरा अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा में मध्यांचल के उपसभापति की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रहे हैं।

विश्वस्तरीय शिक्षा की भी सौगात

श्री काबरा ने न सिर्फ उद्योग जगत का ही आधुनिक तकनीकों से कायाकल्प किया है, अपितु शिक्षा जगत को भी वह सौगात दी है, जिस पर देश गर्व कर सकता है। मुंबई के उपनगर भायंदर के सन्निकट भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु राम रत्ना विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय का निर्माण करवाया। राम रात्ना विद्या मंदिर को महाराष्ट्र में "No.1 Boys Residential School in the Education World India School Rankings 2013" का प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए इसी प्रांगण में राम रत्ना इंटरनेशनल डे स्कूल प्रारंभ किया, जिसे कैम्ब्रीज द्वारा मान्यता प्राप्त है। अपने पैतृक शहर शाहपुरा (राजस्थान) में स्व. सेठ श्री जगन्नाथ काबरा के नाम से माध्यमिक विद्यालय का निर्माण करवाकर, इसे राजस्थान सरकार को सौंप दिया। शिक्षा क्षेत्र में इस उदार-भाव सेवा के लिए राजस्थान सरकार ने आपको 'भामाशाह' पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महेश अर्बन को. ऑप.क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

गौरक्षण कॉम्प्लेक्स बुलढाणा रोड मलकापूर र.न. 1227 फोन नं. 0726722773

संस्था 33 वा वर्धापन दिनाच्या सर्व संचालक मंडळ,
कर्मचारी व सभासद यांना हार्दिक शुभेच्छा
आर्थिक स्थिति (30.09.2022)
एकुण ठेवी 43.35 कोटी, कर्ज वितरण 34.40 कोटी,
गुंतवणुक 16.28 कोटी, भाग भांडवल 1.52 कोटी, नफा 23.07 लाख

संस्था के सामाजिक एवं लोकोपायोगी कार्य

▸▸ सभा सदोका का 100000/- विनामूल्य सुरक्षा बीमा ▸▸ बेवारस प्रेतों का अंतिम संस्कर
▸▸ सामाजिक एवं राष्ट्रीय उपक्रम में सहभाग ▸▸ राष्ट्रीय आपात स्थिति में आर्थिक एवं सक्रीय सहभाग
▸▸ बेवारस प्रेतों का अंतिम संस्कार ▸▸ शीतल जल सेवा केंद्र
▸▸ योग साधना एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा उपचार शिविर ▸▸ ॲक्यूप्रेशर शिविर
▸▸ सभा सदोका उपचार के लिए आर्थिक मदद

मख्खनलाल मूंधडा, अध्यक्ष | किशोर बाहेती, उपाध्यक्ष | नंदलाल राठी, उपाध्यक्ष | सुनील अग्रवाल, व्यवस्थापक

संचालक मंडल एवं कर्मचारी वृंद
महेश अर्बन, को.ऑपरेटिव्ह क्रेडिट सोसायटी मर्यादित, मलाकपूर

बधर माता बिजासन मंदिर में भूमिपूजन

भीलवाड़ा। बधर माता-बिजासन माता का प्राचीन मंदिर आकोला-ताना के मध्य पहाड़ी पर स्थित है। वे आस-पास के सैकड़ो गाँवो की आराध्य माता भी हैं। भक्तों की सुविधा के लिए यहां भव्य भक्त निवास का भूमिपूजन कार्यक्रम गोपाष्ठमी पर होगा। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष श्यामसुंदर सोमाणी व बधर माता सेवा समिति, भीलवाड़ा के प्रभारी शंकर लाल सोमाणी ने बताया कि कुल देवी के यहां विकास कार्य की दृष्टि से श्री बधर माता आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सेवा ट्रस्ट बनाया गया। इसके वर्तमान अध्यक्ष श्यामसुंदर सोमाणी-(संभाजीनगर) औरंगाबाद, मंत्री-मनमोहन बागड़ी-मुंबई, सह मंत्री गोविन्द सोमाणी-हैदराबाद (भाग्यनगर), सड़क निर्माण समिति के संयोजक पूरण मर्दा-मालेगांव ने भीलवाड़ा प्रवास पर सभी कुलदेवी परिजनों को भूमिपूजन कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया। ट्रस्ट के मंत्री मनमोहन बागड़ी ने बताया कि 1 नवंबर गोपाष्ठमी को रात्रि जागरण और भजन संध्या का आयोजन होगा। अतिथियों का स्वागत माहेश्वरी समाज के जिला मंत्री देवेंद्र सोमाणी, समाजसेवी राधाकिशन सोमाणी, पूर्व पार्षद राधेश्याम सोमाणी व युवा समाजसेवी नवनीत जगदीशचंद्र सोमाणी ने किया। माताजी ट्रस्ट के सह मंत्री गोविन्द सोमाणी ने बताया कि चार मंज़िल का भव्य भक्तनिवास आधुनिक सुविधायुक्त बनेगा, और साथ में माताजी का मंदिर भी बनेगा। 80 कमरों का आधुनिक भवन का नक्शा आर्किटेक्ट सुनील लढ़ा-उदयपुर के मार्गदर्शन और ट्रस्ट के भवन निर्माण समिति के प्रभारी सुनील सोमाणी पुणे के सान्निध्य में तैयार किया गया। इस अवसर पर विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर बालमुकुंद सोमाणी, कैलाश गदीया, एडवोकेट लादूलाल सोमाणी, रामप्रसाद सोमाणी, शिवनारायण सोमाणी, प्रभात सोमाणी, राकेश सोमाणी, ब्रजमोहन सोमाणी ने भी सुझाव दिए। सभी का आभार महेश सोमाणी ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए श्रद्धा का चयन

शाजापुर। मात्र 12 साल की प्रतिभा श्रद्धा-सचिन बजाज ने औरंगाबाद में आयोजित महाराष्ट्र स्टेट सीनियर महिला चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके साथ श्रद्धा बजाज को कोल्हापुर में होने वाली आगामी एमपीएल 48 वीं राष्ट्रीय महिला शतरंज चैंपियनशिप 2022 में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। भारत के सबसे शीर्ष टूर्नामेंट में से एक उक्त राज्य चैंपियनशिप में नागपुर जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुना गया था।

With Best Compliments From

Sunil Sarda

Sumit Sarda

SRI BALAJI BEARING CORPN.

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

Stockist for - **ZKL, URB, China**
Distributor for - **China Pillow Block**
Manufactures of - **Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers,Drum Pully**

5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex,
Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422
E-mail : sunilmsarda@gmail.com

पुण्य स्मृति में आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

अमेठी (उ.प्र.)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नन्दग्राम, जायस, अमेठी (उ.प्र.) में सहसंस्थापक स्व. विष्णु माहेश्वरी की स्मृति में कराई गयी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ स्व. श्री विष्णु माहेश्वरी की पुत्रवधू व सुपुत्र हर्षिता एवं गौरव माहेश्वरी द्वारा किया गया। विजेता के अतिरिक्त सभी 75 प्रतिभागियों को सांत्वना स्वरुप पेन उपप्रबंधक परवेज़ अलवी द्वारा वितरित किये गये। मुख्य वक्ता राठी एसोसिएट के प्रबंधक व प्रबंध समिति सदस्य प्रशांत माहेश्वरी ने छात्र-छात्राओं को भाषण कला पर टिप्स दिये। महाविद्यालय के प्रति समर्पण व अथक सहयोग हेतु सफिया नकवी को हर्षिता माहेश्वरी ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. माया शुक्ला, प्रो. विजय मौर्या, कशिश मिश्रा, पुल्कित माहेश्वरी, शिवम माहेश्वरी, सुधा मिश्रा आदि मौजूद रहे। आभार प्राचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने व्यक्त किया।

राठी बने जिला शिक्षा अधिकारी

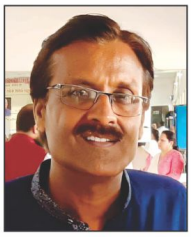

विदिशा। माहेश्वरी समाज के समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी, प्रदेश के कैरियर प्रकोष्ठ के संयोजक गोविन्द राठी को शासन द्वारा विदिशा जिले का जिला शिक्षा अधिकारी बनाया गया। आप पूर्व में भी सहायक संचालक के रूप में पांच वर्ष कार्य कर चुके हैं। श्री गोविन्द राठी अपनी प्रभावी नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

डांडिया धमाल का आयोजन

अहमदाबाद। नवरात्रि के पावन पर्व पर अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन ने वैष्णो देवी मंदिर के सामने गुंजन पार्टी प्लॉट में संगठन के सदस्यों के लिए रास गरबा 2022 का आयोजन किया गया। इसमें समाज के 500 से ज्यादा लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और अनेक इनाम जीते। आयोजन में आए हुए सभी सदस्यों का संगठन के अध्यक्ष विक्रम धूत एंव मंत्री मनीष चांडक ने आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी संगठन मंत्री अर्पित बाहेती ने दी।

उपलब्धि

राधिका बनी डॉक्टर

जयपुर। रायपुर डिडवाना के मूल निवासी स्वर्गीय दुर्गालाल लाहोटी की पौत्री व रामेश्वरलाल लाहोटी की सुपुत्री राधिका लाहोटी ने एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तैराकी में प्राप्त किये 5 स्वर्ण पदक

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में 76 वर्षीय वरिष्ठ प्रभा-राकेश भैया ने 5 स्वर्ण पदक प्राप्त किये। उम्र के इस पड़ाव पर यह विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कर श्रीमती भैया ने सभी को प्रेरणा दी है।

With Best Compliments from

Shrikant G. Mantri

Member : The Stock Exchange, Bombay

Surya Mahal, 2nd Floor, Nagindas Master Road Fort, Mumbai - 400 001, India
Tel. : 022-2261 8384, 2267 2526 6635 9003, 6635 9004, Fax : 022-22623198
E-mail : sgmantri@usa.net, Resi. : 022-26184126, 2614 4933, Mo. : 98210-26725

ऋषि-मुनि प्रकाशन की तीन पुस्तकें हुई पुरस्कृत

डॉ. चौरसिया की कृति 'असो मालवो है म्हारो' को साहित्यिक पुरस्कार

उज्जैन। साहित्य अकादमी मप्र संस्कृति परिषद का ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकें हुई पुरस्कृत म.प्र.शासन संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा वर्ष 2020 के मध्यप्रदेश की छह बोलियों (मालवी, निमाड़ी, बघेली, बुंदेली, भीली और गोंडी) के साहित्यिक कृति पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इसमें वर्ष 2020 में मालवी के लिए संत पीपा स्मृति पुरस्कार डॉ. शिव चौरसिया (उज्जैन) की कृति "असो मालवो है म्हारो" को दिया गया है। डॉ. चौरसिया लोक भाषा मालवी के प्रभावी कवियों में अग्रणी हैं। 23 दिसम्बर 1940 को शाजापुर जिले के ग्राम बेरछा में जन्मे डॉ. चौरसिया का बचपन अभावों और समूचा जीवन संघर्षों में बीता। इसके बावजूद ठेठ मालवी मनक की जिजीविषा उनके तन-मन और जीवन में अदम्य रही। जिसने उनके हृदय के कवि को युवावस्था से अब तक जीवंत और सक्रिय बना रखा है।

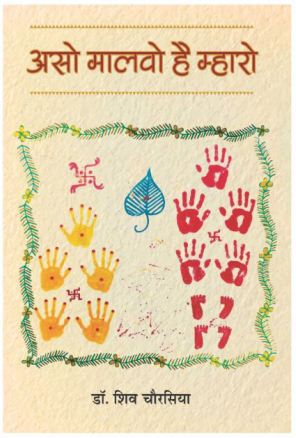

ये पुस्तकें भी हुई पुरस्कृत

साहित्य अकादमी द्वारा उत्कृष्ट के लिये ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों को पुरस्कृत किया है। इनमें राष्ट्रीय कवि हेमन्त श्रीमाल की पुस्तक "आईने में तैरती सच्चाइयाँ" तथा पांखुरी वक्त जोशी की पुस्तक "लम्हा-लम्हा जी लेते हैं" को उनकी उत्कृष्टता के लिये प्रकाशन सहयोग राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

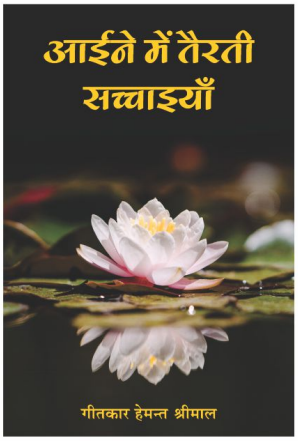

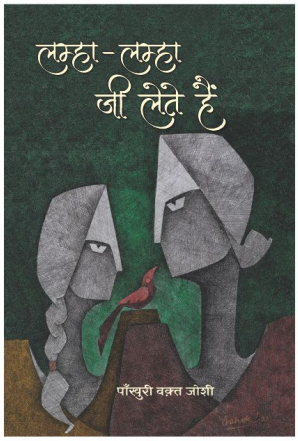

KOTHARI GROUP

Wishes A Very Happy Diwali

With Gleam of Auspicious Diyas and Holy Chants, May Happiness and Prosperity Fill Your Life Forever

ERA T&D LIMITED
Plot No. D2 , MIDC Umred, Nagpur
(Unit of tower & Transmission Line & Galvanizing)

ASA Agrotech Private Limited
Lihgaon Road Mahalgaon Kamptes, Nagpur
(Unit of bird Feed Manufacturing)
Start Export House & USAD Aprroved

Shree Metals (Mujbi) Private Limited
Mujbi, Bela, NH-6, Bhandra
Recucilng Facility for Copper, Zinc, Lead, Aluminum, And all other non-Ferrous Metal
Channel Partner of HZL in Chhattisgarh and Maharashtra

Best Wishes From
Shir, Rambilasji Sarda (Chairman)
Shir. Pankaj Rambilas Sarda (MD)
Shri. Kaushik Pankaj Sarda (Director)

Head Office: Sation Road Shiwaji Ward Bhandara (MH) 441904
Emil: pankaj@asaagrotech.com, Kaushik.sarda@kotharigroup.co

शरद पूर्णिमा उत्सव का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। माहेश्वरी पंचायत एवं महिला मंडल द्वारा शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में माहेश्वरी भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संचालिका एवं संयोजिका अलका सुरजन, सह संयोजिका वर्षा डागा एवं मंजू बागड़ी के सानिध्य में धूमधाम से संपन्न हुआ, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक लगभग 100 सदस्यों ने अपनी सहभागिता की और कार्यक्रम को सफल बनाया। समाज के वरिष्ठ दंपतियों का सम्मान भी किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर नरेंद्र गांधी थे। अध्यक्षता विनोद सादानी ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन पवन डागा एवं शीला गांधी द्वारा दिया गया। सचिव संजय लड्ढा एवं सुषमा राठी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता की एवं कोषाध्यक्ष अनीता चितलांगिया का विशेष सहयोग रहा।

किरण मुंदड़ा बनी स्वच्छता की ब्रांड एंबेसडर

नागपुर। स्वच्छ नागपुर और पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील किरण मुंदड़ा को स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एम्बेसडर चुना गया है। नागपुर महानगर पालिका ने गांधी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनके नाम की घोषणा की। इस अवसर पर कमिश्नर राधाकृष्णन ने अपने वक्तव्य में इनके कार्यों को चर्चा की। प्लास्टिक हो या सड़क पर कचरा फेकने की आदत, इनके द्वारा व्यवहारिक व वैचारिक बदलाव कर स्थायी रूप से परिवर्तन का प्रयास किया जा रहा है और नागपुर में इसके प्रभावी परिणाम नज़र आ रहे हैं। समाज सेवी किरण मुंदड़ा तेजस्विनी मंच की संस्थापक अध्यक्ष व श्री महेश्वर वानप्रस्थ आश्रम की ट्रस्टी भी हैं।

गरिमा हुई जर्मनी में सम्मानित

कोलकाता। समाज सदस्य पंकज-संगीता माहेश्वरी की सुपुत्री गरिमा माहेश्वरी ने विशिष्ट योगदानों के साथ जर्मनी से ''बायोटेक्नोलॉजी प्रोडक्शन एण्ड न्यूट्रीशनल इवोल्युशन ऑफ बेसिडियोमायसिटस प्रोटीन्स'' शीर्षक पर पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त की। इन्हें उनके इस विशिष्ट योगदान के लिये ''जर्मन केमिकल सोसायटी एवं जर्मन सोसायटी ऑफ फूड केमिस्ट्री'' द्वारा ''फ्युचर ऑफ फूड केमिस्ट्री'' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गरीब बच्चों को दिया रंगोली प्रशिक्षण

नागपुर। राजस्थानी महिला मंडल के आयोजन में चिटनीस सेंटर में स्लम एरिया के बच्चों को ''विविधा कुकिंग क्लासेस'' की संचालिका पूनम राठी द्वारा संस्कार भारती रंगोली की सहायक भाग्यश्री लुटे के साथ रंगोली का प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्ष शुभा धीरन ने बताया कि इसमे करीब 50 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को वीना माहेश्वरी द्वारा रंगोली और अनीता पारेख द्वारा फाइव स्टार चॉकलेट दी गई। साथ ही सभी बच्चों को लीची शर्बत का वितरण भी किया गया। सचिव ज्योति हेड़ा ने चिटनविस सेंटर की संचालिका निशा ताई और पल्लवी ताई का आभार व्यक्त किया।

अहिंसा अर्बन को ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या.

मलकापूर, रजि. नं. 1243

नेमाणे कॉम्पलेक्स, बी.जी.टी.आय रोड, मलकापूर-443101 मो. 82756 46933

वैशिष्ट्ये

अहिंसा ठेव योजना
फक्त 84 महीन्यात दाम दुप्पट
संस्थेच्या ठेविवरील आकर्षक ब्याज दर

मुदती ठेव

- 30 दिवस ते 90 दिवस 6%
- 91 दिवस ते 6 महीने 7%
- 7 महीने ते 15 महीने 8%
- 16 महिनेचे वर 9%
- 25 महिनेचे वर 9%

आकर्षक आवर्तक ठेव योजना

1031 रू. दरमहा गुंतवा व 6 वर्षाने
1 00 000 रू. मिळवा.
(मर्यादीत कालावधी करीता)

- जेष्ठ नागरीक, सहकारी संस्था, विधवा, अपंगांसांठी 1/2% अधिक ब्याज दर.

आपले स्नेहाकीत

श्री. पंकज चिमनलालजी मुंधडा
अध्यक्ष
94044 40000

सतिष हेमराज बंग
सचिव

श्री. मनोज रतीलालजी भिमजीयाणी
उपाध्यक्ष

तथा संचालक मंडल व कर्मचारी वृंद
अहिंसा अर्बन को-ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या. मलकापूर

जिस तरह लोग मुर्दे इंसान को कंधा देना पुण्य समझते हैं, काश इस तरह जिन्दा इंसान को सहारा देना पुण्य समझने लगे, तो जिंदगी आसान हो जायेगी।

समाज में भी अपनी समाजसेवा से विशिष्ट पहचान रखने वाले अ.भा. माहेश्वरी महासभा के निर्विरोध संयुक्त मंत्री रहे कुचामन सिटी निवासी श्याम सुन्दर मंत्री लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रांत 3233E2 में उपप्रांतपाल (द्वितीय) के पद पर निर्वाचित हुए। उनके इस निर्वाचन से पूरे कुचामन शहर में हर्ष की लहर दौड़ गई। कई सामाजिक तथा समाजसेवी सगठनों ने श्री मंत्री का भव्य स्वागत कर उनके समाजसेवा के जज्बे को नमन किया।

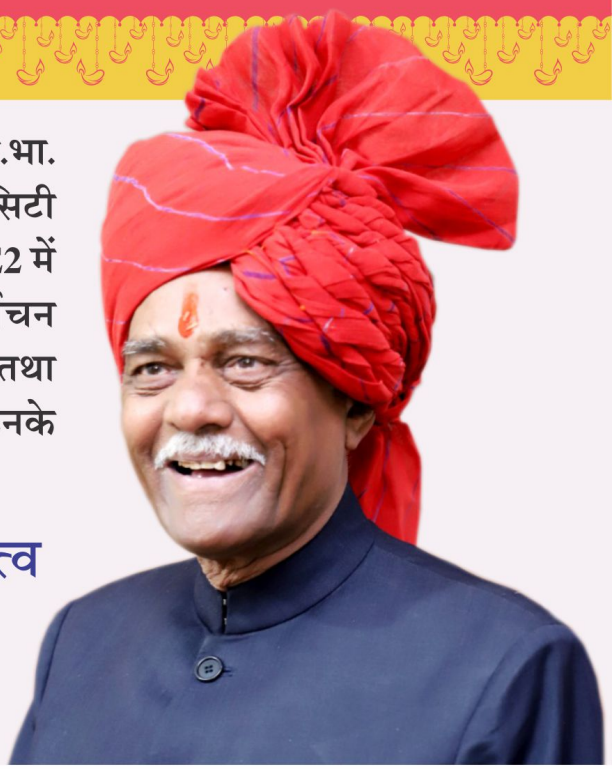

जोश-जुनून और कामयाबी का दुर्लभ व्यक्तित्व

श्यामसुन्दर मंत्री

लॉयंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233E2 के उपप्रांतपाल द्वितीय के चुनावों में लॉयंस क्लब कुचामन सिटी द्वारा प्रस्तुत प्रत्याशी वरिष्ठ समाजसेवी श्याम सुंदर मंत्री ने विजयश्री प्राप्त की। इस उपलब्धि पर लॉयंस क्लब कुचामन सिटी द्वारा 25 मई शाम को अंतराष्ट्रीय निदेशक डॉ. वी के लाड़ीया, मल्टिपल काउन्सिल चेयरपर्सन संजय भंडारी, उपप्रांतपाल प्रथम डा.संजीव जैन, पूर्व प्रांतपाल अरविंद शर्मा, जे. एम. गेहलोत, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशोर तिवाड़ी, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विजय शंकर मून्दड़ा, भारत तिब्बत सहयोग मंच के राजेंद्र प्रसाद कामदार, डा. हापूराम चौधरी, ईन्टरनेशनल वैश्य फ़ेडरेशन के ज़िलाध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल व अन्य अतिथियों के आतिथ्य में कुचामन के सरला बिरला कल्याणम् मंडपम् में स्वागत समारोह का आयोजन रखा गया। लॉयंस क्लब के अनेक क्लबों से आये पदाधिकारियों व अतिथियों के साथ सभी कुचामन गढ़ से वाहनों के क़ाफ़िले के साथ लॉयंस सर्कल होते हुये सरला बिड़ला कल्याण मंडपम में पहुँचें। रास्ते में जगह-जगह पर श्री मंत्री का लोगों ने साफ़ा, शाल, माला व पुष्पवर्षा से सम्मान किया। लॉयंस सर्कल पर शानदार आतिशबाजी के साथ मिठाई बाँटी गयी। विभिन्न सामाजिक संस्थाओ द्वारा श्री मंत्री को सामूहिक नागरिक अभिनन्दन कर सम्मानित किया गया।

समाजसेवा के वृहद आयाम

श्री मंत्री 40 से अधिक वर्षों से सेवा कार्यों में लगे हुए समाजसेवी है और आपको 'कुचामन रत्न' की उपाधि के साथ ज़िला स्तर व राज्य स्तर पर कई बार तथा भारत सरकार द्वारा महामहिम राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हाथों विकलांग सेवा के लिए 'सर्वोत्तम व्यक्ति' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। भास्कर समूह द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान के क्षेत्र में 'इन्डिया प्राईड अवार्ड' से सम्मानित किया जा चुका है। आप वर्तमान में इन्टरनेशनल वैश्य फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के राष्ट्रीय महामंत्री, भारत तिब्बत सहयोग मंच के उड़ीसा प्रभारी एवं राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य, भारतीय जन फ़ाऊंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री, नारायण सेवा संस्थान के शाखाध्यक्ष, जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष, कुचामन विकास समिति के उपाध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के प्रबंध समिति सदस्य, सदस्य ज़िला विकास एवं समन्वय समिति (ग्रामीण विकास मंत्रालय), सदस्य अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद आदि अनेक संस्थाओं के माध्यम से सेवा के कार्य कर रहे हैं। पूर्व में माहेश्वरी महासभा में संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल), अखिल भारतीय वैश्य फ़ेडरेशन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री, श्री कुचामन गौशाला के अध्यक्ष एवं केन्द्र व राज्य सरकार की कई समितियों में कार्य कर चुके हैं एवं कई समाजसेवी संस्थाओं सतत् सेवा दे रहे है।

WORLD RECORD
STAR 2020
ONLINE CERTIFICATE
Shyam Sunder Mantri
Social Activist
Kuchaman City (Rajasthan) India
Has been recognized and appreciated for spreading a spirit of positivity and working very efficiently from last 40 years for society welfare. Your effort of being a silent warrior in Covid - 19 combat is commendable. These efforts and works are also being included in the Star - 2020 Edition being published during the Lockdown period.
Issuance: 05th June, 2020
Santosh Shukla
Supreme Court, Advocate
President
World Record Publishing Company, United Kingdom

कोरोना काल में कार्यो के फलरूप वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड द्वारा सम्मानित

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी का कुचामन आगमन पर सम्मान करते हुये

महामहिम राज्यपाल श्री मदनलाल खुराना से रक्तदान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्था का सम्मान प्राप्त करते हुये

विकलांग व्यक्तियों के कल्याणार्थ कार्य करने के लिये सर्वोत्तम व्यक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

आपदाओ मे बने मसीहा

श्री मंत्री अनेक संस्थाओं से जुड़े होकर निरंतर विभिन्न आपदाओं के समय तत्परता से उनका निवारण एवं बचाव के लिए विभिन्न कार्य करते रहे हैं। ऐसे ही कोरोना के समय उन्होंने अनेकों बचाव कार्य जनसेवार्थ किए। जब कोरोना के मरीज राजस्थान में भी आने लगे तब उन्होंने कुचामन सिटी के राजकीय अस्पताल में सैनिटाइजर टनल लगवाया ताकि कोरोना से बीमार व्यक्ति से किसी अन्य को संक्रमण ना हो जाए एवं साथ में कोरोना से बचाव के उपाय सम्बंधित पेम्पलेट का वितरण भी किया। कोरोना जैसी बीमारी से बचाव हेतु श्री मंत्री जी ने लायंस क्लब के साथ मिलकर घर घर जाकर काढा पिलाया, मास्क एवं सैनिटाइजर वितरित किए। जब कोरोना के समय कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड एग्जाम होना जरूरी था, तब श्री मंत्री ने लायंस क्लब एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता सदस्यों से इस पर चर्चा कर सभी परीक्षा देने आए विद्यार्थियों का हैंड सेनीटाइजर करवाया एवं उनका बॉडी तापमान भी नापा गया था जिससे किसी भी विद्यार्थी को अन्य विद्यार्थी से कोरोना संक्रमण ना फैले। कोरोना के दूसरे चरण में ऑक्सीजन की कमी से विभिन्न मरीजों को परेशान होते एवं दम तोड़ते देखा तो श्री मंत्री ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन मंगवा कर अलग-अलग संस्थानों द्वारा रोगियों की मदद कराई।

परिवार से मिले सेवा के संस्कार

श्री मंत्री को बचपन में परिवार में जो सेवाभावी माहौल मिला उसने उस अवस्था में ही समाजसेवा के बीज उनके जीवन में रोप दिये थे, जो अब वटवृक्ष बन पल्लवित हो चुके हैं। कुचामन सिटी (राजस्थान) निवासी श्री मंत्री का जन्म 26 नवंबर 1955 को स्व. श्री कल्याणचंद व श्रीमती रामेश्वरी देवी मंत्री के यहां हुआ। स्नातक तक शिक्षित श्री मंत्री मार्बल व्यवसाय से संबद्ध हैं। धर्मपत्नी शोभा मंत्री तथा 1 पुत्र व 2 पुत्रियां भी उनकी सेवा गतिविधियों में सहयोगी बने हुए हैं। व्यापार जगत में कामयाबी के पश्चात लायंस क्लब कुचामन सिटी की सदस्यता ग्रहण की एवं नगर क्षेत्र में अंधत्व निवारण तथा अन्य सेवा प्रकल्पों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1999 में नारायण सेवा संस्थान की शाखा के संस्थापक अध्यक्ष बने व पोलिया शल्य चिकित्सा के माध्यम से पूरे क्षेत्र को पोलिया मुक्त कराकर ही दम लिया। रक्त का महत्व समझते हुए रक्तदान जागरूकता में विशेष रुचि ली एवं कुचामन नगर को स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में एक अलग पहचान दिलाई। वर्ष 2001 से 2004 तक लगातार राजस्थान का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर नारायण सेवा संस्थान की कुचामन शाखा में लगाया जिसके फलस्वरूप राज्यपाल ने सम्मानित किया। वर्ष 2008 से 2013 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष रहे एवं इस अवधि में अनेकों समाज हित के प्रकल्प संपादित किए गए। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के महामंत्री भी रहे। कुचमान विकास समिति द्वारा संचालित महाविद्यालय में विद्यार्थियों के खेल संवर्द्धन हेतु नागौर जिले का प्रथम इंडोर स्टेडियम अपने स्व. पिताश्री के नाम से "कल्याणचंद मंत्री इंडोर स्टेडियम" बनवाया। श्री कुचामन गौशाला के अध्यक्ष के रूप में गौशाला की लगभग 400 बीघा भूमि पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण करवाया एवं लावारिस गायों की पालन संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि की। गर्भस्थ शिशु संरक्षण के लिए विभिन्न पदों पर रहते हुए भ्रूणहत्या बंद करवाने के लिए लगातार जनजागरण के कार्यक्रम किये।

दैनिक भास्कर समूह द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिये इंडिया प्राइड अवार्ड से सम्मानित

हम अपने बचपन से ही लगभग सभी मंदिरों, पूजाघर तथा घर के अंदर स्थित पूजा स्थल पर शंख की उपस्थिति देखते आये हैं। कई स्थानों पर तो श्रद्धालुओं को चरणामृत शंख से ही प्रदान किया जाता है। इन सबका कारण है, इनका विशिष्ट चमत्कारिक प्रभाव। आईये जानें आखिर क्यों चमत्कारिक माना जाता है, शंख?

अखिर क्यों चमत्कारी है शंख

कैलाशचंद्र लड्ढा
जोधपुर

शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है। आरती, धार्मिक उत्सव, हवन-क्रिया, राज्याभिषेक, गृह-प्रवेश, वास्तु-शांति आदि शुभ अवसरों पर शंखध्वनि से लाभ मिलता है। पितृ-तर्पण में शंख की अहम भूमिका होती है। शंख निधि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगलचिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अरिष्टों एवं अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की वृद्धि होती है। भारतीय धर्मशास्त्रों में शंख का विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण स्थान है। मंदिरों एवं मांगलिक कार्यों में शंख-ध्वनि करने का प्रचलन है। मान्यता है कि इसका प्रादुर्भाव समुद्र-मंथन से हुआ था। समुद्र-मंथन से प्राप्त 14 रत्नों में शंख भी एक है। विष्णु पुराण के अनुसार माता लक्ष्मी समुद्रराज की पुत्री हैं तथा शंख उनका सहोदर भाई है। अतः यह भी मान्यता है कि जहाँ शंख है, वहीं लक्ष्मी का वास होता है। स्वर्गलोक में अष्टसिद्धियों एवं नवनिधियों में शंख का महत्वपूर्ण स्थान है। भगवान विष्णु इसे अपने हाथों में धारण करते हैं।

तीन प्रकार के होते हैं शंख

शंख की आकृति के आधार पर इसके प्रकार माने जाते हैं। ये तीन प्रकार के होते हैं - दक्षिणावर्ती शंख, मध्यावर्ती शंख तथा वामावर्ती शंख। जो शंख दाहिने हाथ से पकड़ा जाता है, वह दक्षिणावर्ती शंख कहलाता है। जिस शंख का मुँह बीच में खुलता है, वह मध्यावर्ती शंख होता है तथा जो शंख बायें हाथ से पकड़ा जाता है, वह वामावर्ती शंख कहलाता है। मध्यावर्ती एवं दक्षिणावर्ती शंख सहज रूप से उपलब्ध नहीं होते हैं। इनकी दुर्लभता एवं चमत्कारिक गुणों के कारण ये अधिक मूल्यवान होते हैं। इनके अलावा लक्ष्मी शंख, गोमुखी शंख, कामधेनु शंख, विष्णु शंख, देव शंख, चक्र शंख, पौंड्र शंख, सुघोष शंख, गरुड़ शंख, मणिपुष्पक शंख, राक्षस शंख, शनि शंख, राहु शंख, केतु शंख, शेषनाग शंख, कच्छप शंख आदि प्रकार भी होते हैं।

वास्तु दोष भी करता है दूर

निर्दोष एवं पवित्र शंख को दीपावली, होली, महाशिवरात्रि, नवरात्र, रवि-पुष्य, गुरु-पुष्य नक्षत्र आदि शुभ मुहूर्त में विशिष्ट कर्मकांड के साथ स्थापित किया जाता है। रुद्र, गणेश, भगवती, विष्णु भगवान आदि के अभिषेक के समान शंख का भी गंगाजल, दूध, घी, शहद, गुड़, पंचद्रव्य आदि से अभिषेक किया जाता है। इसका धूप, दीप, नैवेद्य से नित्य पूजन करना चाहिए और लाल वस्त्र के आसन में स्थापित करना चाहिए। शंखराज सबसे पहले वास्तु-दोष दूर करते हैं। मान्यता है कि शंख में कपिला (लाल) गाय का दूध भरकर भवन में छिड़काव करने से वास्तुदोष दूर होते हैं। परिवार के सदस्यों द्वारा आचमन करने से असाध्य रोग एवं दुःख-दुर्भाग्य दूर होते हैं। विष्णु शंख को दुकान, ऑफिस, फैक्टरी आदि में स्थापित करने पर वहाँ के वास्तु-दोष दूर होते हैं तथा व्यवसाय आदि में लाभ होता है। वर्तमान समय में वास्तु-दोष के निवारण के लिए जिन चीजों का प्रयोग किया जाता है, उनमें से यदि शंख आदि का उपयोग किया जाए तो कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। यह न केवल वास्तु-दोषों को दूर करता है, बल्कि आरोग्य वृद्धि, आयुष्य प्राप्ति, लक्ष्मी प्राप्ति, पुत्र प्राप्ति, पितृ-दोष शांति, विवाह में विलंब जैसे अनेक दोषों का निराकरण एवं निवारण भी करता है। इसे पापनाशक बताया जाता है। अतः शंख का विभिन्न प्रकार की कामनाओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसकी ध्वनि से सोई भूमि जागृत हो जाती है।

शंख का विशिष्ट महत्व

शंख की स्थापना से घर में लक्ष्मी का वास होता है। देव प्रतिमा के चरणों में शंख रखा जाता है। पूजास्थली पर दक्षिणावर्ती शंख की स्थापना करने एवं पूजा-आराधना करने से माता लक्ष्मी का चिरस्थायी वास होता है। इस शंख की स्थापना के लिए नर-मादा शंख का जोड़ा होना चाहिए। गणेश शंख में जल भरकर प्रतिदिन गर्भवती नारी को सेवन कराने से संतान गूंगेपन, बहरेपन एवं पीलिया आदि रोगों से मुक्त होती है। अन्नपूर्णा शंख की व्यापारी व सामान्य वर्ग द्वारा अन्न भंडार में स्थापना करने से अन्न, धन, लक्ष्मी, वैभव की उपलब्धि होती है। मणिपुष्पक एवं पांचजन्य शंख की स्थापना से भी वास्तु-दोषों का निराकरण होता है। शंख का तांत्रिक-साधना में भी उपयोग किया जाता है। इसके लिए लघु शंखमाला का प्रयोग करने से शीघ्र सिद्धि प्राप्त होती है।

विज्ञान की दृष्टि में शंख

आधुनिक विज्ञान के अनुसार शंख बजाने से हमारे फेफड़ों का व्यायाम होता है, श्वास संबंधी रोगों से लडने की शक्ति मिलती है। पूजा के समय शंख में भरकर रखे गए जल को सभी पर छिड़का जाता है। कारण है, शंख के जल में कीटाणुओं को नष्ट करने की अद्भूत शक्ति होती है। साथ ही शंख में रखा पानी पीना स्वास्थ्य और हमारी हड्डियों, दांतों के लिए बहुत लाभदायक है। शंख में कैल्शियम, फास्फोरस और गंधक के गुण होते हैं जो उसमें रखे जल में आ जाते हैं। इससे जल शुद्ध व रोगाणु मुक्त हो जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार शंख-ध्वनि से वातावरण का परिष्कार होता है। इसकी ध्वनि के प्रसार-क्षेत्र तक सभी कीटाणुओं का नाश हो जाता है। इस संदर्भ में अनेक प्रयोग-परीक्षण भी हुए हैं। आयुर्वेद के अनुसार शंखोदक भस्म से पेट की बीमारियाँ, पीलिया, यकृत, पथरी आदि रोग ठीक होते हैं। ऋषि श्रृंग की मान्यता है कि छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर छोटे-छोटे शंख बाँधने तथा शंख में जल भरकर अभिमंत्रित करके पिलाने से वाणी-दोष नहीं रहता है। बच्चा स्वस्थ रहता है। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि मूक एवं श्वास रोगी हमेशा शंख बजायें तो बोलने की शक्ति पा सकते हैं। हृदय रोगी के लिए यह रामबाण औषधि है। शंख बजाने से दमा, अस्थमा, क्षय जैसे जटिल रोगों का प्रभाव काफी हद तक कम हो सकता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह है कि शंख बजाने से सांस की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है।

दीप पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

Ph. : 0721-2660046
Mo. : 9822200631

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles, MIDC, Amravati
Ph. : 0721-2520013, 2520699

पियुष ओ. भैय्या
9822731007

अखिलेश अ.भैय्या
9823231276

पिशाच का डर माणक के सर चढ़ बैठा। उसकी रूह कांप गई, डरते-डरते बोला, 'मांगू, मुझे नहीं चाहिए मेरी रकम पर ब्याज। अडाण पर रखे गहने भी ले जाना। जीऊंगो तो फेर कमा लूंगो। यो पिशाच तो प्राण पीग्यो।'

पिशाच

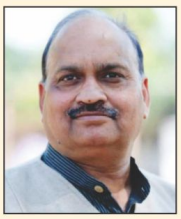

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

विशालकाय 'थार' रेगिस्तान के सिंहद्वार 'जोधपुर' शहर के बारे में तो अनेक लोग जानते हैं लेकिन बहुत कम लोग इस तथ्य को जानते हैं कि यहाँ के लोग जितने बातूनी होते हैं उतने ही पेटू भी। यहाँ के हलवाई उनकी इस मनोवृति का भरपूर फायदा उठाते हैं। वे इतने लज़ीज़ पकवान बनाते हैं कि लोग अंगुलियाँ चाट लें। यहाँ के 'गुलाबजामुन' 'मावे की कचोरियाँ' एवं 'बूंदी के लड्डू' जगतविख्यात हैं एवं इससे भी ज्यादा विख्यात है यहाँ के वाशिंदों का व्यावसायिक कौशल जो मिट्टी से सोना बनाना जानते हैं। दूसरे शहरों में जहाँ रईस हजारों में एक होते हैं, यहाँ रईस खर-पतवारों की तरह मिलते हैं एवं वह भी एक से बढ़कर एक। यही वह शहर है जहाँ गलियाँ साफ करने वाले मेहतरों के गले तक में आप स्वर्णहार देख सकते हैं। इसी के चलते लोगों में रईसी शौक भी मुंह चढ़कर बोलते हैं। कला-साहित्य-संस्कृति यहाँ खूब पल्लवित हुई है एवं यही कारण है कि इस शहर को क्षेत्र की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है।

इसी शहर में परकोटे के भीतर एक बाजार है 'आडा बाजार' जो 'यथा नाम तथा गुण' के अनुरूप इतना आडा-टेढ़ा है कि हर बीस कदम चलने के बाद सामने से किसी मकान की दीवार आ जाती है एवं इन्हीं मोड़ो के चलते यहाँ सड़क हादसे आम बात है। इसी बाजार में एक मौहल्ला है जो 'महाजनों का मौहल्ला' के नाम से प्रसिद्ध है एवं इसी मोहल्ले में वह हवेली है जिसके बारे में यह मौहल्ला ही नहीं शहर के अन्य अनेक वाशिंदे भी जानते हैं कि यहाँ एक 'पिशाच' रहता है। वस्तुतः बाजार से चलकर यह मौहल्ला अंग्रेजी के 'टी' अक्षर जैसा बन जाता है जिसमें टी की टांग बाजार में लगती है एवं टी के ऊपर के दायें-बायें दोनों छोर छोटे-छोटे पच्चीसों मकानों से होकर अंत मे बंद हो जाते हैं। यहाँ सभी घर महाजनों के हैं एवं यहाँ के महाजन अक्सर अपनी चतुर औरतों को लेकर आशंकित रहते हैं। यह व्यवस्था इसी हेतु की गई है। इसी मोहल्ले यानी टी के बायें छोर पर ठीक कोने से भीतर जाता हुआ दीवारों से घिरा एक बड़ा मैदान है एवं इसी मैदान के ठीक सामने वह हवेली है जो 'सिंघानियों की हवेली' के नाम से जानी जाती है एवं जिसके बारे में लोग कहते हैं कि यहाँ पिशाच रहता है। अब यह हवेली पुरानी हो गई है एवं यहाँ कोई नहीं रहता सिवाय उन परिंदों एवं गिलहरियों के जिनके मकान इंसानों के भग्न भवन ही होते हैं। हाँ, इसी हवेली के बाहर मैदान के पश्चिमी कोने में टीन के टूटे छप्पर के नीचे एक फकीर 'अल्लारखा' रहते हैं जिनका झुर्रियों भरा चेहरा एवं सन जैसी लंबी दाढ़ी देखकर कोई भी कह सकता है कि वे नब्बे से कम न होंगे। मौहल्ले के अनेक बड़े-बूढ़े तो यहाँ तक कहते हैं कि अल्लारखा सौ पार है। एक पुराना लबादा, कांसा, चिमटा, फटे वस्त्र एवं लाल-पीले पत्थरों की माला यही उनकी कुल संपति है लेकिन आँखों में वह चमक है जो अच्छे-अच्छे रईसों की आँखों में नजर नहीं आती।

इसी मौहल्ले के बीचों बीच हमारा मकान था जहाँ मैं मेरे माता-पिता, चार भाइयों एवं दो बहनों के साथ रहता था। मैं सबसे छोटा था एवं पैदा भी पिताजी की पक्की उम्र में तब हुआ था जब मेरे सबसे बड़े भाई का विवाह हो गया था। अब तो कंडोम एवं बर्थकंट्रोल के अनेक तरीके बूढ़ों की लाज रख लेते हैं पर यह वह जमाना था जब धोती खुलने का अर्थ था एक नई 'किलकारी' एवं तब अनेक बार मैंने मौहल्ले के भानजों-भतीजों के मुँह से सुना था कि उनके यहाँ नये मामा अथवा चाचा का जन्म हुआ है। विवश बूढ़ों के पास तब आँख नीची करने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं था। औलादों के आगे उनकी नस दबती तो इसी मुद्दे पर जैसा कि एक बार मैंने मेरे पड़ौसी के सबसे बड़े पुत्र को पिता से झड़पते देखा था। पिता ने उसे जब कहा कि उन्हें पोता चाहिए तो उनके लाडले बोले, 'पहले आप भैया पैदा करना बंद करें तो मैं पोते की सोचूं'। मेरे बूढे पड़ौसी तब अपना-सा मुँह लेकर रह गए थे।

हमारे मोहल्ले में थे तो सभी महाजन लेकिन यह महाजन शहर के उन रईसों की तरह नहीं थे जिनकी रईसी के किस्से हम अक्सर सुनते एवं जिनके बारे में लोग कहते थे कि वे लंदन से मंगाये कपड़े पहनते हैं, ईरान का महंगा इत्र लगाते हैं एवं अपनी पर उतर आये तो पतुराईनों को सोने का कण्ठा तक उपहार में दे देते हैं। मेरे मौहल्ले के महाजन परचूनिया महाजन थे जो छोटे-मोटे वैसे ही कारोबार करते थे जैसे कि मेरे पिता बाहर बाजार में किराने की दुकान चलाते थे। हमारी दुकान अच्छी चलती थी अतः हम 'अंधों में काना राजा' थे। लोग अक्सर मेरे पिता से महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर राय लेने आते। होली की पहली पिचकारी वही छोड़ते, दिवाली का पहला दीया भी वही जलाते। यह उन जमानों के दस्तूर थे। जो आदर ज्ञानियों में अधिक ज्ञानी पाता है वही आदर अन्य महाजनों से हमें मिलता था। महाजनों की सीधी गणित थी, अधिक पैसा यानि अधिक बुद्धिमान।

हमारा मकान मौहल्ले के अन्य मकानों से बड़ा था जिसमें बाहर की ओर खुलते सुंदर झरोखे थे। झरोखों के दोनों ओर की चित्रकारी देखते बनती थी। इन झरोखों से लटकते कंगूरे मकान की शोभा में चार-चांद लगाते। चित्रों के चारों ओर रंग-बिरंगे कांच के टुकड़ों की चौकोर पट्टी लगी होती एवं मुझे याद है इन पट्टियों पर सवेरे सूर्य की किरणें पड़ती तो मकान शीशमहल की तरह चमक उठता। हमारा आंगन भी अन्यों के आंगन से बड़ा था जहाँ खूबसूरत शीशम के दो बड़े पाट रखे होते। इन पाटों पर मोटे गद्दे जिन पर सफेद चद्दर लगी होती। गद्दो के पीछे दीवार से सटे दो गोल मशक रखे जाते जिनके रेशमी कवर पर फूलों की सुंदर कढ़ाई होती। मौहल्ले के अनेक लोग रात्रि भोजन के पश्चात पिताजी से मिलने आते तो इन्हीं पाटों पर बैठकर गपियाते। भरे पेट बातें भी रसभरी होती। अनेक बार गंभीर मुद्दों पर भी मनन होता एवं इन्हीं मुद्दों में कभी-

कभी पिशाच वाली हवेली का मुद्दा भी छिड़ जाता। हवेली का जिक्र आते ही महाजनों को सांप सूंघ जाता। न जाने कितने किस्से, कितनी किंवदंतियाँ, कितनी मनगढ़न्त बातें इस हवेली को लेकर प्रचलित थी। जितने मुँह उतनी बातें। लोग सोते तब भी हवेली के किस्से जागते।

एक बार मैंने मेरे पिता को पाट पर बैठे अन्य मित्रों के साथ हवेली के बारे में बात करते हुए सुना था। तब मैं दस वर्ष का था एवं मुझमें इतनी समझ आ चुकी थी कि मैं जान पाता कि लोग क्या कह रहे हैं।

उस दिन रात के दस बजे होंगे। मैं पिताजी के पास पाट पर अधमुंदे लेटा था। उस दिन 'मांगू' चाचा ने फिर हवेली का ज़िक्र छेड़ दिया। मांगू चाचा धंधे में असफल आदमी थे अतः अन्य महाजन उसे कम गांठते थे। उसका वास्तविक नाम तो लिखमीचंद था पर ओछी पूंजी के चलते जब-तब अन्यों से उधार मांगता रहता। इसी के चलते नाम मांगू चाचा पड़ गया। उसकी बीवी करम ठोकती रहती। सबसे उपेक्षित होने का दर्द उसे अक्सर सालता लेकिन हवेली की चर्चा कर वह सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेता।

हवेली का ज़िक्र छिड़ते ही मैंने आँखें मूंद ली। मैंने आँखें तो बंद कर ली लेकिन कान ध्यानस्थ योगियों की तरह चौकन्ने थे। मैं ध्यान से मांगू चाचा को सुन रहा था। वे पिताजी को कह रहे थे, 'बद्री! सुना है बीती रात पिशाच ने हवेली में फिर उत्पात मचाया।' मेरे पिताजी का पूरा नाम बद्रीशंकर था पर उनके हमवय मित्र उन्हें बद्री कहते थे। मांगू की बात सुनकर पिताजी सहम कर बोले, 'कल क्या हुआ मांगू? जब देखो वहाँ लफड़ा होता रहता है।' पिताजी की बात सुनकर पाट पर बैठे मोतीलाल, माणकचंद, हीराभाई, चतुर्भुज एवं अन्य महाजन चौकन्ने हो गए। इनमें से एक भी महाजन साहसी नहीं था वरन् मैं तो सफा कहूँगा कि सभी एक से बढ़कर एक बुज़दिल थे। साहसी होते तो हवेली जाकर पता नहीं कर लेते? लेकिन हवेली तक जाना तो दूर सभी मैदान तक से दूर रहते। इन सभी ने हवेली का आतंक इस कदर फैला रखा था कि मौहल्ले की औरतें अपने बच्चों तक को उस ओर नहीं भेजती थी। सांझ ढलने के पश्चात तो हवेली एवं मैदान में उल्लू बोलते।

अपनी बात कहने के पूर्व मांगू चाचा ने थोड़ा-सा झुककर अपनी धोती व्यवस्थित की एवं इस तरह देखा मानो सबसे पूछ रहा हो कि कोई डरेगा तो नहीं। यूँ रहस्यमयी आँखों से देखने से सबका कौतुक सर चढ़ बैठा एवं जब चतुर्भुज ने जोर देकर कहा कि मांगू बात पूरी कर तो मांगू बोला, 'थै सब तो जाणो इज हो कि मारो घर मैदान उँ सबा पैली आवै' यानि मेरा घर मैदान से सटकर है। कल रात जब बारिश हो रही थी तो मैं पिशाब के लिए उठा। मुझे पिशाब की बीमारी है अतः रात तीन-चार बार उठना पड़ता है।' मांगू आगे बढ़ता उसके पहले माणक बोला, 'धंधो नहीं चाले तो ऐसी बीमारियाँ लग ही जाती है।' बात में व्यवधान होते ही बाकी सभी ने माणक को घूर कर देखा तो बेचारा अपना-सा मुँह लेकर रह गया। मांगू का हौसला दूना हो गया एवं इस बार आश्वस्त होकर उसने बात आगे बढाई, 'रात जब मैं पहली बार उठा तब तेज बारिश हो रही थी। यकायक मैं चौंका। हवेली की ओर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रही थी। मैं समझ गया यह उसी पिशाच की करतूत है। मैंने धीरे से मैदान की ओर खुलने वाली खिड़की खोली तो देखकर दंग रह गया। हवेली पर बिजलियाँ कड़क रही थी एवं हवेली की छत पर एक छः फुटा आदमी पाँव पटक-पटक कर कह रहा था, सालों! हरामजादो! मेरी बीवी के गहने मुझे वापस दो। मुसीबत में दो पैसा उधार ले लिए तो क्या गहना खा जाओगे। मैं इन मिनखमार ब्याज लेने वालों की चमड़ी उधाड़ दूंगा। पिशाच इतना कहकर अट्टहास करने लगा। उसकी चमकती हुई आँखे एवं तीखे दांत देखकर मैं डर गया। माणक! मैं तुझे क्या बताऊँ उसके नाखून एक फीट लम्बे थे, पेट पर रखे तो अंतड़ियाँ बाहर आ जाय।' माणक को काटो तो खून नहीं। पिछले माह ही माणक ने मांगू को पांच रुपया सैंकड़ा पर रकम दी थी एवं वह भी गहने रखकर। परचूनियों में कौन किसका सगा है? दूसरों से धंधा नहीं मिले तब अपनो को खाते हैं। यहाँ तो रकम पहले एवं रिश्ता बाद में वाला नाता चलता है।

पिशाच का डर माणक के सर चढ़ बैठा। उसकी रूह कांप गई, डरते-डरते बोला, 'मांगू, मुझे नहीं चाहिए मेरी रकम पर ब्याज। अडाण पर रखे गहने भी ले जाना। जीऊंगो तो फेर कमा लूंगो। यो पिशाच तो प्राण पीग्यो।'

उस दिन अपनी वाणी का ऐसा प्रभाव देख मांगू के आँखों की चमक बढ़ गई। अब तक बारह बज चुके थे एवं सभी जानते थे कि यह समय बात बढ़ाने का नहीं है। सभी एक-एक कर पाट से उठे एवं अपने-अपने घरों की राह ली। रात पिताजी माँ से कह रहे थे यह पिशाच किसी ऐसे भटके हुए महाजन की आत्मा लगती है जिसे मुसीबत में अपनों ने ही मार खाया।

दूसरे दिन माँ ने अपनी सखियों को एवं मैंने मेरे बाल-मित्रों को यह बात चटकारा लेकर सुनाई। माँ ने सखियों का एवं मैंने अपने मित्रों का ध्यान उसी एकाग्रता से खींचे रखा जैसा मांगू ने पिताजी एवं अन्यों के संग किया था। कुछ समय पश्चात यह घटना भी पुरानी हुई जब मौहल्ले के एक व्यक्ति ने नयी बात कही कि यह पिशाच तो किसी चिर-कुंवारे की आत्मा है जो स्त्री-सुख के बिना ही मर गया। फिर कुछ दिन बाद किसी ने कहा कि यह ऐसे पुरुष की अतृप्त रूह है जो धन-संग्रह नहीं कर पाया। महाजनों में कहावत है कि बनिया दरिद्र मरे तो उसकी रूह चिर-काल तक भटकती है। किसी ने कहा कि यह ऐसे व्यक्ति की रूह है जिसके बच्चे नहीं हुए इसलिए मुक्ति के लिए छटपटा रहा है। एक व्यक्ति एक दिन उड़ती-उड़ती खबर लाया कि इसकी बीवी किसी अन्य से प्रेम करती थी अतः इसने आत्म-हत्या कर ली। अब वही आत्मा पिशाच बनकर भटक रही है। एक औरत जिसके कोई बच्चा नहीं था एक बार कह रही थी कि हवेली वाला पिशाच वास्तव में बाल-पिशाच है जिसकी मौत बचपन में ही हो गई। एक और व्यक्ति यह कहते सुना गया कि यह किसी ऐसे महाजन की रूह है जो अपना रुपया वसूल नहीं कर पाया। अब उसकी रूह वसूली के लिए निकलती है। महाजन मरकर भी देनदार को नहीं छोड़ते। कोई कहता यह ऐसे महाजन की रूह है जिसका सारा धन राजा हड़प गया। कोई यह कहता कि यह ऐसे आदमी की रूह है जिसने अमानत में खयानत की है। पूरा मौहल्ला इस पिशाच को लेकर जाने क्या-क्या कहता था। कुल मिलाकर मौहल्ले में जितने मकान थे उतनी ही इस पिशाच को लेकर किम्वदंतियां थी।

यह प्रकृति की अद्भुत संरचना है कि बाल-मन जितना भीरू होता है उतना जिज्ञासु भी होता है। इन सभी किम्वदंतियों ने मेरे बाल-मन में अनेक प्रश्न खड़े कर दिए। मैं रात घण्टों सोचता रहता। क्या भूत-पिशाच होते हैं? हमारे मौहल्ले का यह पिशाच कौन है? कैसा है? क्या मांगू चाचा ने सचमुच उसे देखा? क्या अन्य लोग उसके बारे में जो कुछ कहते हैं वह सच है या झूठ? माँ एव पिताजी से मैंने इस बारे में अनेक बार पूछा पर दोनों ने पल्ला झाड़ दिया। एक बार तो पिताजी झल्ला पडे, 'खबरदार! आगे से पिशाच के बारे में पूछा तो?' मैं चुप होकर रह गया।

अब मैंने उस पिशाच के बारे में जानने की ठान ली। मुझे इस पहेली का ताला खोलना ही था एवं इसकी कुंजी थी फकीर बाबा। दूसरे दिन दोपहर चार बजे के बाद, जब मौहल्ले के मरद दुकानों एवं औरतें घरों में

व्यस्त थी, मैंने माँ से आँख चुराकर कटोरदान से ढेर सारे परांठें बटोरे, एक पुरानी थैली में ठूंसे एवं दबे पाँव मैदान में घुस गया। उस दिन वातावरण में उमस थी एवं आसमान पर बादल छाये थे। मेरी जिज्ञासा ने मेरे संकल्प एवं हौसले को इतना दृढ़ कर दिया था कि मैं स्वयं को रोक नहीं पाया। मैंने जब परांठें फकीरबाबा के कांसे में रखे तो वे चौंके। उनका चौंकना वाजिब था। जिधर कोई नहीं आता उधर एक बच्चा क्यों कर चला आया? मैं फकीर बाबा के आगे ऐसे खड़ा हो गया जैसे एक शागिर्द अपने उस्ताद के आगे खड़ा होता है। मैंने जब बताया कि मैं बद्रीशंकरजी का बेटा हूँ एवं इस हवेली के पिशाच की कहानी जानने आया हूँ तो वे गंभीर हुए। मेरे माता-पिता की सज्जनता एवं उदारता का वह कायल था। माँ-पिताजी उसे समय-समय पर कपडे, कंबल, खाना देते रहते थे।

मेरा प्रश्न सुनकर वे बोले, 'जरा ठहर! कल से कुछ नहीं खाया। पेट में चूहे कूद रहे हैं। पहले खाना खा लूँ फिर तुझे इस पिशाच के बारे में बताऊँगा। मैं अकेला ही हूँ जो इस पिशाच की सच्ची कहानी जानता हूँ बाकि सब बकवास करते हैं।'

खाना खाकर उन्होंने पास पड़ी टूटी सुराही से पानी पीया एक बार पुनः मेरी ओर देखा। अपने गले में पड़ी माला पर धीरे-धीरे हाथ फरेते हुए बोले, 'यह हवेली किसी जमाने में सिंघानिया परिवार की हवेली थी। तब मैं जवान था। इस हवेली में दो भाई रहते थे। उनका एक दूसरे पर अनन्य प्रेम था। दोनों एक दूसरे पर जान देते थे। दोनों की पत्नियों में भी अटूट स्नेह था। दोनों के एक-एक पुत्र था। अच्छी समझ के चलते दोनों में प्रेम की निर्झर धारा बहती थी। यह घर स्वर्ग था। भाइयों की माँ बचपन में चल बसी थी एवं दोनों अपने पिता के प्रति उतनी ही श्रद्धा रखते थे जितना भक्त भगवान के प्रति रखता है। एक बार बड़े भाई को बुखार क्या हुआ छोटे ने तीमारदारी में दिन-रात एक कर दिए। दिन देखा न रात। प्राण नखों में समा गए। बड़ा भाई ठीक हुआ तो छोटे को गले लगा लिया। उसका कंधा थपथपाकर बोला, 'तेरे जैसे भाई भाग्य से मिलते हैं।'

दोनों भाइयों का कारोबार बहुत अच्छा तो नहीं पर इतना भर चल जाता था कि उनके परिवार सुख से पल सके। दोनों भाई मेहनतकश थे एवं उनका शरीर सौष्ठव भी दर्शनीय था। ऐसे ही प्रेमपूर्ण वातावरण में रहते कुछ वर्ष बीत गए। इसी दरम्यान उनके पिता का स्वर्गवास हुआ एवं इस बात को भी कुछ माह बीत गए।

'बाबा! मैं पिशाच की कहानी सुनने आया हूँ, दोनों भाइयों की नहीं।' मेरा जिज्ञासु मन अन्य कुछ भी सुनने को तैयार नहीं था।

'बताता हूँ! बताता हूँ!' इस बार उन्होंने अपनी छाती पर हाथ रखा जिसके नीचे वे दसों पैबंद लगा गहरे काले रंग का चोला पहने थे।

अपनी बात बढ़ाते हुए बाबा बोले, 'कहते हैं इस हवेली के ऊपर वाले कमरे में एक पिशाच रहता था। इसी के चलते घर के बड़े-बुजुर्ग कहते आये थे कि छत वाले कमरे में जाना मना है एवं इसी पुश्तैनी आज्ञा के चलते छत पर कोई नहीं जाता था। पिता की मृत्यु के पश्चात दोनों भाइयों को जाने क्या जंची कि दोनों छत पर गए, साहस कर दरवाजा खोला एवं देखकर हैरान रह गए कि वहाँ कोने में लकड़ी की एक पेटी रखी है जिस पर लोहे का पुराना ताला जड़ा था। बड़े भाई ने कमरे में इधर-उधर देखा तो कमरे के दांये कोने में आले के भीतर एक लंबी चाबी दिखी। यह चाबी इसी ताले की थी। ताला खुला तो पेटी में रखा माल देखकर दोनों भाई दंग रह गए। खरे सोने की पच्चास ईंटे!!! दोनों की आँखे फटी रह गई।

दोनों बाहर आए एवं गुपचुप मंत्रणा कर तय किया कि यह बात गोपनीय रखी जाय। खबर राजा तक पहुँच गई तो राजा धन हड़प सकता है अतः उचित होगा कि वे औरतों को कुछ न कहें एवं चुपचाप देशाटन पर निकल जाए। बाहर से इन स्वर्णईंटों के बदले मुद्राएं लाकर लोगों को कह देंगे कि वे कमाकर लाए हैं। दोनों भाई देशाटन पर ऊँटों से निकले एवं नगर आते ही अपनी योजना को अंजाम देने हेतु वहाँ एक धर्मशाला में जाकर रुक गए। धर्मशाला में उन्होंने झूठे नामों से प्रविष्टि दर्ज करवाई ताकि भविष्य में यह पता न चल सके कि यहाँ कौन आया था।

दूसरे दिन दोनों भाइयों में तय हुआ कि बड़ा स्वर्णईंटों को लेकर बाजार जाये एवं छोटा धर्मशाला में ही रुके ताकि कोई विपत्ति आन पड़े तो वह संभाल सके। योजनानुसार बड़े भाई ने बाजार जाकर स्वर्णईंटों के बदले सहस्त्रों मुद्राएं प्राप्त कर ली। प्रसन्न मन वह लौट ही रहा था कि उसके दिमाग में एक अजीब फितूर चढ़ बैठा। क्या ही अच्छा हो कि यह सभी मुद्राएं मेरी हो जाय? छोटा मुझ पर बेहद विश्वास करता है लेकिन इसके लिए उसे रास्ते से हटाना होगा। इस कुत्सित भाव के आते ही उसने रुककर बाजार से एक कटार खरीदी एवं मन ही मन यह सोचते हुए धर्मशाला की ओर बढ़ा कि छोटे को मारकर पिछवाडे नाले में डाल दूंगा। किसे पता चलेगा कि यह कार्य मैंने किया है? इस तरह यह सारी मुद्राएं मेरी हो जायेंगी।

इधर छोटे भाई ने भोजन करने के पश्चात बड़े के लिए खाना एक ओर रक्खा तो उसके मन में भी विचारों का ऐसा ही खमीर उठा। उसने भी वही सोचा जो बड़े भाई ने सोचा कि एक को रास्ते से हटाकर सारे माल को हड़प लिया जाय। वह बाजार गया एवं वहाँ से जहर लाकर बचे खाने में मिला दिया। सोचा, बड़े भाई खाना खाते ही लुढ़क जाएंगे एवं मैं सब कुछ लेकर चंपत हो जाऊंगा।

बड़ा भाई धर्मशाला पहुँचा, कमरे में आकर दरवाजा बंद किया एवं इसके पहले कि छोटा कुछ कहता उसने कटार सीने में घोंप दी। छोटा खून से नहा गया। वह चिल्लाता उसके पहले उसका मुंह कपड़े से बंद कर दिया। इस दुष्कृत्य को अंजाम देने के पश्चात उसने वहीं रखा भोजन देखा तो सोचा जाने से पहले क्यों न खाना खा लिया जाय। भरे पेट यात्रा सुगम होगी। खाना खाकर बड़ा भी वहीं ढेर हो गया। नगर के सैनिकों ने लावारिस लाशों को ठिकाने लगाया एवं मुद्राओं का वारिस न देख सारी संपति राजकोष में जमा कर दी।

दोनों भाई कई दिनों तक नहीं आए तो एक की पत्नी पागल हो गई एवं दूसरी इसी गम में काल कवलित हो गई। बाद में न जाने एक अबूझ महामारी में पागल पत्नी एवं दोनों बच्चों का निधन हो गया। एक अच्छा, सुखी घर कब्र में तब्दील हो गया।

'आपने अभी तक पिशाच की बात बताई नहीं बाबा! हवेली के ऊपर छत वाले कमरे में कौन पिशाच था?' मैं अधीर हुआ जा रहा था।

'तुम अब भी नहीं समझे। 'माया' एवं माया का 'लोभ' पिशाच ही तो है पुत्र! यह जिन घरों में रहता है वहाँ हरे-भरे गुलशन को तब्दील कर मरघट बना देता है। कभी यह छुपी माया के रूप में दृष्टिगत होता है तो कभी अन्य वीभत्स रूपों में। नफाखोरी, रिश्वतखोरी, दहेज, अमानत में खयानत उसी के रूप हैं। इन्हीं में से किसी एक रूप में यह अच्छे घरों में सेंध लगाता है एवं वहाँ सर्वस्व नष्ट कर अन्यत्र प्रयाण कर जाता है। पुत्र! इस हवेली में तो मैंने पिशाच कभी नहीं देखा। रात चढ़ते मैं नित्य इसी के भीतर जाकर विश्राम करता हूँ।' कहते-कहते बाबा के चेहरे पर सूफियों से भाव उतर आये।

सांझ गहराने लगी थी। हवेली के पास खडे पीपल के पेड़ पर बैठे पक्षियों का शोर भी थम चुका था। इतने महान दर्शन से सराबोर करने के लिए मैंने बाबा के चरण छुए एवं चुपचाप घर लौट आया।

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

तुलसी को हमारी संस्कृति में अत्यंत पवित्र व महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। कहा जाता है कि तुलसी जीवित को भी तारती है और मरने के बाद भी। इसमें साक्षात् भगवान नारायण का वास माना जाता है। इसकी पवित्रता का अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि दीपावली पर्व के अंतिम दिवस एकादशी पर तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है। आइये जानें आखिर क्यों इतनी पवित्र मानी जाती है तुलसी?

क्यों तारणहार है तुलसी

तुलसी का अत्यधिक औषधीय महत्व है। इसकी तीव्र सुगंध तथा तीक्ष्ण स्वाद इसे जीवनदायी संजीवनी बना देते हैं। इस पौधे का सत कई प्रकार की व्याधियों जैसे खाँसी, सर्दी, पेट की बीमारियाँ, हृदय रोग, ज्वर, मलेरिया आदि के निवारण के काम आता है। कपूर, तुलसी का सत अधिकतर औषधीय प्रयोग में आता है जबकि आज इससे प्रसाधन सामग्री बनाई जा रही है। तुलसी का पौधा पर्यावरण को प्रदुषण से बचाता है तथा मच्छरों व अन्य हानिकारक कीटों से बचाव भी करता है। मलेरिया के ज्वर में तुलसी एक प्राण रक्षक औषधि का कार्य करती है। हिंदुओं में क्रियाकर्म से पूर्व शरीर को तुलसीजल में स्नान कराया जाता है व मरने वाले की जिह्वा व छाती पर तुलसी पत्र रखा जाता है।

भोजन का भी अभिन्न अंग

टमाटर के साथ तुलसी का स्वाद अद्वितीय है। यह प्याज, लहसुन के साथ भी भरपूर स्वाद देती है। यह भूख को बढ़ाती है। तुलसी की चाय अत्यंत स्वादिष्ट व कई व्याधियों का निदान होती है। पौधे का प्रमुख भाग उसकी पत्तियाँ हैं। छोटे तने तो ठीक है पर मोटे और पुराने तने कड़वे होने के कारण खाए नहीं जा सकते। इसके पीले-सफेद रंग के पुष्प खाने के योग्य होते हैं। खाना पकाने के अंत में तुलसी पत्र मिलाने से खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है जबकि इसे पकाने से इसके तेल नष्ट हो जाते हैं। लहसुन व जैतून के तेल के साथ पीसने पर तुलसी पिस्तों बनाने की एक महत्वपूर्ण सामग्री बन जाती है। पेस्तों और पिस्तों नामक इटली के पकवान तुलसी के बिना अधूरे हैं।

▸▸ **औपचारिक गुण -** तुलसी के कई औषधीय उपयोग हैं। इसकी पत्तियाँ याददाश्त को तीव्र बनाती हैं।

▸▸ **ज्वर एवं सर्दी -** कई प्रकार के ज्वरों के लिए तुलसी की पत्तियाँ रामबाण औषधि का काम करती हैं। वर्षा ऋतु में जब मलेरिया और डेंगू ज्वर का खतरा बढ़ जाता है, तुलसी की दो पत्तियों को पिसी इलायची तथा शक्कर एवं दूध के साथ आधा लीटर पानी उबालकर बना हुआ काढ़ा एक त्वरित उपचार है। तुलसी का सत् ज्वर का निदान करता है। ज्वर उतारने के लिए तुलसी पत्र का ताजे पानी में बना सत हर 2-3 घंटे में देना चाहिए तथा बीच-बीच में ठंडा पानी देते रहना चाहिए।

▸▸ **खाँसी -** कई प्रमुख खाँसी की दवाओं की मुख्य उत्पाद तुलसी होती है। ब्रॉन्काइटिस और अस्थमा में ये कफ को ढीला करती है। तुलसी पत्र चबाने से खाँसी-सर्दी में आराम मिलता है।

▸▸ **गले में खराश -** गले में खराश से आराम पाने के लिए तुलसी पत्र को पानी में उबालकर पीना चाहिए तथा इससे गरारे करना चाहिए।

▸▸ **श्वास संबंधी बीमारियाँ -** शहद और अदरक के साथ तुलसी का काढ़ा ब्रॉन्काइटिस, अस्थमा, फ्लू, सर्दी व खाँसी के लिए एक रामबाण औषधि है। इन्फलुएन्जा से बचाव के लिए तुलसी, लौंग और नमक का काढ़ा पीना चाहिए। काढ़ा बनाने के लिए पानी को उबालकर आधा करना चाहिए।

▸▸ **किडनी की पथरी -** छह महीने तक लगातार शहद के साथ तुलसी पत्र लेने पर पथरी की शिकायत जड़ से निकल जाती है।

▸▸ **हृदय रोग -** रक्त में कोलेस्ट्रॉल का दबाव कम कर तुलसी हृदय रोग तथा कमजोरी से राहत देती है।

▸▸ **बच्चों की व्याधियों -** तुलसी सत से बच्चों की सामान्य बीमारियाँ जैसे-खाँसी, सर्दी, दस्त-उल्टी, ज्वर से राहत मिलती है। यह छोटी माता, बड़ी माता में भी राहत देती है।

▸▸ **तनाव -** तनाव से बचाव के लिए एक स्वस्थ आदमी को भी 10-12 तुलसी पत्र दिन में दो बार खाने चाहिए।

▸▸ **मुँह की बीमारियाँ -** तुलसी पत्र को चबाने से मुँह की बीमारियाँ भी दूर होती हैं और अल्सर भी।

▸▸ **कीड़ों का दंश -** कीट दंश के लिए भी तुलसी लाभकारी है। जोंक व अन्य कीटों के दंश से बचाव के लिए तुलसी पत्र के ताजे रस को शरीर के प्रभावित अंग पर मलना चाहिए और इसका सेवन भी करना चाहिए।

▸▸ **त्वचा रोग -** त्वचा रोग जैसे दाद, खाज, खुजली आदि के उपचार के लिए भी तुलसी उपयोगी है।

▸▸ **दाँत की बीमारी -** इसकी सूखी पत्तियों से दाँत माँजना चाहिए। दाँतों की सुरक्षा के लिए तुलसी व हल्दी का मलहम उपयोगी है।

▸▸ **सिरदर्द -** तुलसी तीव्र सिरदर्द में भी दवा का काम करती है। यह सिर व शरीर को ठंडक प्रदान करती है।

▸▸ **नेत्र रोग -** रतौंधी व आँखों में जलन का उपचार तुलसी के सतकारा से हो सकता है। रात में सोने के पहले श्याम तुलसी के रस की दो बूँद आँखों में डालनी चाहिए।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

यह मुद्रा सूर्य के गुणों का हमारे शरीर में विस्तार करती है तथा पृथ्वी तत्व की अधिकता को कम करती है। यही कारण है कि इसे करने से ठंड में भी गर्मी का एहसास होता है।

ठंड में गर्मी का अहसास कराती है

सूर्य मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

कैसे करें : यह मुद्रा अनामिका (RING FINGER) के शीर्ष को अगूंठे के आधार पर लगाने से तथा अंगूठे को अनामिका के ऊपर रखकर हल्का दबाने से बनती है। शेष तीनों उंगुलियां सीधी रखें।

लाभ-

- जैसे कि इस मुद्रा का नाम है, यह हमें सूर्य की गर्मी प्रदान करती है। ऊर्जा प्रदान करती है। हमें चुस्त बनाती है।
- जो सर्दी से परेशान रहते हैं, जिन्हें सर्दी बहुत लगती है, जिनके हाथ पैर ठण्डे रहते हैं, उन्हें इस मुद्रा से लाभ होगा।
- सूर्य मुद्रा से शरीर का मोटापा, थुलथुलापन, भारीपन, स्थूलता समाप्त होती है। वजन कम होता है। मोटापे को कम करने के लिए दिन में दो-तीन बार 15-15 मिनट इस मुद्रा का अभ्यास करें।
- मधुमेह के रोगियों के लिए यह बहुत यह लाभकारी है। यह मुद्रा बढ़ी हुई शर्करा को जला देती है।
- सूर्य मुद्रा से अग्नि तत्व बढ़ता है, शरीर में गर्मी पैदा होती है। इससे कफ, प्लूरेसी (Pleurisy), दमा, अस्थमा, सर्दी, जुकाम, निमोनिया, टी.बी., सायनस के रोग दूर होते हैं। सूर्य मुद्रा लगाने से 5-10 मिनट में ही सूर्य स्वर (दाई नासिका) चालू हो जाता है। इसलिए ठंड के सभी रोगों में लाभदायक है।
- इस मुद्रा द्वारा अनामिका उंगुली से हथेली में स्थित थायरायड ग्रन्थि के केन्द्र बिन्दु पर दबाव पड़ने से थायरायड के रोग दूर होते हैं। थायरायड ग्रन्थि के कम स्राव (Hypothyroid) के कारण होने वाले सभी रोग जैसे मोटापा इत्यादि भी दूर होते हैं।
- सूर्य मुद्रा से नेत्र ज्योति बढ़ती है और मोतियाबिन्द (Cataract) में भी लाभ मिलता है।
- इससे कोलेस्ट्रोल कम होता है, जब मोटापा कम होता है, वजन कम होता है, शरीर की चयापचय क्रिया (Body's metabolic rate) ठीक होती है। तो कोलेस्ट्रोल नियंत्रण में आ जाता है।
- तीव्र सिर दर्द में इस मुद्रा से तुरन्त आराम मिलता है। सूर्य मुद्रा मानसिक तनाव दूर करती है।
- रक्त में यूरिया पर नियंत्रण होता है। यकृत (Liver) के रोग दूर होते हैं।

सावधानी -

इस मुद्रा को सामान्यता केवल 15 मिनट तक ही करें। इसे चलते फिरते न करें। सामान्यतः गर्मी के मौसम में इसे ज्यादा देर तक न करें। दुर्बल कमजोर व्यक्ति यह मुद्रा न करें। उच्च रक्तचाप वाले भी इसे कम ही करें। परन्तु निम्न रक्तचाप में बहुत लाभदायक है।

॥ दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

नवीन प्रतिष्ठान

KAMAL
SOODS PVT. LTD.
(SUGAR MILL)

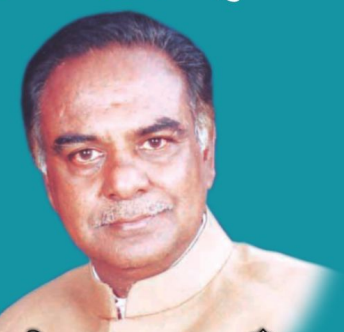

दामोदरदास मूँदड़ा
पूर्व अर्थमन्त्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

KAMAL
MICRO REFINED
RICE BRAND OIL
Available in 15 Ltrs., 15 Kgs.
& 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

Regd. Office : "Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works : G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

गर्व की बात है कि पिछले एक दशक से मृत्यु के पश्चात अपनी देह का दान करने में लोगों की रुचि बढ़ रही है। मृत्यु के बाद हमारा नश्वर शरीर किसी ना किसी रुप में काम आएगा, ऐसी निःस्वार्थ सोच ने देहदान करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी की है। साथ ही यह विचार भी आता है कि क्या हमारे इस मृत शरीर का उपयोग अच्छे कार्य के लिए किया जाएगा? अगर मृत्युपरांत इस नश्वर शरीर को अग्नि के सुपुर्द नहीं किया गया तो हम मोक्ष के भागी होंगे भी या नहीं? क्या हमारे हिन्दू-धर्म में देहदान करना मान्य है? अंतिम-क्रिया किये बिना मृतक के मृत्युपरांत कर्मकांड किस प्रकार संपन्न होंगे? कहीं हम देखा-देखी तो देहदान का संकल्प नहीं ले रहे हैं? ऐसे बहुत सारे प्रश्न हैं जिनके उत्तर हमारे मन में उमड़ते रहते हैं। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि हम चिन्तन करें, समाज ही नहीं बल्कि मानवता के कल्याण से जुड़े इस विशिष्ट विषय पर आपसे आपके तथ्यपूर्ण विचार आमंत्रित हैं। आपके विचार इस दिशा में आमजन को मार्गदर्शित करेंगे। मृत्युपरांत देहदान करना उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

देहदान करना कितना
उचित अथवा अनुचित?

जरूरत पर अंगदान उचित

स्वेच्छा से मृत्युपरांत अपनी देह का दान करना कानूनन मान्य है और एक नेक कार्य भी है पर हमारी मृतदेह का उचित उपयोग होगा भी या नहीं; इस बात पर मन आशंकित रहता है। सत्तर प्रतिशत लोगों का धर्म और ईमान सिर्फ और सिर्फ पैसा ही है। बेहतर होगा कि मृतक की मृत्युपरांत उसके सगे-संबंधी तुरंत ही निकटतम अंग-प्रत्यारोपण अस्पताल से संपर्क करे और वहां की आवश्यकतानुसार मृतक के अंग अथवा सम्पूर्ण देह का दान कर दे क्यूंकि एक निश्चित समय के बाद मृतदेह के अंग उपयोग में लेने के योग्य नहीं रहते हैं। बिना जरूरत के देहदान कर इतिश्री ना करें, देखा गया है कि ऐसे में उस मृतदेह की बड़ी दुर्गति होती है। मेडिकल कॉलेज में छात्रों को प्रेक्टिकल के लिए मृतदेह की आवश्यकता नहीं होती है। उनको अनगिनत लावारिस शव प्राप्त हो जाते हैं, वहां भी जब आवश्यकता से अधिक शव पहुंच जाते है तो आप समझ सकते हैं कि उनका क्या होता होगा? किसी नामचीन और कानूनन मान्यता प्राप्त संस्था के सहयोग से ही इस कार्य को पूरा करें वरना बिचौलिये अपनी झोली फैलाये मृत अंगों की तस्करी करने से भी नहीं चूकते। हिंदू तो देहदान को महादान मानते हैं पर बिना जरूरत के अंगदान या देहदान करना पुण्य का भागी नहीं बनाता। साथ ही इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि सनातन धर्म में अंत्येष्टि का विशेष महत्व है; अन्यथा मोक्ष प्राप्ति नहीं होती है। इसलिए अगर किसी को आवश्यकता हो तो अंगदान अवश्य करें पर देहदान करके मानव जीवन की अंतिम विधि 'अंत्येष्टि' को अधूरा ना छोड़ें।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव (नाशिक)

धर्म के अनुकूल है देहदान

हिन्दू संस्कृति के अनुसार आत्मा अजर अमर है और शरीर नश्वर। ऐसी दशा में देहदान में उचित या अनुचित देखना बेमानी हैं। नश्वर चीज़ों से कैसा मोह और वह भी तब जब आत्मा घर छोड़ चुकी हो। भारतीय संस्कृति है राजा शिबि की जिसने एक कबूतर को बचाने के लिए अपने मांस का दान कर दिया था। ऋषि दधीचि ने मानवमात्र के कल्याण के लिए अपने अस्थि पिंजर का दान कर दिया था और प्राण त्याग दिए। ऐसी परम्पराओं के रहते यह चर्चा ही बेमानी है। जब इन्द्र को वृत्रासुर का वध करने के लिये सबसे सुधड़ अस्थियों की आवश्यकता थी तो महर्षि दधीची जी ने अपने शरीर का दान दिया, उनके अस्थियों से ही तो इन्द्रदेव के अस्त्र 'वज्रा' का निर्माण हुआ है। किसी के भले के लिये अपने शरीर का दान पूर्णतया सनातन धर्म के अनुकूल है। हिन्दूशास्त्रों की सीख है कि 'मानवसेवा ही महादेवस्य सेवा...', 'मानव की सेवा ही देवों के देव भगवान महादेव की सेवा है।'

❐ **कुसुम कुईया,** ग्वालियर

दान किसी भी रूप में हो सर्वोत्तम

देहदान करने से जरूरतमंद को अंग मिल सकता है, विद्यार्थी को सीखने के लिए देह मिल जाएगी। छात्र जितना अभ्यास करेंगे, उतने अच्छे डॉक्टर हमे मिलेंगे। शास्त्रों की मानें तो कहते हैं मृत्यु के पश्चात क्रियाकर्म होना जरूरी है, वरना मोक्ष नहीं मिलता है। लेकिन मृत्यु के बाद सिर्फ शरीर ही रहता है, आत्मा तो प्रभु में विलीन हो जाती है और उस शरीर की जल्द से जल्द क्रिया करना चाहते है। वहीं दूसरी ओर देह को दान कर दें तो कितनों का भला होगा। किसी अंगविहीन को अंग मिल जाएगा। चिकित्सकों के लिए नश्वर शरीर भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। हमारी संस्कृत हमें देना सिखाती है। मृत्यु से पहले भी और मृत्यु के बाद भी। मृत्यु के पश्चात का दान यानी देहदान ही अंतिम दान होगा। जिसके लिए हमें कानूनी रूप से पहले से ही सारी फार्मेलिटी पूरी कर देनी चाहिए। ताकि किसी गलत हाथों में मृत शरीर ना पडें। सर्वथा ही उचित है देहदान की प्रकिया।

❐ **नीरा मल्ल,** पुरुलिया (प.बं.)

हर किसी को अच्छा समझना छोड़ दो क्योंकि अंदर से लोग वह नहीं होते जो ऊपर से दिखाई देते हैं।

हमारे पश्चात् भी हमारी उपस्थिति

हमारे धर्म मे पुनर्जन्म की संकल्पना है और हम सभी पुनर्जन्म मे विश्वास करते है। आदमी इस जन्म में जितना करना चाहता है या जितना देखना-सुनना चाहता है जरूरी नहीं कि उसकी सभी इच्छाएँ पूर्ण हों। कई बार इंसान अपनी अधूरी इच्छाएँ छोड़कर इस दुनिया से विदाई ले लेता है। तब अगर उस इंसान के शरीर के कुछ अंग किसी जरूरत मंद को मिल जाये और वह जरूरतमंद इंसान अपने जीवन को सुखी कर सके तो मृत व्यक्ति के लिए इससे बढ़कर कुछ भी नही होगा। भगवान के दिये इतने मूल्यवान अंग हम जीते जी तो दान नही कर सकते मगर हमारे जाने के बाद अगर हमारे अंग किसी के काम आ जायें तो देह दान करना गलत नही है। हमारे जाने के बाद हमारी आँख या हमारा कोई भी अंग हमारे पश्चात भी दुनिया देख रहा है तो जरूर देह दान करना उचित ही है।

❐ **सपना सारडा,** सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

पूरा परिवार भी माने इसे उचित

सनातन धर्म अनूठा है। वेदों पूराणों से लेकर महान संतो, विद्वानों की मुखवाणी से हमने जन्म से लेकर मृत्यु तक हर बात का संस्कृति संस्कारो के साथ क्या महत्व है, इस बात को बखूबी समझा है। हमारे पूर्वजों को इन सब बातों का अनुसरण करते हुए देखकर, हम भी उन संस्कारों को जीवित रखकर. उसे निभाने का शिद्दत से जतन कर रहे हैं। शरीर के हर अंग का महत्व सायन्स टेक्नोलॉजी के साथ आम इंसान भी को बखूबी समझता हैं। इसमें दो राय नहीं, बदलते दौर में देहदान का प्रचार प्रसार न ही हुआ बल्कि उसे कई लोग असली जामा भी पहना रहे हैं, जो स्वागत योग्य है। पर यह बात भी उतनी ही सच है कि हमारे जीवन में पितरों का स्थान ईश्वर तुल्य ही है। मरने के पश्चात विधि विधान से हर प्रकिया को करने से ही हमें असीम शांति का अनुभव होता है यह सर्वविदित है। साथ ही साथ हिंदू धर्म की रीति रिवाजों पर हमें अभिमान हैं। यदि घर परिवार में कुछ अनिष्ट हो जाए तो हमारे मन में कई शंकाए, घर कर लेती हैं, और हम लोग विद्वान पंडित की शरण में जाकर इसका समाधान ढूंढते हैं। मेरा मानना है देहदान करनेवाले के साथ उसके परिवार वाले भी इस बात पर दृढ़ निश्चय कर लें कि देहदान के बाद घर परिवार में गलती से कुछ अनिष्ट हो तो वे अपने दिवगंत परिजन को दोष नहीं देंगे। यह कभी ख्याल में नहीं लाएंगे कहीं ये देहदान के वजह से तो नहीं हो रहा?

❐ **सतीश लाखोटिया,** नागपुर महाराष्ट्र

देहदान नहीं होगा तो ईलाज कैसे होगा

देहदान तो सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। एक बार तो देव-दानव युद्ध में महर्षि दधीचि ने सत्य की विजय सुनिश्चित करने हेतु अपनी काया को समर्पित कर दिया था क्योंकि अत्यधिक तपश्चर्या से उनकी हड्डियाँ वज्र समान हो गई थी। यह देहदान तो जीवित अवस्था में किया गया था। विज्ञान अभी तक इतना विकसित नहीं हुआ है कि वह प्राणी के समस्त अंगों को कृत्रिम बना सके। आज भी रक्तदान से ही मृतप्राय रोगी को जीवन मिलता है। इसी तरह जागरूक नागरिक जानता है कि मेडिकल छात्र बिना चीर-फाड़ के विभिन्न अंगों की प्रक्रिया नहीं समझ सकता। अतः यदि मैं मृत्यु उपरांत देहदान की घोषणा कर परिवार को समझा दूंगा तो कम से कम 100 विद्यार्थी शल्य क्रिया की पद्धति सीख पाएंगे और ये 100 डॉक्टर बनकर हजारों का जीवन बचा पाएंगे। भला इससे बड़ा पुण्य और क्या होगा? दाह-संस्कार या दफनाना - ये अंतिम विधियाँ हैं। बहुत से पंथ देहदान का विरोध करते दिखते हैं, परन्तु ये भूल जाते हैं कि हमारे बीमार बंधु का ईलाज कैसे सम्भव हो पाता है? अतः देहदान सर्वोत्तम दान है। झिझक मिटाइए।

❐ **जुगलकिशोर सोमाणी,** जयपुर

देहदान करना उचित भी है और अनुचित भी

देहदान उचित इसलिए है कि हमारे देह दान करने से किसी एक आदमी को हम जीवन में खड़ा कर सकते हैं, उसको व उसके परिवार को खुशियां दे सकते हैं। हमें तो जाना ही रहेगा और जाने के बाद जला के राख कर देंगे लेकिन सोचना होगा कि मेरे द्वारा यदि किसी का परोपकार हो तो मुझे तो बहुत खुशियां मिलेगी। अपने लिए तो मै जी लिया अब यदि मेरी ही देह द्वारा यदि किसी को खुशी मिले तो इसमें हर्ज ही क्या है? मैं खुशी-खुशी उसे अपना देह दान देना चाहती हूं इन खुशी के पलों को देख कर आगे भी कोई हिम्मत कर दूसरों का जीवन खुशियाँ से भर दे, इससे ज्यादा शान्ति और हो ही नही सकती। लेकिन इसके साथ ही देह दान करना अनुचित भी है। हां यदि हम देह दान करेंगे तो हमें पता नहीं है कि हमारा दिया हुआ देहदान से अंगदान किसी को समय पर व बिना पैसे गरीब को मिल जाएगा। यदि पैसा इकट्ठा कर बड़े लोग अपने पास रख लेते हैं तो यह कदापि सही नहीं है, अनुचित है। देहदान करने वाले व्यक्ति पहले एक संस्था का नाम सुनकर जो सही है वहां देह दान करें, अन्यथा हर कहीं करने से इसका औचित्यपूर्ण नहीं होता।

❐ **भगवती बिहानी,** नाजिरा (आसाम)

सर्वथा उचित नहीं है देहदान

हमारे सनातन धर्म में देहदान को कहीं भी उचित नहीं बताया गया है। महर्षि दधीचि का अपवाद अगर छोड़ दिया जाए (जो कि एक विशेष परिस्थिति में किया गया था) तो कहीं भी देहदान उचित होने का उल्लेख नहीं है। आज के युग में देखा-देखी या यूँ कहे कि मरणोपरांत पुण्य मिलेगा; एक सोच बन गई है। जरूरी नहीं है कि आपका अंग किसी भद्रजन को ही मिलेगा, हो सकता है किसी भ्रष्टजन को मिले। अगर ऐसा कुछ हुआ तो आपके दान का दुरुपयोग ही होगा और उन पापों का घड़ा आपके सिर फूटेगा। यानि जो पाप आपने नहीं किया उसके जिम्मेदार भी आप होंगे। हमें यह ज्ञात होना चाहिए कि किसी के अंग की क्षति होती है तो विधाता की मर्जी के कारण होती है; यानी अंग की क्षति उस व्यक्ति को ईश्वर से प्राप्त एक सजा होती है। ऐसे में आप किसी को अंगों की मदद करके निसर्ग के विरुद्ध जाने का कार्य तो नही कर रहे? हम अगर धर्म के बात करे तो क्यों 16 संस्कारों में अंत्येष्ठि को जोड़ा गया है? इसमें देहदान को भी तो जोड़ा जा सकता था। एक बात व्यवहारिक अंदाज में कहना चाहूंगा कि आप दान की मानसिकता से यह संकल्प कर रहे हो परंतु क्या गारंटी है कि उसका व्यापार नही होगा? आजकल जिस अंदाज में मेडिकल की दुनिया चल रही है। ये कैसे मुमकिन नहीं है कि आपके द्वारा दिए गए अवयव का कही कोई आर्थिक लेनदेन नहीं होगा?

❐ **राजकुमार मूंधड़,** मालेगांव

खुश रहें - खुश रखें

संतोष को धर्म मानकर जीवन में उतरिए...

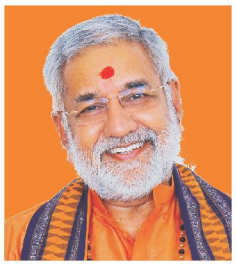

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

'खाली हाथ आए थे, खाली हाथ जाएंगे..।' इस आदर्श वाक्य का अर्थ यह नहीं है कि संसार में आकर कुछ कमाई न करें। इसके पीछे संदेश है संतोष की वृत्ति भी रखिए। संतोष को भी धन माना जाए।

हम मनुष्यों का स्वभाव होता है संग्रह करना। जिंदगी में सब कुछ इकट्ठा कर लें। आज की जीवनशैली से मानव स्वभाव की एक ऐसी वृत्ति जाग गई जिसे कहते हैं संग्रह की वृत्ति। यह वृत्ति लोभ और भय दोनों से पैदा होती है। लोभी तो संग्रह करता ही है, पर कभी-कभी 'कल पता नहीं क्या हो...' के भय के कारण भी संग्रह करना पड़ता है। इस भय ने सबके मन में यह बात जगा दी कि कितना अधिक से अधिक संग्रह कर लें। एक हड़बड़ाहट - सी शुरू हो गई और इस हड़बड़ाहट ने संग्रह की वृत्ति को और बल दे दिया।

संग्रह की वृत्ति बुरी नहीं है, पर यदि यह लोभ और भय से संचालित है तो परिणाम अच्छे नहीं देगी। संग्रह जरूरी है, लेकिन इतना कि जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी होतीत रहें। बात गहरी है। तो आइए, इस गहराई को नापने, इसकी थाह पाने के लिए एक कथा में प्रवेश करते हैं...।

एक मुनि थे। बड़े तपस्वी, निरहंकारी, निराकांक्षी। लोभी ने तो मानो उन्हें कभी छुआ भी नहीं। बीच जंगल में उनका आश्रम था और दूर - दूर से शिष्य उनके यहां पढ़ने आते थे।

गुरुकुल में एक व्यवस्था सिखाई जाती थी कि जितना आवश्यक हो, उतनी ही वस्तुओं का उपयोग किया जाए। खास तौर पर विद्यार्थी जीवन में तो त्याग, तपस्याएं वैराग्य इनके अर्थ नए-नए ढंग से समझाए जाते थे। उस आश्रम में सामान्य दिनचर्या की व्यवस्थाएं तो थीं, पर बहुत सुविधाएं नहीं थीं, क्योंकि ऋषि-मुनियों का मानना है बिना बहुत अधिक सुविधाओं के भी व्यक्तित्व तराशा जा सकता है। बस, दो वक्त के भोजन आदि की सामान्य व्यवस्था हो जाए और ज्ञान प्राप्त करते रहो।

एक बार एक राजा आखेट के लिए उस जंगल में गया। उसने वह आश्रम और मुनि की कुटिया भी देखी जो बड़ी अद्भुत थी। आश्रम के कारण उस जंगल का सारा वातावरण तपोवन बन चुका था। राजा ने विचार किया अपना परिचय दिए बिना देखूं ये ऋषि अपने शिष्यों को कैसे पढ़ाते हैं? थोड़ा-सा छुपकर उनकी कक्षा को देखने लगा।

मुनि अपने शिष्यों को समझा रहे थे इन्सान कितना ही योग्य हो, जब अपनी योग्यता से कुछ प्राप्त कर लेता है और यदि उसकी सीमाएं नहीं बांधता तो फिर वह अशांत-परेशान हो जाएगा। इसलिए जीवन में संतोष को धर्म मानकर उतरिए। 'संतोष को धर्म मानिए' ऋषि के मुंह से यह बात सुनकर राजा चौंक गया।

जब कक्षा समाप्त हुई तो उसने अपना परिचय यह नहीं दिया कि मैं राजा हूं। बस, बोला- मैं एक यात्री हूं जो यहां से गुजर रहा था और आपको देखा तो प्रणाम करने की इच्छा जाग गई। क्या मैं आकपे इस आश्रम का अवलोकन कर सकता हूँ? उन मुनि ने कहा...भाई, यह आश्रम तो सभी का है। आप आराम से घूमकर देख लीजिए।

राजा ने भीतर जाकर देखा एक छोटी-सी झोपड़ी थी, जिसमें कुछ सामान रखा था। बाकी कोई सुविधा नहीं थी। घास-फूस से झोपड़ी इतनी ढंगदी गई थी कि धूप-बारिश से रक्षा हो जाए। जमीन पर सोने के लिए दरियां थीं, भोजन बनाने के सीमित साधन थे। जल के लिए पास ही एक कुंड था जिसमें से सीधे भरकर पी लिया जाता था। मतलब पानी के संग्रहण की भी व्यवस्था नहीं थी।

राजा सोचता रहा। फिर अपना वास्तविक परिचय देते हुए बोला- मैं राजा हूं और आपको कुछ सुविधाएं देना चाहता हूं। आप जैसा विद्वान व्यक्ति और गुजारे के लिए यह टूटी-फूटी कुटिया! आप कहें तो कुछ धन की व्यवस्था कर अच्छा-सा आश्रम बनवा दूं, ताकि आपका जीवन भी सुख-सुविधाओं में बीत सके।

राजा ने कहा- मैं एक ऋषि हूं और यहां अपने शिष्यों को तप व वैराग्य की शिक्षा दे रहा हूँ। आप राजा हैं, आपके पास खूब धन होगा, पर मेरे पास आपसे भी बड़ा एक धन है- संतोष का धन। इस समय जब अप मुझसे बात कर रहे हैं तो आपने मेरा एक धन रोक लिया। सूरज की जो किरणें मेरे ऊपर आ रही थीं, आपने उन्हें भी रोक दिया है। कृपा करके थोड़ा हट जाइए। इस प्रकृति से मुझे जो मिला है और लगातार मिल रहा है, उस दौलत को तो आने दीजिए..। राजा मुनि का इशारा समझ गया और यह बात सीखकर, उसे हृदय में उतारकर कि 'संतोष हमें परेशानी से, भय से, अशांति से बचाएगा। संतोषी का धन समाजसेवा में गंगाजल की तरह हो जाता है...।

अभी दिवाली का फरियाल बहुत खा लिया है तो चलिए कुछ हल्का फुल्का हेल्थी रेसिपी बनाते हैं।

गेहूं के भूसे का ढोकला
(राजस्थानी व्यंजन)

सामग्रीः- 2 कटोरी गेहूं का भूसा, 1 टेबलस्पून मोठ की दाल, 1 टेबलस्पून गेहूं का आटा, 1 टेबलस्पून लाल मिर्ची, एक टेबल स्पून घी, कटा हुआ हरा धनिया, हल्दी पाउडर, पानी आवश्यकतानुसार।

विधिः- मोठ की दाल को 2 घंटे पहले भिगो कर रखें। एक परात में भूसा लेकर उसमें मोठ की दाल, गेहूं का आटा, नमक, हल्दी, लाल मिर्ची, धनिया और घी का मोहन डाल दे। फिर उसे गूंध लें। बाद में इसको इडली के जैसा आकार देकर बीच में से छेद करिए। फिर इसे इडली के पात्र में या फिर ढोकला पात्र की जाली पर रखकर 10 मिनट फूल पर और 10 मिनट सिम गैस पर पकने दें। इसे आप तुवर दाल के साथ या फिर सॉस - चटनी के साथ भी परोस सकते हो।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

प्रलोभन सूं बचो

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हाँ.. **प्रलोभन** री यानि लालच, लोभ री। हुकुम लालच या तो कियो जावें या दियो जावें। मनुष्य ने यों ईश्वरीय वरदान है कि जन्म लेते ही माया रे बन्धन में पड़ जावें और कई तरह तरह रे प्रलोभन रो शिकार बण जावें।

हुकुम किन्ही व्यक्ति रे अंदर प्रलोभन रूपी विकार नहीं हुवें जब तक उणमें लोभ लालच स्वार्थ री भावना नहीं पनपे... क्योंकि लोभ ही प्रलोभन री जननी है जिणमें व्यक्ति आपरी महत्वकांक्षा ने उच्चतम सीमा तक बढ़ाने अपने आपने बड़ों महान प्रदर्षित करण री फिराक में रेहवे। खुद ने बड़ा दिखावण रे चक्कर में... **'सब कुछ म्हारों है'** मानव ने लालची बणा देवे और वो अंधे कुवें में डुबतों चलो जावें और इण हद तक आपरों स्तर गिरा देवें कि आपरा अपणों ने रोदण में कोई शर्म नहीं हुवें.. और तो और हुकुम कई बुरा हथकंडा अपनाने अपने आपने सर्वश्रेष्ठ साबित करण में लाग्योडो रहवे जिनमें कई अनर्थ भी कर देवें ।

हुकुम केहवे लालच बुरी बला है.. लालच न किन्हीने देवणों न लेवणों.. यों लालच आत्मा ने बंजर बणाने ग्लानि रे गर्त में धकेलन रो महत्वपूर्ण साधन हैं ।

हुकुम भगवान ईण काया ने चन्द समय रे वास्तें पृथ्वी लोक में भेजियों है.. या आपा सब जाणा कि हर व्यक्ति रो परम मित्र प्रलोभन रेहवे... हुकुम दो तरह रा प्रलोभन रेहवे एक **सकारात्मक** दूसरों **नकारात्मक**। सकारात्मक में मनुष्य कर्म पर विश्वास करें उणमें आत्मज्ञान हुवें की जेड़ा कर्म करिया पाछा लौट ने आवेला इण वास्ते वो सदा शरीर सूं अच्छा कार्य करें दीन दुखियों री मदद, बेसहारों रो सहारों जीव जंतु सबरो भलो करें या सोच ने याणि दुआओं व आशीर्वाद जीवन मे आवण वाळी कई मुसीबतों सूं रक्षा करेला।

दूसरा नकारात्मक प्रवृति रा लोग जो हिंसात्मक हुवे मारकाट करें लड़ाई झगड़ा खून खराबा तक उतर जावें। खुद रे विकास रे वास्ते दूसरा ने कोई चीज रो प्रलोभन देने खुद रो काम निकालण में माहिर हुवे ।

हुकुम म्हे तो केहु मनुष्य जन्म बड़ा भाग सूं मिलियो है और इन्हे पाने ने इण शरीर सूं अच्छे कर्म करां और उण नियंता ईश्वर ने धन्यवाद देंवा कि तू म्हने मानव योनि दी। प्रभु री इच्छा रे बग़ैर पत्ता भी नही हिल सके फिर लोभ किण बात रो करां ..? एक भजन में गायों है..

'जेहि विधि राखे राम तेहि विधि रहियो।'

प्रलोभन न देंवनों न किया करणों। यों ही जन हित, जनकल्याणकारी है। खुद रे सुकर्मो सूं संचित धन रो ही उपभोग करणों।

हुकुम दूसरों री कोई भी चीज रो प्रलोभन न करणो ही मनुष्य रे वास्तें ईश्वर रे समीप पहुंचण रो सुगम रास्तों है।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- जी लो खुल कर हर लम्हा खोने से पहले...
  लौट कर यादें आती है वक्त नहीं ।
- कहाँ होता है इतना तजुर्बा किसी हकीम के पास!
  माँ आवाज सुनकर बुखार नाप लेती है!!
- अभी कांच हूं इसीलिए दुनिया को चुभता हूं...
  जब आईना बन जाऊंगा पूरी दुनिया देखेगी।
- यूं तो कोई शिकायत नही मुझे मेरे आज से...
  मगर कभी कभी बिता हुआ कल बहुत याद आता है।
- जब आप से अपने खफा होने लग जाये....
  तो समझ लेना कि आप सही रास्ते पर है।
- कहाँ मिलता है कोई समझने वाला...
  जो भी मिलता है, समझा के चला जाता है।
- रवायतों की सफ़ें तोडकर बढो वरना
  जो तुमसे आगे है वो रास्ता नहीं देंगे !!

कार्टून कौतुक

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए नवम्बर महीना में वाहन एवं मकान की खरीदी संभावित है। विद्यार्थी उच्च अध्ययन के लिए एवं विदेश में शिक्षा प्राप्ति के लिए यदि प्रयत्न करते हैं तो सफलता मिलेगी। संबंधों एवं रिलेशनशिप की दृष्टि से यह महीना मेष राशि के लिए अत्यंत अनुकूल है। लंबे समय से चल रहे विवाद बातचीत के जरिए हल होने की संभावना है। व्यवसायियों एवं स्वयं का उद्यम करने वाले आर्थिक रूप से इस महीने में सहज अनुभव करेंगे। नौकरी के क्षेत्र में कार्यरत जातक के लिए यह महीना सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं विशेष रुप से श्वशन तंत्र से संबंधित समस्याएं हो सकती है। इसके प्रति सजग रहें। स्कूली छात्रों में एकाग्रता की कमी दिखेगी।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों का नवम्बर माह में पारिवारिक सामंजस्य एवं सौहार्द बढ़ेगा। जीवन साथी के साथ में धार्मिक एवं पर्यटन स्थल की यात्रा पर जाने के योग बनेंगे। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। शासकीय सेवा में कार्यरत जातकों को नवीन सूचनाएं जो कि सुखद होंगी, मिलने की संभावना है। मनी इन्वेस्टमेंट का कार्य करने वाले जातक इस माह में सजग रहें, नुकसान संभावित है। सोच समझकर निर्णय लेवें। स्वास्थ्य की दृष्टि से रीड की हड्डी एवं सिर में समस्या हो सकती है, अतः अपना ख्याल रखें। स्कूली छात्रों में नवीन विषय सीखने के प्रति उत्साह रहेगा।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना पारिवारिक व आर्थिक दृष्टि से उत्तम है। पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। परिजनों के साथ तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। आईटी क्षेत्र में तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों के विदेश जाने के योग भी बनेंगे। जो जातक पार्टनरशिप में व्यवसाय कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलेगी एवं व्यवसाय में वृद्धि होगी। इस माह आपको अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के प्रति प्रयास करना चाहिए ताकि आने वाली परेशानी से बच जाएं। स्कूली छात्रों द्वारा किए गए प्रयास इस महीने में उन्हें आसानी से अच्छे परिणाम दे सकते हैं।

कर्क

कर्क राशि के जातक चाहे वह नौकरी में हों या व्यापार में दोनों को ही यह महीना अत्यंत अनुकूल रहेगा। दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह महीना अत्यंत सुखद रहेगा। निवेश का व्यापार करने वाले जातक को नवम्बर महीना लाभप्रद रहेगा। निजी क्षेत्र में कार्य करने वाले जातक पदोन्नति पा सकते हैं। लोहा, वाहन या तेल का व्यवसाय करने वाले जातक लाभ प्राप्त करेंगे। स्कूली छात्रों का अध्ययन के प्रति रुझान बढ़ेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों को इस महीने अपने स्वभाव को सौम्य एवं लचीला बनाकर रखने की आवश्यकता है। परिवार के अन्य सदस्य आपकी सहायता के लिए आगे आयेंगे। एक्सपोर्ट के व्यापार से जुड़े हुए जातक को इस महीने में कठोर परिश्रम करना पड़ेगा, प्रतिद्वंदी विशेष चुनौती देंगे। व्यापार से जुड़े जातक सामान्य लाभ अर्जित करेंगे। स्कूली छात्रों को एकाग्रता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करना चाहिए।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से नवम्बर महीना शुभ फल प्रद होने की पूरी संभावना है। जिन जातकों के दाम्पत्य जीवन में विवाद हो, वे लंबी यात्राओं पर जाकर अपने संबंधों में सुधार कर सकते हैं। पूर्व समय में किए गए इन्वेस्टमेंट द्वारा आप अधिक लाभ कमाने के रास्ते खोल सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस महीने में आपको गैस्ट्रिक ट्रबल डाइजेशन से संबंधित समस्याएं, सिर दर्द, चक्कर आना जैसी समस्याएं हो सकती है। आपको चाहिए कि सात्विक आहार करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए इस महीने में कुछ पारिवारिक विवाद या मनमुटाव संभावित है। विशेषकर बड़े भाई-बहनों से वाद विवाद ना करें एवं उनकी सलाह को बड़ी सहानुभूति पूर्वक सुने। पार्टनर एवं जीवन साथी से लाभ होगा। संगीत एवं कला के क्षेत्र से जुड़े हुए जातकों के लिए यह महीना अत्यंत अनुकूल है। कोई नवाचार करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो अत्यंत उपयुक्त समय है। कफ से रिलेटेड बीमारियां परेशानियां दे सकती है, इनके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए नवम्बर महीना बैंक से संबंध सुधारने की दृष्टि से अत्यंत अनुकूल है। बैंक का पुराना लेनदेन करके नवीन योजनाओं के क्रियान्वयन में बैंक का सहयोग ले सकते हैं। स्टॉक और शेयर मार्केट का कार्य करने वाले जातक को इस महीने विशेष सजग रहने की आवश्यकता है। कोई जोखिम लेने के पहले अच्छे से विचार करें। सिविल कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले जातकों के लिए नवम्बर माह विशेष शुभ फलदाई है। शरीर में पानी की कमी की समस्या उत्पन्न हो सकती है, इसके प्रति सजग रहें।

धनु

रुके हुए पैसे की रिकवरी के लिए किए गए प्रयासों से धनु राशि के जातकों के संबंध कर्जदार से बिगड़ सकते हैं एवं विवाद संभावित है, कृपया अभी इस मिशन को पेंडिंग रखें। दाम्पत्य संबंधों की दृष्टि से नवम्बर अत्यंत अनुकूल है। व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी पेशा जातकों दोनों को ही कार्यक्षेत्र में अनुकूलता रहेगी एवं धन का प्रवाह बना रहेगा। शासकीय सेवा में कार्यरत जातकों को उनके सीनियर्स सपोर्ट करेंगे।

मकर

व्यापार से जुड़े हुए जातक नवम्बर महीने में अक्टूबर महीने की तुलना में काफी सुधार महसूस करेंगे। नई योजनाएं बनेगी एवं क्रियान्वित होगी। इस महीने नए मकान एवं नए वाहन की खरीदी के योग भी बनेंगे। निजी क्षेत्र में कार्य करने वाले जातक अपने साथियों से बहुत अच्छे संबंध रखेंगे। ऐसे जातक जिनका विद्युत से संबंधित व्यापार या कार्यक्षेत्र है एवं जो सॉफ्टवेयर इत्यादि का कार्य करते हैं, उनके लिए अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से पाचन संस्थान से संबंधित बीमारियां परेशान करेंगी अपने खान-पान के प्रति सजग रहें।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों को स्वास्थ्य के प्रति विशेष सजगता रखना है। विशेषकर सर्दी के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों एवं एलर्जी से अपना बचाव करें। लंबे समय से चले आ रहे मनमुटाव दूर होने की पूरी संभावना है। आर्थिक दृष्टि से कई नई सौगातें लेकर नवम्बर आ रहा है, आपको चाहिए कि अपनी दृष्टि को पैनी रखकर अवसर को हाथ से जाने ना दें। सोने का व्यापार करने वाले जातकों को विशेष लाभ संभावित है। बुखार एवं टॉन्सिल संभावित है।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए नवम्बर महीना पारिवारिक सामंजस्य को बढ़ाने वाला साबित होगा। परिवार में शुभ मांगलिक आयोजन होंगे, जिन पर धन व्यय होगा। कार्यशैली में सुधार आएगा। नए निवेश से लाभ होगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में लाभ होने के योग प्रबल बने रहेंगे। मानसिक तनाव एवं शारीरिक रूप से फिटनेस में कमी महसूस करेंगे। वाणी पर संयम रखना परम आवश्यक रहेगा नहीं तो अपनों से वाद-विवाद हो सकता है।

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक
स्वामला®
हर मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्यवर्धक
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!
सेहत का खजाना, दो चम्मच* रोजाना!
शरीर घटकों को सशक्त करें
रोगप्रतिकारशक्ति सक्षम करने में मदद करें
आरोग्य बनाए रखें
उत्साह तथा उर्जा बढाए
श्वसनसंस्था को बल दे
बार बार उत्पन्न होने वाली आरोग्य की समस्याओं को दूर रखने में
६० सालों से स्थापित उत्पाद
सुवर्ण से समृद्ध च्यवनप्राश
* मात्रा
बड़ों के लिए - एक बड़ा चम्मच (१५ ग्राम) दिन में दो बार
बच्चों के लिए - एक छोटा चम्मच (५ ग्राम) दिन में दो बार
सावधान: चिकित्सक की सलाह अनुसार ले
F23SWAd6.5x9.25H155
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ
For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 I For online purchase: http://consumerayurved.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 November, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com